वार्षिक प्रतिवेदन

Annual Report
(2023-2024)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY

(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)

उत्तराखण्ड सरकार का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रान्सपोर्ट नगर के पीछे (तीनपानी बाईपास), हल्द्वानी- 263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani-263139, Nainital, Uttarakhand

सम्पादन

डॉ. शशांक शुक्ला – समन्वयक
डॉ. नन्दन कुमार तिवारी

© उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
प्रकाशक : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
मुद्रण : उत्तरायण प्रकाशन, हल्द्वानी

University Grants Commission
Bahadur Shah Zafar Marg
New Delhi-110002 **2308-2766**

F.No.UGC/DEB/2013
Dated 14.10.2013

The Registrar/ Director
Of all the Indian Universities
(Deemed, State, Central Universities/
Institutions of National importance)

Subject: Equivalence of Degrees awarded by Open and Distance Learning (ODL) Institutions at par with Conventional Universities / Institutions

Sir/ Madam,

There are a number of Open and Distance Learning Institutions (ODLIs) in the country offering Degree/ Diploma/ Certificate Programmes through the mode of non formal education. These comprise Open Universities, Distance Education Universities, Deemed to be Universities, Institutions of National Importance or any Council/ Societies registered under the Society Registration Act 1860.

2. **A circular was earlier issued vide UGC letter FL No.-52/2000 (CPP-11) dated May 05, 2004 (copy enclosed) mentioning that Degrees/Diplomas / Certificates / awarded by the Open Universities in conformity with the UGC notification of degree be treated as equivalent to corresponding awards of the traditional Universities in the country.**
3. **Attention is also invited to UGC circular No Fl-25/93(CPP-II) dated 28th July 1993 (copy enclosed) for recognition of degrees and diplomas as well as transfer of credit for course successfully completed by students between the two types of Universities / institutions is ensured without any difficulty.**
4. **The Government of India, in exercise of outs power conferred under section 20 (1) of UGC Act 1956, issued directions dated 29th December 2012 entrusting UGC with the responsibility of regulating higher education Programme in open and distance learning (ODL) mode. Consequently, Universities/ Institutions desirous of offering any Programme through distance mode would require recognition of UGC.**
5. **As you are aware, the Government of India has envisaged a greater role for the Open and Distance Education System. The envisaged role may be fulfilled by recognizing and treating the Degrees / Diplomas / Certificates awarded through distance mode at par with the degrees obtained through the formal system of education. Open and Distance Education System in the country is contributing a lot in expansion of Higher Education and for achieving target of GER, without compromising on quality. Non recognition / non equivalence of degrees of ODL Institutions for the purpose of promotion/ employment and pursuing higher education may prove a deterrent to many learners and will ultimately defeat the purpose of Open and Distance Education.**
6. **Accordingly, the Degrees / Diplomas/ Certificates awarded for Programmes conducted by the ODL institutions, recognized by DEC (erstwhile) and UGC, in conformity with UGC Notification on specification of Degrees should be treated as equivalent to the corresponding awards of the Degree/Diploma/Certificate of the traditional Universities/ Institutions in the country.**

(Vikram Sahay) 14/10

Director (Admin)
Tel: 011 23230405
Email: vikramsahay7@gmail.com

Enclose: As above

Copy to:

1. **Secretary, Government of India, Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Shastri Bhawan, New Delhi-110 001**
2. **Secretary, All Indian Council for Technical Education, 7th Floor, Chandra Lok Building, Jan path, New Delhi.**
3. **Secretary, Association of Indian Universities, AIU House, 16 Comrade Indrajit Gupta Marg (Kolta Marg), New Delhi-110002.**

अनुक्रमणिका (Index)

	पृष्ठ संख्या
कुलपति की कलम से	1
आमुख (Preface)	2
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय: एक परिचय	3
विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों एवं कुलसचिवों की सूची	4
1. पाठ्यचर्या आयाम (Curricular Aspects)	5-10
2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन (Teaching: Learning and Evaluation)	11-60
3. शोध, परामर्श एवं प्रसार (Research, Consultancy and Extension)	61-74
4. अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन (Infrastructure and Learning Resources)	75-82
5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति (Student Support and Progression)	83-92
6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन (Governance, Leadership and Management)	93-94
7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें (Innovations and Best Practices)	95-107
APPENDICES	108
Appendix I अष्टम दीक्षान्त समारोह (Eighth Convocation)	109
Appendix II दीक्षान्त समारोह में शोधोपाधि लेने वाले शिक्षार्थियों की सूची	110-111
Appendix III कार्य परिषद् (Executive Council)	112
Appendix IV विद्या परिषद् (Academic Council)	113
Appendix V योजना परिषद् (Planning Board)	114
Appendix VI वित्त समिति (Finance Committee)	115
Appendix VII विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य(Members of the University Authority)	116-117
Appendix VIII प्रेस विज्ञप्ति (Press Release)	118-121
Appendix IX विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन (Human Resources of the University)	122-129
Appendix X उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम (Programmes of the University)	130-134
Appendix XI क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centers)	135
Appendix XII अध्ययन केन्द्रों की सूची (List of Study Centers)	136-141

कुलगीत

जहाँ ज्ञान श्रद्धा से जुड़ता, जहाँ ज्ञान चेतना बसे;
जहाँ ज्ञान का योग निरन्तर, जहाँ ज्ञान से मुक्ति मिले,
जहाँ ज्ञान से बिछुड़ों की भी आशाओं के दीप जले;
जहाँ सभी को ज्ञान-यज्ञ में आहुति का अधिकार मिले।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

पर्वत की श्रृंखला यहाँ दृढ़ता के पाठ पढ़ाती;
निर्मल जल-धारायें निशि-दिन कल-कल गीत सुनातीं,
भाँति-भाँति की औषधियाँ, फल-फूल, प्रकृति मुसुकाती;
देवभूमि की सुन्दरता से अमरावती लजाती।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

परम्परायें यहाँ ज्ञान की, तपोभूमि भारत की;
ज्ञानभूमि है यही विवेकानन्द, आदि-शंकर की,
धरा यही ऋषियों-मुनियों की, योग-ध्यान साधन की;
बहीं शारदा, सरयू, यमुना, कोख यही सुरसरि की।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विद्या देती विनय-पात्रता, शुभ प्रसाद धन-सुख का;
ज्ञान मोक्ष का द्वार, यही उद्घोष देव-संस्कृति का,
नई विधायें, नई दिशायें, पथ नवीन आशा का;
मुक्त विश्वविद्यालय अपना, है अभियान प्रगति का।।

पीठ ज्ञान की मुक्त लिये रोली-कुंकुम।
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानं। श्रद्धावाँल्लभते ज्ञानम्।।

विश्वविद्यालय के उद्देश्य

विश्वविद्यालय, दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से जिसमें किसी संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग भी है, अधिसंख्यक जनसमुदाय में शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में अभिवृद्धि करेगा और अपने क्रियाकलापों को संचालित करने में अधोलिखित विनिर्दिष्ट उद्देश्यों का सम्यक् ध्यान रखेगा-

1-विश्वविद्यालय राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए जो राज्य की समृद्ध परम्पराओं पर आधारित हो राज्य की जनता की संस्कृति और उसके मानवीय संसाधनों की उन्नति और अभिवृद्धि के लिए शिक्षा, शोध, प्रशिक्षण और विस्तारण के माध्यम से, प्रयास करेगा। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए वह-

क. नियोजन की आवश्यकताओं से सम्बन्धित तथा देश की अर्थव्यवस्था के, उसके प्राकृतिक और मानवीय साधनों के आधार पर, निर्माण के लिए आवश्यक उपाधि, डिप्लोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा और उन्हें विविध प्रकार का बनायेगा;

ख. जनता के बड़े भागों और विशिष्टतया सुविधारहित समूह को, जैसे कि वे समूह जो दूरस्थ व ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे हैं, जिनके अंतर्गत श्रमजीवी जनता, घरेलू महिलायें और ऐसे वयस्क हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने व अर्जित करने की इच्छा रखते हैं, उच्चतर शिक्षा तक उनकी पहुँच के लिए उपबन्ध करेगा;

ग. शीघ्रता से विकसित और परिवर्तित होने वाले समाज में ज्ञान के अर्जन का संवर्धन करेगा और मानव प्रयास के सभी क्षेत्रों में नव-परिवर्तन, अनुसन्धान, शोध के सन्दर्भ में ज्ञान, प्रशिक्षण और कुशलता बढ़ाने के लिए लगातार अवसर प्रस्तुत करने के लिए प्रयास करेगा;

घ. ज्ञान के नये क्षेत्रों में विद्या की अभिवृद्धि करने और उसे विशिष्टतया प्रोत्साहित करने की दृष्टि से विद्या के तरीकों और गति, पाठ्यक्रमों के मिश्रण, नामांकन की पात्रता, प्रवेश की आयु, परीक्षाओं के संचालन और कार्यक्रमों के प्रवर्तन के सम्बन्ध में सुनिश्चय और निर्बाध विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा की नई प्रणाली के लिए उपबन्ध करेगा;

ङ. औपचारिक पद्धति की अनुपूरक अनौपचारिक पद्धति का उपबन्ध करके और विश्वविद्यालयों द्वारा विकसित पाठों और अन्य सॉफ्टवेयर का व्यापक रूप से उपयोग करके गुणवत्ता के अन्तरण को और शिक्षण कर्मचारी वृन्द के विनिमय को प्रोत्साहित करके शैक्षणिक पद्धति के सुधार में सहयोग देगा;

च. देश की विभिन्न कलाओं, शिल्पों और कुशलताओं में, उनकी गुणवत्ता में सुधार करके जनता के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि करके शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध करेगा;

छ. ऐसे कार्यकलापों या संस्थाओं के लिए अपेक्षित शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए उपबन्ध या प्रबन्ध करेगा;

ज. अध्ययन के यथोचित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उपबन्ध करेगा और अनुसन्धान को बढ़ावा देगा;

झ. अपने छात्रों के लिए परामर्श एवं मार्गदर्शन के लिए उपबन्ध करेगा; और

ञ. अपनी नीति एवं कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता व मानव व्यक्तित्व के समन्वित विकास में वृद्धि करेगा।

2- विश्वविद्यालय दूर और अनुवर्ती शिक्षा के विविध माध्यमों से उक्त उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रयास करेगा और उच्चतर शिक्षा के विद्यमान विश्वविद्यालयों और संस्थाओं के सहयोग से कृत्य करेगा और नवीनतम ज्ञान का और नई शिक्षण प्रौद्योगिकी का ऐसी उच्च गुणवत्ता की शिक्षा देने के लिए जो समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप हो, पूर्ण उपयोग करेगा।

(उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005)

महामहिम लेफ्टिनेन्ट जनरल गुरमित सिंह

श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रो० ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति
Prof. Om Prakash Singh Negi
Vice Chancellor

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

कुलपति की कलम से

ज्ञान शाश्वत चेतना के साथ ही समाज-सापेक्ष संरचना भी है। एक तरह से 'मूल' और 'विस्तार' दोनों। मूल जहाँ इसकी शाश्वतता निर्धारित करता है, वहीं विस्तार इसकी समाज-सापेक्षता। अर्थ यह है कि ज्ञान गत्यात्मक प्रत्यय है। यह कोई स्थिर दर्शन या सिद्धान्त नहीं है, अपितु मानवीय सभ्यता-संस्कृति की आवेगशीलता के सापेक्ष निरन्तर परिवर्तित-परिवर्द्धित प्रत्यय है। यही कारण है कि एक ओर वह परम्परा का अंग (अतीत/इतिहास) बनता है तो दूसरी ओर विज्ञान (सामाजिक अनुषंग एवं तत्वभूत पदार्थ) का। इस प्रकार ज्ञान आरोहणमूलक संस्कृति है। विश्वविद्यालय इसी आरोहण के सम्भूत केन्द्र हैं।भारतीय ज्ञानात्मक चेतना की ही फलश्रुति विश्वविद्यालय की अवधारणा में सार्थक हुए। आचार्यों ने समझा कि हम ऐसा केन्द्र निर्मित करें, जो छात्रों के भीतर प्रेम, करूणा, परोपकार, त्याग, शुचिता, मानवीयता सामाजिकता, सत्यग्राहिता जैसे भावों- सम्वेदों का उदय करें और उन्हें इनके धारण की पात्रता निर्मित करें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ज्ञानात्मक औदार्य की परम्परा को निरन्तर विकसित करता रहा है। इसके शिक्षक अधिगम, पाठ्यक्रम, शैक्षिक कार्यक्रम इस तरह नियोजित किये जाते रहे हैं कि छात्रों के भीतर ज्ञानात्मक चेतना का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग दोनों एक साथ निर्मित हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के मानकों तथा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के मापदण्डों पाठ्यक्रम पक्ष, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध परामर्श एवं प्रसार, अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवायें एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें जैसे मानकों के आधार पर संचालित हो रहा है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति तकनीक शिक्षा के प्रसार से न केवल सहायक होती है, अपितु शिक्षा के कथ्य भी निर्धारित करती है। आज का ज्ञान सूचनात्मक हो चला है। इसके स्वरूप में अब शास्त्रीयता की जगह विज्ञान आ गया है। ऐसी स्थिति में दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपने शिक्षार्थियों को नये ढंग से शिक्षित कर हीरहा है।साथ ही उत्तराखण्ड राज्य के भावी विकास में अपनी अहम भूमिका का भी निर्वहन कर रहा है।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र में अनेक अकादमिक उपलब्धियां अर्जित कीं हैं। इसी अवधि में अष्टम दीक्षांत समारोह का आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय में फरवरी, 2024 में 18 वें राज्य साइंस कांग्रेस का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल महाराष्ट्र श्री भगत सिंह कोश्यारीजी थे। इस अवधि में विश्वविद्यालय ने अनेक शिक्षण संस्थानों के साथ शैक्षिक करार भी किये। मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए कुमाउनी, गढ़वाली एवं नेपाली भाषा में सर्टिफिकेट कार्यक्रम लागू किये। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम लागू किया गया। राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा भारतीय ज्ञान परम्परा के पाठ्यक्रम निर्माण को लागू करने में मुक्त विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विश्वविद्यालय को पूर्ण विश्वविद्यालय की दिशा में ले जाते हुए हमने 12 बी विजिट हेतु अपनी अकादमिक तैयारी पूर्ण की तथा अभी कुछ दिन पूर्व ही विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की टीम द्वारा सफलतापूर्वक निरीक्षण भी किया जा चुका है। साथ ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्याल ने कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के अंतर्गत नेश्नल काउंसिल फॉर वोकेश्नल एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग (NCVET) की मान्यता के लिए भी अपना पक्ष रखा है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मन्त्रालय से मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय रोजगार के क्षेत्र में उत्तराखण्ड की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगा। इसके अतिरिक्त उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने अनेक अकादमिक उपलब्धियां हासिल कीं।

मुझे हर्ष है कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवीन कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सत्र 2023-24 के बीच विश्वविद्यालय की अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधियां उल्लेखनीय रही हैं। मैं इसके लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा शिक्षार्थियों को भीबधाई देता हूं। इस वार्षिक प्रतिवेदन को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् के मापदण्ड के अनुरूप तैयार किया गया है, इसके लिए मैं वार्षिक प्रतिवेदन के सम्पादक मण्डल के सभी सदस्यों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी
कुलपति

Vishvidhyalaya Marg, Near T.P. Nagar, Haldwani-263139 (Nainital) Uttarakhand विश्वविद्यालय मार्ग, निकट ट्रान्सपोर्ट नगर, हल्द्वानी–263139 (नैनीताल) उत्तराखण्ड
Mob. : 8954043377, Ph. : 05946-263014 Fax : 05946-262032 Website: www.uou.ac.in, E-mail: vc@uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
Uttarakhand Open University

Ref. No: ………………..
Date: …………………...

आमुख

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी विकास यात्रा की 20 वें वर्ष में निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय द्वारा NAAC के सात मानकों के आधार पर नौवीं वार्षिक प्रतिवेदन (Annual Report) 2023-24 तैयार किया जा रहा है।

इस वार्षिक प्रतिवेदन में वर्ष 2023-24 का विश्वविद्यालय से जुड़े अनेकों विषय यथा- विश्वविद्यालय परिचय, पाठ्यचर्या आयाम, शिक्षण अधिगम एवं मूल्यांकन, शोध, परामर्श एवं प्रसार, अधिसंरचना एवं अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें के साथ-साथ विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह, कार्यपरिषद, विद्यापरिषद्, योजना परिषद्, वित्त समिति, विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य, मानव संसाधन, पाठ्यक्रमों की सूची, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की सूची आदि का विवरण दिया गया है।

उच्च शिक्षा प्राप्त व्यक्ति ही प्राय: जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस दृष्टि से 'उच्च शिक्षा' का समाज में बड़ा महत्व है तथा इसकी अत्यन्त आवश्यकता है। आज शैक्षणिक जगत् में 'दूरस्थ शिक्षा' शिक्षा प्राप्ति का एक सशक्त एवं उत्तम विकल्प के रूप में माना जाता है। खासकर विगत वर्षों में जब देश कोरोना की महामारी से त्रस्त था, उस समय इस शिक्षा की महत्ता को भी सभी लोगों ने पहचाना और अपनाया। सम्प्रति सभी विश्वविद्यालयों को यूजीसी को द्वारा यह निर्देश है कि वह अपनी शिक्षण पद्धित में 'दूरस्थ माध्यम' को अपनाने का कार्य करें।

दूरस्थ शिक्षण प्रणाली आज के डिजिटल युग में दूरस्थ शब्द को निष्प्रभावी बना देती है और वस्तुत: डिजिटल माध्यमों से शिक्षक और शिक्षार्थी के बीच की दूरी सिमट जाती है और वे नियमित सम्पर्क में रह सकते है। यह प्रणाली विशुद्ध रूप से शिक्षार्थी केन्द्रित है और समय तथा धन दोनों दृष्टियों से कम खर्चीली है। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षक का स्थान अध्ययन सामग्री रूपी पुस्तकें ले लेती है। इस पद्धति में शिक्षक अपना ज्ञान प्रत्यक्ष रूप से शिक्षार्थी को न देकर अप्रत्यक्ष रूप से अध्ययन सामग्री के माध्यम से पहुँचाने का कार्य करता है।

आज देश में अनेकों ऐसे लोग जो शिक्षा से वंचित रह गये थे, कहीं कार्यरत है अथवा उम्र का बंधन शिक्षा प्राप्ति में आड़े आ रहा हो उन सभी लोगों के लिए 'दूरस्थ शिक्षा' एक सशक्त विकल्प बन कर उभरा है और ऐसे सभी लोग अपनी-अपनी शिक्षा दूरस्थ माध्यम से पूरा करने का कार्य कर रहे है।

अन्त में मैं वार्षिक प्रतिवेदन निर्मित करने वाले सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूँ।

(खेमराज भट्ट)
कुलसचिव

Teenpani Bypass, Haldwani - 263139, Nainital, Uttarakhand तीनपानी बाईपास, हल्द्वानी–263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड
Tel. : 05946-286000 • Toll Free No. : 1800 180 4025 • Fax : 05946-264232 • E-mail : info@uou.ac.in • Website : www.uou.ac.in

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय: एक परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना, उत्तराखण्ड शासन के एक्ट 23, 2005 द्वारा विधानसभा में पारित प्रस्ताव के माध्यम से हुई। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दूरस्थ प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा को प्रदान करना, शिक्षा को रोजगारपरक एवं तकनीकी रूप में सर्वजन सुलभ ढंग से उत्तराखण्ड के दुर्गम क्षेत्रों तक के निवासियों तक पहुँचाना तथा शिक्षा को सर्वजन सुलभ बनाना है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना को 20 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन 20 वर्षों में इस विश्वविद्यालय ने प्रगति की नित्य-नवीन ऊँचाइयों को छुआ है। सीमित अवधि और अल्प संसाधनों के बावजूद भी विश्वविद्यालय की अकादमिक और प्रशासनिक गतिविधियाँ राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखित होती रही हैं। आज यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसकी पहुँच उसके सभी जिलों व सुदूर क्षेत्रों तक है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय हल्द्वानी के अतिरिक्त देहरादून में भी एक क्षेत्रीय परिसर है। विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केन्द्र तथा 126 अध्ययन केन्द्र हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की संरचना में क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्र उसकी धमनियों के समान हैं, जिसके माध्यम से पूर्ण विश्वविद्यालय की गति प्रवाहित होती रहती है। मुक्त विश्वविद्यालय केन्द्र और विकेन्द्रीकरण का अद्भुत समन्वय होता है। एक ओर इसकी अपनी संदृष्टि और कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए विभिन्न केन्द्र होते हैं, अर्थात् एक केन्द्र और फिर उसके बहुकेन्द्र। इस प्रक्रिया में केन्द्रीयता भी होती है और जनबद्ध-बोझिल एकरूपता का अभाव भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों पर संचालित होने वाले कार्यक्रम इसकी लोकधर्मिता, संजीवता व व्यापक प्रकार की ही प्रतिध्वनि हैं। इस विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में लगभग 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिसमें प्राच्य विद्याओं के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी समावेश है। यथा - मानविकी विद्याशाखान्तर्गत (हिन्दी, अंग्रेजी, ज्योतिष, कर्मकाण्ड, संस्कृत, संगीत तथा उर्दू) समाज विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (इतिहास, समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन), विज्ञान विद्याशाखान्तर्गत (भौतिकी, रसायन, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गणित) भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखान्तर्गत (जिओलॉजी, वानिकी, भूगोल) पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन, कम्प्यूटर साइंस, लाइब्रेरी साइंस आदि विषयों से लेकर प्रबन्धन एवं वाणिज्य, पर्यटन, व्यावसायिक अध्ययन जैसे रोजगारपरक विषय भी हैं।

प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में अप्रैल 2023 से लेकर मार्च 2024 तक की विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों का उल्लेख है। सत्र 2023-2024 विश्वविद्यालय के लिए विशेष उपलब्धियों से युक्त रहा हैं। वर्ष 2023 में विश्वविद्यालय की भौतिक संरचना तथा मानव संसाधन विकसित होने से निरन्तर कार्य में सुलभता हुई तथा कार्य क्षेत्र का विस्तार हुआ।

इसी कालावधि में विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 27 दिसम्बर 2023 को अष्टम दीक्षान्त समारोह का आयोजन भी किया गया, जिसमें वर्ष 2022-23 तक के उत्तीर्ण छात्रों को प्रमाण-पत्र, चांसलर मेडल, विश्वविद्यालयीय गोल्ड मेडल तथा विभिन्न विषयों में शोध की उपाधियाँ दी गयी।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना काल से कुलपतियों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल कब से	 कब तक
1.	प्रोफेसर एस.एस. हसन	22-11-2005	15-07-2008
2.	श्री इन्दु कुमार पाण्डेय (अतिरिक्त प्रभार)	16-07-2008	24-11-2009
3.	प्रोफेसर विनय कुमार पाठक	25-11-2009	24-11-2012
4.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	25-11-2012	13-02-2013
5.	प्रोफेसर सुभाष धूलिया	14-02-2013	13-04-2016
6.	प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल (कार्यकारी)	14-04-2016	02-05-2016
7.	प्रोफेसर नागेश्वर राव	03-05-2016	17-07-2018
8.	प्रोफेसर डी.के. नौडियाल	18-07-2018	08-02-2019
9.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	08-02-2019	07-02-2022
10.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	08-02-2022	24-07-2022
11.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी	25-07-2022	अब तक

कुलसचिवों की सूची

क्रम सं.	नाम	कार्यकाल कब से	 कब तक
1.	डॉ. एस.ए.चारी	20-01-2006	22-06-2006
2.	श्री महादेव प्रसाद (अतिरिक्त प्रभार)	03-11-2006	05-03-2007
3.	डॉ. अनिल कुमार जोशी	06-03-2007	19-12-2007
4.	डॉ. बी.आर.पन्त (विशेष कार्याधिकारी)	20-12-2007	21-06-2010
5.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	22-06-2010	27-12-2011
6.	श्री सुधीर बुड़ाकोटी	28-12-2011	24-07-2012
7.	प्रोफेसर आर.सी.मिश्र	25-07-2012	25-12-2012
8.	प्रोफेसर जी.पी. पाण्डे	26-12-2012	16-09-2013
9.	श्री लक्ष्मण सिंह रावत	17-09-2013	16-09-2015
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	16-09-2015	04-12-2015
11.	प्रोफेसर आर.सी. मिश्र	04-12-2015	18-09-2018
12.	श्री भरत सिंह	18-09-2018	12-10-2020
13.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह	12-10-2020	29-12-2020
14.	प्रोफेसर एच.एस. नयाल	29-12-2020	10-03-2022
15.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	11-03-2022	10-08-2022
16.	डॉ. रश्मि पन्त	10-08-2022	9-08-2023
17.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	09-08-2023	31-03-2024

1. पाठ्यचर्या आयाम
(Curricular Aspects)

किसी भी विश्वविद्यालय के लिए उसके शैक्षणिक कार्यक्रम उसके दृष्टिगत दायित्व के परिचालक होते हैं। विश्वविद्यालय जब किसी विषय में कोई पाठ्यक्रम संचालित करता है, उससे हम उसकी क्रियात्मकता एवं समाज के प्रति उसकी दृष्टि एवं उत्तरदायित्वों को समझ सकते हैं। शैक्षणिक कार्यक्रम विश्वविद्यालय के आंतरिक दर्शन का बाह्य विस्तार होता है, कारण यह है कि इन्हीं के माध्यम से वह अपने शैक्षिक–सामाजिक उत्तरदायित्वों का प्रसार करता हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का ध्येय उत्तराखण्ड के दूरस्थ व्यक्तियों को उच्च शिक्षा से तो जोड़ना है ही, साथ ही विश्वविद्यालय इस बात के लिए भी कृत संकल्प है कि राज्य एवं देश के अध्येताओं को तकनीकी एवं आधुनिक विषयों को उच्च शिक्षण सामग्री के साथ प्रस्तुत करे, जिससे अध्येताओं के सामने गम्भीर चिन्तन की पृष्ठभूमि प्रस्तुत हो सके। इस समय विश्वविद्यालय 94 से भी अधिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है, जो परम्परागत पाठ्यक्रम (बी.ए, एम.ए., बी.कॉम, एम.कॉम) से लेकर आधुनिक रोजगारपरक विषयों से भी जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष कुछ नए पाठ्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है। इन पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा, रेडियो जॉकी जैसे आधुनिक पाठ्यक्रम के साथ ही संस्कृत तथा ज्योतिष जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय इस बात के लिए कृतसंकल्प है कि वह अपने पाठ्यक्रमों में परम्परागत शिक्षा के साथ ही आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का भी समावेश कर सके।

1.1. कार्यक्रम की प्रकृति (Nature of the Programmes)

पाठ्यक्रम के बाह्य संरचना के स्तर पर इसे वार्षिक, सेमेस्टर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों में विभक्त किया गया है। बी.ए, एम.ए. जैसे परम्परागत पाठ्यक्रम वार्षिक हैं, जबकि एम.बी.ए., एम.जे.एम.जी एम.टी.एम, जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर पद्धति के अनुसार रखा जाता है। सम्प्रति बी.ए, एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम जैसे पारम्परिक पाठ्यक्रमों को भी सेमेस्टर पद्धति के अंतर्गत किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त व्यावसायिक एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के अंतर्गत रखा गया है।

1.2. पाठ्यक्रम और क्रेडिट प्रणाली (Syllabus and Credit System)

मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति में प्रत्यक्ष शिक्षण पद्धति के कक्षा–अध्यापन के समतुल्य स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है। यह अध्ययन सामग्री कक्षा अध्यापन का लिखित प्रतिरूप है, इसलिए एक विशेष व्यवस्था के तहत इसे नियोजित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की समयावधि सुनिश्चित करने के लिए इन्हें क्रेडिट प्रणाली के अंतर्गत विभाजित किया गया है। दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में विभिन्न श्रेणी के पाठ्यक्रमों के लिए अलग-अलग क्रेडिट्स तथा अध्ययन अवधि निर्धारित की गयी है। इस व्यवस्था में एक (01) क्रेडिट का अभिप्राय 30 घंटे के छात्र अध्ययन के बराबर माना जाता है, जिसमें समस्त अध्ययन गतिविधियॉ शामिल हैं, जैसे: पढ़ने और स्वअध्ययन सामग्री (SLM) को समझने, ऑडियो सुनने, वीडियो देखने, परामर्श सत्र में भाग लेने, दूरसंवाद और सत्रीय कार्य लेखन, इत्यादि।

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित क्रेडिट एवं सामान्य अवधि का विवरण निम्नवत हैं-

पाठ्यक्रम	निर्धारित क्रेडिट	पाठ्यक्रम की सामान्य अवधि
प्रमाण-पत्र	12-18	6 मास
डिप्लोमा / पी.जी. डिप्लोमा	28-36	1 वर्ष

स्नातक उपाधि (सामान्य / व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष
स्नातक उपाधि (प्राविधिक)	160-105	5 वर्ष
द्वितीय स्नातक उपाधि	32	1 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (सामान्य)	60-66	2 वर्ष
स्नातकोत्तर उपाधि (प्राविधिक/व्यावसायिक)	96-100	3 वर्ष

1.3. विद्याशाखाएं (Schools)

वर्तमान में, विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं एवं 35 विभागों के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। ये विद्याशाखाएं निम्नलिखित हैं:-

1. कृषि एवं विकास अध्ययन
2. कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी
3. स्वास्थ्य विज्ञान
4. विज्ञान
5. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
6. प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य
7. शिक्षाशास्त्र
8. मानविकी
9. समाज विज्ञान
10. विधि
11. पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन
12. पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन
13. व्यावसायिक अध्ययन
14. भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान

1.4. पाठ्यक्रम एवं स्व-अध्ययन सामग्री(Curriculum and SLM)

मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षा पद्धति का आधार स्वचिंतन, स्वाध्याय एवं स्व-निर्माण है। प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति का आधार गुरू ज्ञान एवं गुरू व्यक्तित्व की समीपता है। प्रत्यक्ष शिक्षण- पद्धति में गुरू-शिष्य संवाद की पर्याप्त गुंजाइश तो है, किन्तु धीरे-धीरे उनका स्थान शिलाधर्मी गुरुओं के एकालापी वक्तव्य ने ले ली है। फलत: प्रत्यक्ष शिक्षण-पद्धति एकालाप तथा ज्ञान के आतंक तक सीमित होती चली गयी। मुक्त शिक्षण पद्धति ज्ञान के एकालापी पद्धति की जगह गुरू–शिष्य संवाद को स्थापित करती है। मुक्त विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री गुरू की लिखित उपस्थिति है। श्रेष्ठ लेखकों /प्राध्यापकों द्वारा निर्मितअध्ययन सामग्री छात्रों को इस योग्य बनाती है कि वह स्वयं ही ज्ञान के आत्मसातीकरण की प्रक्रिया को सुनिश्चित कर सकें। ज्ञान की सार्थकता तब तक नहीं होती जब तक कि वह छात्र के भीतर स्वयं ही प्रश्न निर्मित करने की योग्यता न उत्पन्न कर दे। मुक्त शिक्षा पद्धति में स्तरीय अध्ययन सामग्री के माध्यम से हम यह कार्य करते हैं। स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण में मनोवैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करते हुए छात्र के वातावरण, उसकी मानसिक गति-स्थिति तथा प्रश्नों –सामग्री के क्रमिक विस्तार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया जाता है।

पाठ्यसामग्री का निर्माण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के अत्यन्त महत्वपूर्ण घटकों में से है। पाठ्यक्रमों को सहज एवं बोधगम्य बनाने हेतु उन्हें सबसे पहले विषय केंद्रित खण्डों (ब्लॉक) में विभक्त किया जाता है। तत्पश्चात् प्रत्येक खण्ड को चार से छ: छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त किया जाता है। इस प्रक्रिया का मुख्य ध्येय यह है कि विद्यार्थी एक या दो चरण में एक इकाई का पूर्ण अध्ययन कर सके। पाठ्यवस्तु की शैली इस प्रकार नियोजित की जाती है कि वह कक्षा में अध्यापक की उपस्थिति को प्रतिबिंबित कर सके। इसलिए विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री के बीच-बीच में ऐसे प्रश्नों की श्रृंखला दी जाती है, जो उन्हें प्रेरित करने के साथ –साथ उस पाठ का तथ्यपरक ज्ञान भी करा सकें। कठिन तथा पारिभाषिक शब्दावली की आख्या द्वारा जटिल तथ्यों एवं विचारों को बोधगम्य बनाया जाता है। अध्ययनार्थियों को व्यापक एवं गहन अध्ययन के लिए उस विषय के महत्वपूर्ण तथा सहायक ग्रन्थों की सूची उपलब्ध करायी जाती है। इकाई के अन्त में दिये गये प्रश्न परीक्षा की तैयारी में विद्यार्थियों के लिए सहायक सिद्ध होते हैं।

1.5. ऑडियो – विजुअल सामग्री (Audio-visual Material)

दूरस्थ शिक्षा पद्धति को रोचक एवं प्रभावशाली बनाये जाने हेतु कुछ पाठ्यक्रमों में ऑडिया-विजुवल व्याख्यानों को विकसित किया गया है। ऑडियो-विजुअल की कुछ सामग्री विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। भविष्य के लिए यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु इकाई/ ब्लॉक के अनुसार ऑडियो-विजुअल सामग्री का विकास किया जाए फलस्वरूप विद्यार्थी को पाठ्य की सामग्री समझने में और अपनी समझ को और अधिक बढ़ाने में सहायता मिल सके । विश्वविद्यालय के एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम के तहत ऑडियो–विजुअल व्याख्यानों को ‘एडुसेट’ के माध्यम से सरकारी महाविद्यालयों मे अपने स्वयं के अध्ययन केंद्रो से प्रसारित करने की योजना है,जिससे विद्यार्थियों को इसका अतिरिक्त लाभ मिल सके। इस दिशा में हमारे केंद्र कार्य कर रहे हैं और वे सफल रहे हैं।

1.6. स्व-अध्ययन पाठ्यसामग्री लेखन एवं प्रशिक्षण (Study material writing and training)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के कुछ एक वर्षों में ही अपनी पाठ्य सामग्री का निमार्ण प्रारंभ करा दिया था। आज विश्वविद्यालय ने लगभग सारे विषयों में अपनी पाठ्य सामग्री निर्मित कर ली है। विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री नवीन ज्ञान-विज्ञान, शोधपरक दृष्टि एवं तथ्यात्मकता से युक्त है। प्रत्येक विषय के समन्वयक के निर्देशन में विषय विशेषज्ञों की सहायता से विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय की स्व-अध्ययन सामग्री प्रत्यक्ष शिक्षण का विकल्प होता है, इसलिए इसकी लेखन-प्रक्रिया सामान्य पुस्तक लेखन प्रक्रिया से भिन्न होती है। सामान्य लेखन में लेखक अपने मतों को अपने दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर देता है। उसके लेखन के केंद्र में कोई निश्चित पाठक नहीं होता। अत: वह अपने मत को व्यक्तिगत रूप देकर लिखता है। इस लेखन की अपनी स्तरीयता के अनुरूप ही पाठक स्वयं तय हो जाते हैं।

अत: लेखक पाठ की सम्प्रेषणीयता से मुक्त होता है, किन्तु मुक्त विश्वविद्यालय की पाठ्य सामग्री का निमार्ण सुनिश्चित पाठक के आधार पर होता है। इसलिए इसकी प्रक्रिया सरल भी होती है और ज्यादा वस्तुनिष्ठ भी। स्व-अध्ययन सामग्री का लेखन एक विशेष पद्धति (संवादात्मक) पर होता है, इसलिए यह पद्धति व्याख्यात्मक पद्धति से भिन्न होती है। इन्हीं कारणों से जब स्व-अध्ययन सामग्री का निर्माण किया जाता है, तब इसके लेखन में विशेष सावधानी की आवश्यकता पड़ती ही है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय समय-समय पर बाह्य एवं आंतरिक विषय-विशेषज्ञों की सहायता से स्व-अध्ययन सामग्री निर्माण की कार्यशाला आयोजित करता रहता है, जिससे उच्च पाठ्यसामग्री निर्मित हो सके। इस प्रकार के पाठ्यसामग्री लेखन की कार्यशाला एवं प्रशिक्षण से एक तो विश्वविद्यालय की पाठ्यसामग्री उन्नत होती है तो दूसरे उनमें एकरूपता भी आती है।

विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री की रूपरेखा इस प्रकार है –

क्रम संख्या	**विषय**	**विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित अध्ययन सामग्री**
1.	अंग्रेजी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
2.	हिन्दी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
3.	संस्कृत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
4.	ज्योतिष	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
5.	उर्दू	बी0ए0
6.	संगीत	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
7.	समाज कार्य	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
8.	इतिहास	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
9.	लोक प्रशासन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
10.	राजनीति विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
11.	योग	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
12.	गृह विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
13.	पर्यटन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
14.	होटल मैनेजमेन्ट	डीएचएम & बीएचम
15.	अर्थशास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
16.	शिक्षाशास्त्र	बी0ए0 व एम0ए0/ बी0एड0 (शिक्षाशास्त्र) एवं बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा)
17.	लोक प्रशासन	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
18.	जन्तु विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
19.	रसायन विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
20.	वनस्पति विज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
21.	भौतिकी	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
22.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी0 लिब0
23.	मनोविज्ञान	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
24.	समाज शास्त्र	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री
25.	भूगोल	सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री

विषयवार अध्ययन सामग्री की सूची

1.7 कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशाला/परियोजना कार्य

1.7.1 मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति में ज्ञान तथा पाठ को सैद्धान्तिक रूप देकर ही छोड़ नहीं दिया जाता अपितु उसे व्यावहारिक निकष पर भी परखा जाता है। ज्ञान को व्यावहारिक रूप प्रदान करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। कार्यशाला को एक प्रकार से हम

सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यावहारिक परीक्षण या उपस्थापन के रूप में समझ सकते हैं। कार्यशाला आयोजन के पीछे मुख्य मत यह है कि छात्र द्वारा अध्ययन सामग्री के वाचन पश्चात उसके ज्ञान की व्यावहारिक उपस्थिति का पता लगाना। इन कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के अतिरिक्त बाह्य विषय-विशेषज्ञों को भी आमंत्रित किया जाता है, जिससे छात्र विषय को सैद्धान्तिक और व्यावहारिक रूप में ग्रहण करने की समुचित योग्यता धारण कर सके।

विज्ञान, शिक्षा, समाज कार्य, मनोविज्ञान, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में कार्यशाला/प्रयोगात्मक कार्यशालाओं का प्रावधान किया गया है, जिससे विद्यार्थियों की प्रायोगिक समझ विकसित हो सके। इसके अतिरिक्त कुछ पाठ्क्रमों में परियोजना कार्य पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में शामिल किया गया है, जिससे विद्यार्थी के प्रायोगिक/व्यावहारिक/शोधपरक ज्ञान में वृद्धि हो सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षण पाठ्यक्रम मुख्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र तथा अध्ययन केन्द्रों की त्रिस्तरीय व्यवस्था द्वारा संचालित होते हैं। राज्य के विभिन्न भागों में स्थित 8 क्षेत्रीय केन्द्र विश्वविद्यालय द्वारा नियन्त्रित तथा निर्देशित होते हैं। प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र अपने क्षेत्र में स्थित अध्ययन केन्द्रों और विश्वविद्यालय के बीच समन्वय तथा सक्रिय सहयोग की भूमिका निभाते हैं। अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय कार्यालय तथा विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार छात्रों का प्रवेश, पाठ्य-सामग्री परामर्श तथा प्रयोगात्मक कार्य से सम्बन्धित सभी कार्यों का सम्पादन करते हैं। समस्त शिक्षण कार्यों का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित अध्ययन केन्द्रों से ही होता है। इस समय विश्वविद्यालय में 121 अध्ययन केंद्र हैं।

1.8 निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं (आर.एस.डी.)

विश्वविद्यालय मुख्यालय में क्षेत्रीय सेवा प्रभाग की स्थापना की गयी है। यह प्रभाग 8 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं 126 अध्ययन केन्द्रों का नियमन एवं समन्वय करता है। यह अनुभाग क्षेत्रीय केन्द्रों एवं अध्ययन केन्द्रों के संचालन का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अनुप्रयोग स्थिर करता है। (देखें परिशिष्ट – XI)

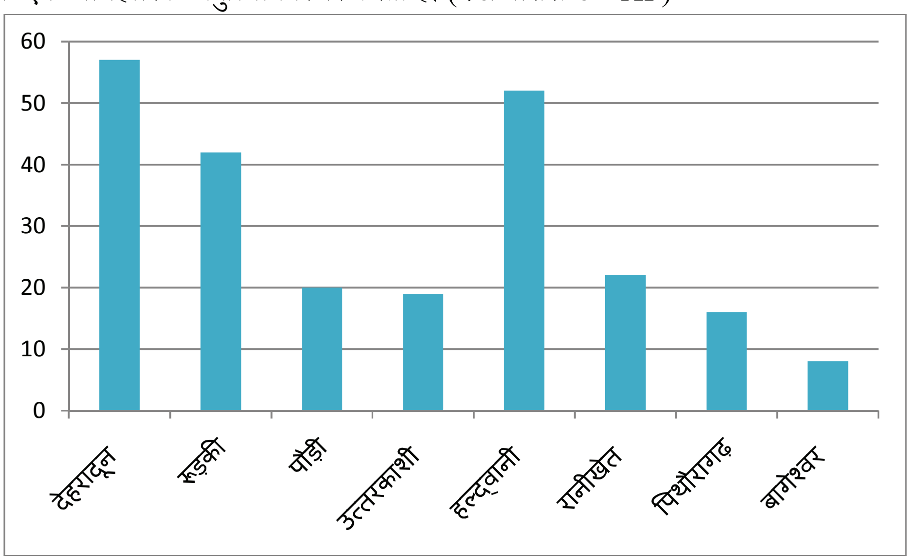

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

1.9 क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों का कार्य अध्ययन केन्द्रों एवं विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक पाठ्यक्रमों हेतु समन्वय स्थापित कर विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों को उत्तराखण्ड के दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंचाना है। ये केन्द्र सामान्यतः भौगोलिक

पहुंच एवं अध्ययन केन्द्रों की परिस्थिति के दृष्टिकोण से बीच की जगह में स्थापित किये गये हैं। ऐसे आठ क्षेत्रीय केन्द्र, जिसमें से चार गढ़वाल मण्डल में (देहरादून,रूड़की,पौड़ी एवं उत्तरकाशी) तथा चार कुमाऊँ मण्डल (रानीखेत, हल्द्वानी, बागेश्वर एवं पिथौरागढ़) में स्थापित किये गये हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों के अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से शैक्षिक पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

1.10 अध्ययन केन्द्र

अध्ययन केन्द्र मुक्त विश्वविद्यालयी शिक्षण पद्धति की प्राथमिक इकाई हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय सेवा प्रभाग के द्वारा समुचित कार्यवाही के उपरान्त अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी सुविधानुसार अध्ययन केन्द्र चुनने की स्वतंत्रता होती है। छात्रों के प्रवेश के साथ साथ उनके लिए परामर्श सत्रों तथा प्रयोगात्मक कार्यों की व्यवस्था भी अध्ययन केन्द्रों द्वारा की जाती है। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रत्येक छात्र अपने विश्वविद्यालय से निरन्तर जुड़ा रहता है।

छात्र हित के दृष्टिगत विश्वविद्यालय में दो आदर्श अध्ययन केन्द्र यूओयू मॉडल स्टडी सेन्टर 16000 एवं देहरादून स्थित मॉडल स्टडी सेन्टर 11000 भी स्थापित किये गये हैं, जिसकी सहायता से छात्रों के समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

2. 2. शिक्षण: अधिगम एवं मूल्यांकन

(Teaching: Learning and Evaluation)

2.1 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्षवार छात्र संख्या

क्र.सं.	शैक्षिक सत्र	छात्र संख्या
1	2006-07	2776
2	2007-08	1898
3	2008-09	1503
4	2009-10	629
5	2010-11	7380
6	2011-12	13729
7	2012-13	21316
8	2013-14	22272
9	2014-15	23875
10	2015-16	33095
11	2016-17	40,281
12	2017-18	68,230
13	2018-19	56,014
14	2019-20	79355
15	2020-21	90253
16	2021-22	90601
17	2022-23	89208
18	2023-24	99388

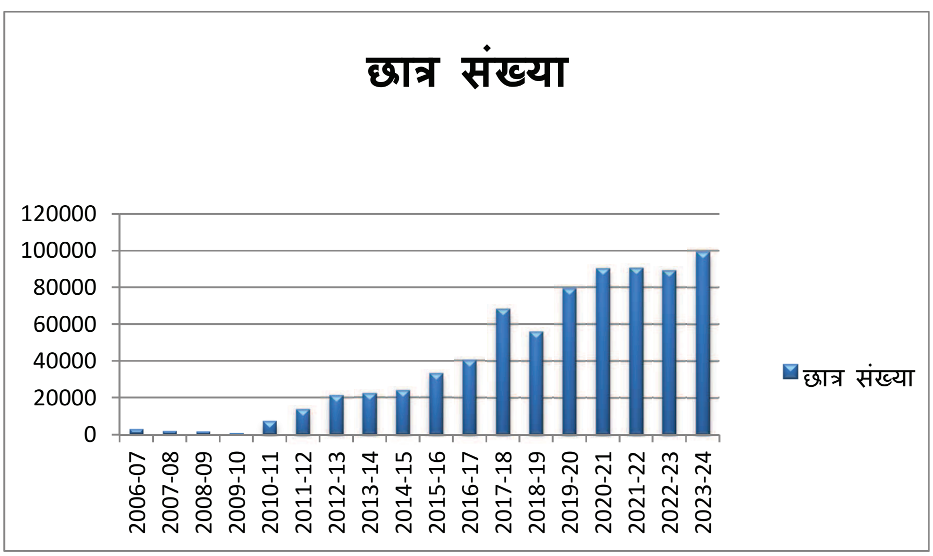

वर्ष वार छात्रों की संख्या

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्र संख्या उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। ऊपर दी गयी सारिणी में अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हो रहा है कि जहाँ 2006-07 में हमारी छात्र संख्या महज 2776 थी, अब वर्ष 2023-

24 में 99388 पहुँच चुकी है। विकास की यह गति निरन्तर गतिमान है। UGC द्वारा विश्वविद्यालय को अन्य नवीन पाठ्यक्रमों की मिल जाने से छात्रों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, भविष्य में भी इसकी अभिवृद्धि का अनुमान इसी प्रकार किया जा सकता है।

सामान्य / दिव्यांग छात्र

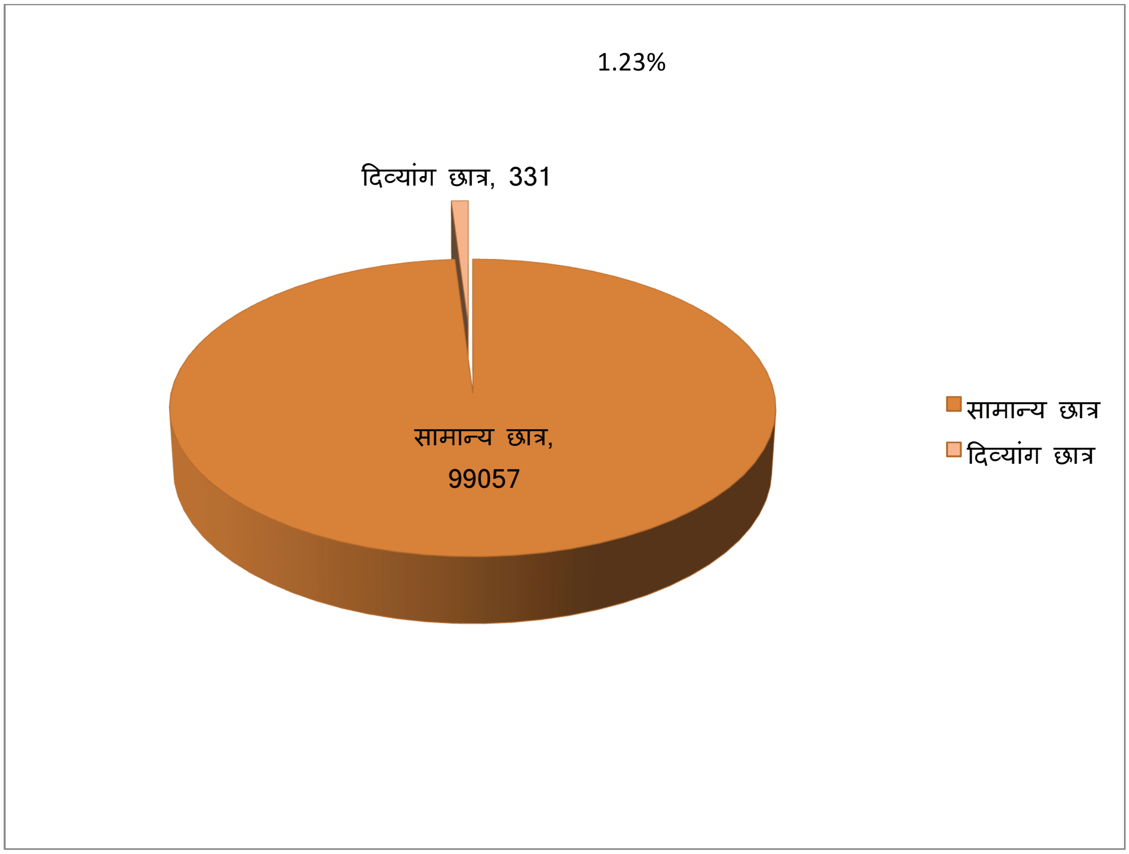

सामान्य/ दिव्यांग छात्र वर्तमान परिस्थिति

विश्वविद्यालय सामान्य छात्रों के साथ-ही-साथ दिव्यांग छात्रों के लिए भी कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय में पिछले वर्ष कुल 89,208 छात्रों में से 385 दिव्यांग छात्र थे। सत्र 2023-24 में कुल 99,388 छात्रों में दिव्यांगों की संख्या 331 है, जो कि विगत वर्ष से कम है। कोई भी समाज नहीं चाहता कि उसके यहाँ अप्राकृतिक रूप से कोई व्यक्ति अपने अस्तित्व का निवर्हन करे। बावजूद इसके हमारा दायित्व है कि दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय दें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग छात्रों के लिए समय-समय पर विशेष कार्यशालाओं का आयोजन तो करता ही रहता है, साथ– ही-साथ अन्य मानवीय सहायता एवं सुविधा भी उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय का यह ध्येय है कि वह दिव्यांग छात्रों के भीतर आत्मविश्वास का संचार कर उन्हें इस योग्य बना दे, जिससे वह समाज की मुख्यधारा में अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

- **पुरूष एवं महिला छात्र**

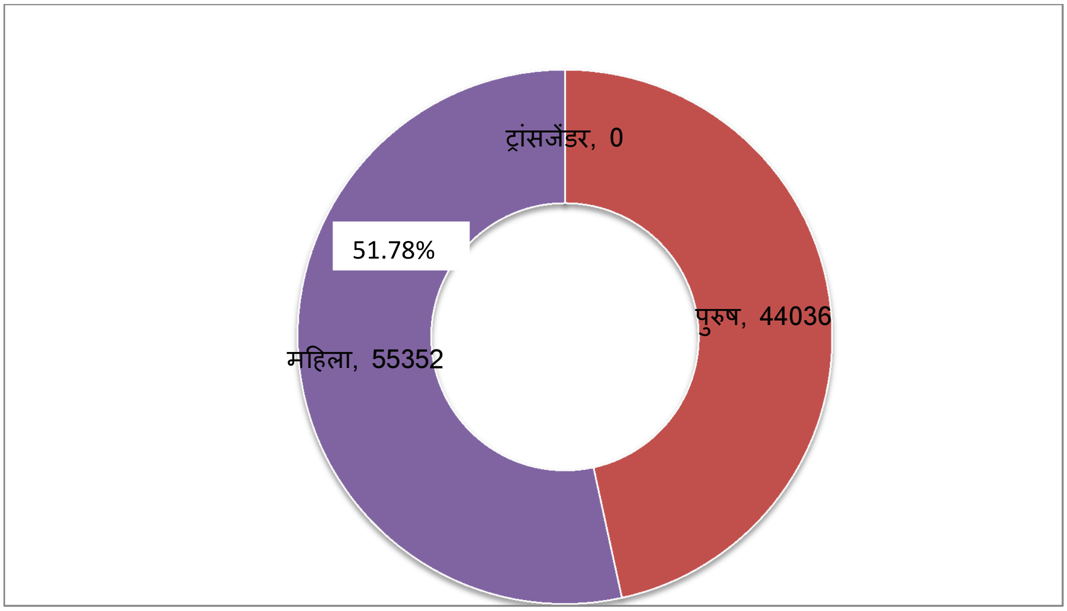

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय पुरूष और महिला दोनों वर्गों के समान अधिकार व विकास का पक्षधर है। बावजूद हमने महिलाओं की सुविधा को विशेष रूप से दृष्टिगत रखा है। अपने महिला कर्मचारियों को ध्यान में रखते हुए हमने हमेशा उनको आगे रखा है। पुरूष और महिला छात्रों की संख्या में भी इसीलिए समानता है, बल्कि महिला छात्रों की संख्या पुरूषों की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही है। वर्ष 2022-23 में 42205 छात्रों के मुकाबले 48393 छात्रायें थीं। इस वर्ष छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। सत्र 2023-24 में 44036 छात्रों के मुकाबले छात्राओं की संख्या 55352 हैं। विगत वर्ष के अपेक्षा इस वर्ष महिला छात्राओं की संख्या में वृद्धि हुई है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम छात्राओं के प्रति एक अनुकूल अध्यापन परिसर का निर्माण विकास करने में सफल रहे हैं।

- **जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्र विभाजन**

Category-wise Numbers of Students

Year	GEN.	SC	ST	OBC
2012-13	16994	2095	508	3798
2013-14	16240	2062	537	3690
2014-15	16825	2348	744	4403
2015-16	28881	1375	717	2569
2016-17	26287	4022	1896	8076
2017-18	45995	7517	2707	12011
2018-19	37710	6523	2477	9304
2019-20	51911	10494	3972	12938

2020-21	57378	12285	4686	15838
2021-22	57263	12546	4333	16197
2022-23	56253	12547	3639	16084
2023-24	61256	14739	4304	18020

वर्ष वार जाति वर्गीकरण के आधार पर छात्रों की संख्या

किसी भी समाज का सर्वांगीण विकास तब तक संभव नहीं है, जब तक कि उस समाज के सभी वर्ग मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन जाते। भारतीय समाज का एक बड़ा अंतर्विरोध या विशेषता इसका जाति विभाजित समाज है। पूर्व की अपेक्षा आज हमारे समाज के सभी वर्गों की जातियाँ सामाजिक गतिशीलता में अपना योग दे रही हैं। एक अध्ययन परिसर के भीतर हमारा यह दायित्व है कि हम सभी वर्गों के लिए समान सुविधा व अवसर को विकसित कर सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने समाज कल्याण विभाग की सहायता से अनुसूचित जाति व जनजाति जाति के शुल्क वापसी का प्रावधान भी नियत किया है। विश्वविद्यालय के समावेशी चरित्र ने सभी वर्ग के छात्रों में अपनी विश्वसनीयता निर्मित की है। पिछले सत्र में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में अन्य पिछड़ी जाति के 16084 छात्र थे, जबकि अनुसूचित जाति के 12547 एवं अनुसूचित जनजाति के 3639 छात्र नामांकित थे। इस वर्ष संख्या विगत वर्ष से अधिक हो चुकी है। सत्र 2023-24 में पिछड़े छात्रों की संख्या 18020 हो गई है, जबकि अनुसूचित जाति के 14739 छात्र एवं अनुसूचित जनजाति के 4304 छात्र नामांकित हैं।

विश्वविद्यालय में जाति वर्गीकरण के आधार पर नीचे दिए गए चार्ट द्वारा वर्षवार छात्रों की स्थिति का अवलोकन किया जा सकता है।

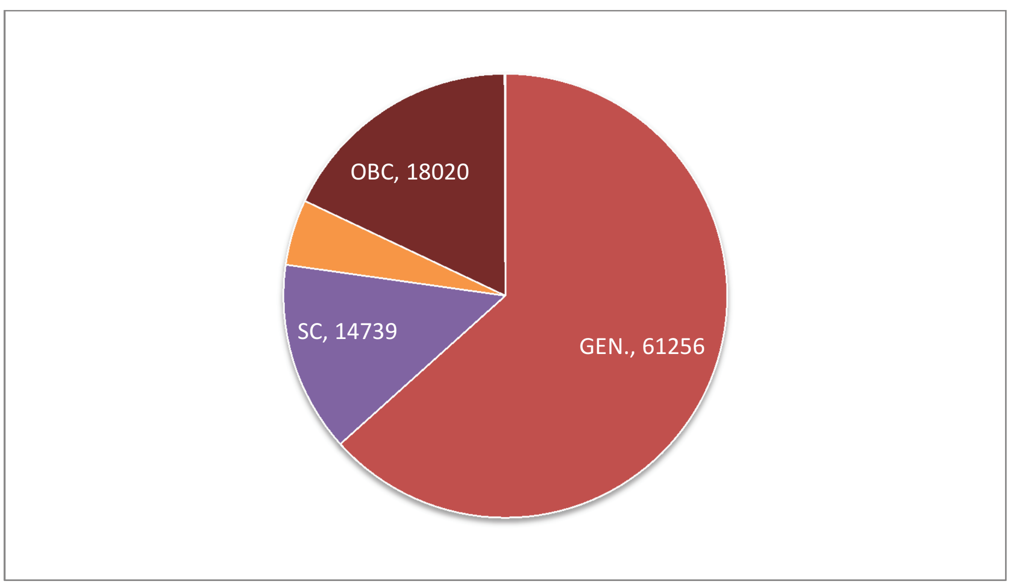

विद्याशाखाओं की अकादमिक गतिविधियाँ
(SCHOOL-WISE ACADEMIC ACTIVITIES)

मानविकी विद्याशाखा
(SCHOOL OF HUMANITIES)

❖ अंग्रेजी विभाग

The department of English and Foreign Languages of Uttarakhand Open University Organized "Induction Programme" and "Counselling Sessions" for B.A and M.A students from 23 January to 1 February 2024.

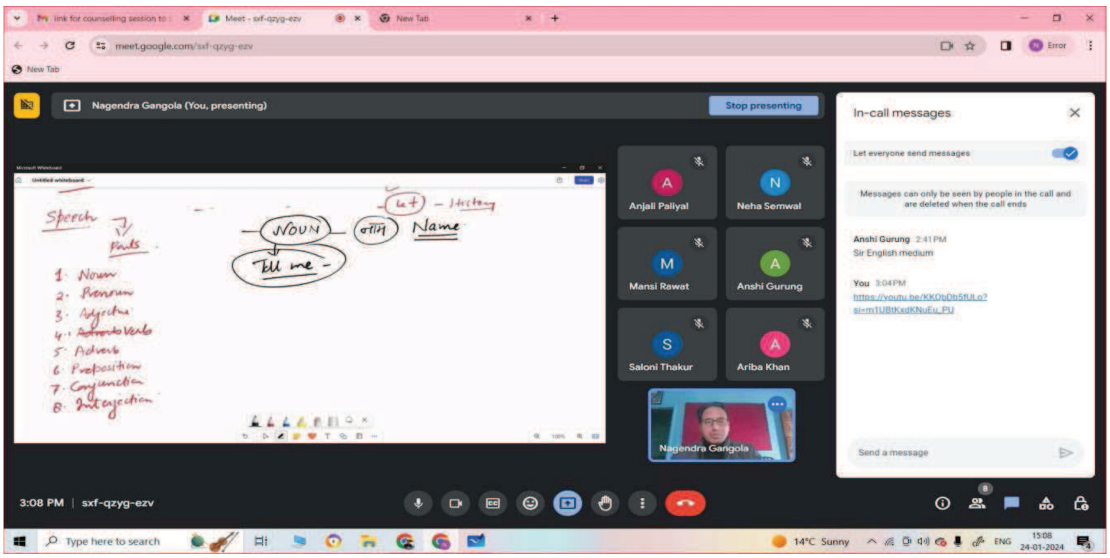

अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम की छायाचित्र

❖ वैदिक ज्योतिष विभाग

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 21 फरवरी 2024 को कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला में **मुख्य अतिथि** के रूप में **''संस्कृतशिक्षायां वृत्तीनां (रोजगारस्य) विभिन्ना: सम्भावना:''** विषय पर व्याख्यान दिया गया। डॉ. तिवारी को ज्योतिष एवं संस्कृत के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने हेतु महाविद्यालय के द्वारा सम्मानित भी किया गया।
- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 03 जून एम.ए. ज्योतिष प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर के शिक्षार्थियों की ऑनलाइन कक्षायें ली गयी।

एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम की ऑनलाइन कक्षा लेते डॉ. नन्दन कुमार तिवारी

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 7 मई 2024 को एम.ए. ज्योतिष प्रथम सेमेस्टर (2024 Winter) के शिक्षार्थियों का ऑनलाइन प्रेरण कार्यक्रम (Induction Prograame) में व्याख्यान दिया गया।

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा IGNOU स्वयंप्रभा-चैनल-14 की ज्योतिष विषय से सम्बन्धित **''सिद्धान्त ज्योतिष एवं काल विवेचन''** विषयक स्वीकृत परियोजना में 1. भूव्यास विवेचन एवं 2. भूपरिधि विवेचन विषय पर 02 विडियो लेक्चर दिया गया।

कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला मे डॉ. नन्दन कुमार तिवारी सम्मानित होते हुए

डॉ. नन्दन कुमार तिवारी, कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय, हल्द्वानी मे मुख्य अतिथि के रूप मे व्याख्यान देते हुए

- डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 26 फरवरी से 02 मार्च 2024 पर्यन्त IUCTE, BHU, वाराणसी द्वारा आयोजित National Workshop on Content Development for Educators on Indian Knowledge System (Indian Astronomy) विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में **Resource Person** के रूप में प्रतिभाग किया गया तथा डॉ. तिवारी के द्वारा Five Elements that Constitute Panchang and their astronomical significance, computation of elements in a Panchang सम्बन्धित Content लेखन कार्य भी सम्पन्न किया गया।

Dr. Nandan Kumar Tiwari, Participated as Resource Person in One Week National Workshop on IKS (Indian Astronomy) at IUCTE, BHU (Varanasi). From 26.02.2024 to 02.03.2024

- दिनांक 30 जून 2023 को ज्योतिषविभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के निर्देशन में पंजीकृत शोधार्थी बसुदेव प्रसाद, पंजीयन संख्या – 21240949 की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक हुई। जिसमें शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध प्रारूप का वाह्य विषय विशेषज्ञ प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी एवं प्रोफेसर विनय

कुमार पाण्डेय जी के द्वारा अवलोकन किया गया तथा शोधार्थी का शोध विषय शीर्षक– **''आचार्यवराहमिहिरोक्त राजयोगानां परिशीलनम्''** निर्धारित कर शोध कार्य हेतु संस्तुति दिया गया। समिति में मानविकी विद्याशाखा की निदेशिका प्रोफेसर रेनू प्रकाश तथा विश्वविद्यालय के शोध अनुभाग के निदेशक प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डेय जी का भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस प्रकार शोधार्थी का RDC सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

ज्योतिष विभागीय शोध छात्र बसुदेव प्रसाद की RDC का छायाचित्र

❖ संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग-

दिनांक 16 मार्च 2024 को संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग, मानविकी विद्याशाखा द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम (Certificate Course in Indian Knowledge System) के पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या निर्माण (Course Development) करने हेतु अध्ययन परिषद् (BOS) की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में सभी प्रश्नपत्रों के नामकरण को संस्तुत किया गया तथा पांच प्रश्नपत्रों के साथ संचालित यह कार्यक्रम कुल 20 क्रेडिट का होगा। उक्त बैठक में निर्मित पांचो पाठ्यक्रमों (निर्मित इकाइयों) की गंभीरता, गुणवत्ता, उपयोगिता के दृष्टिगत समिति ने संस्तुति प्रदान किया कि भविष्य में इन पाठ्यक्रमों का उपयोग राष्ट्रीय शिक्षानीति में मान्य भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge System) के प्रोत्साहन हेतु स्नातक एवं स्नातकोत्तर संस्कृत स्तर पर कहीं भी किया जा सकता है। उक्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की अन्य शाखाओं के लिए भी "कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम'' (Skill Enhancement Courses), "वैल्यू एडेड कोर्स" (Value Added Course) एवं Ability Enhancement Compulsory Courses से संबंधित पाठ्यक्रम संचालित करने में भी सहायक सिद्ध होगा।

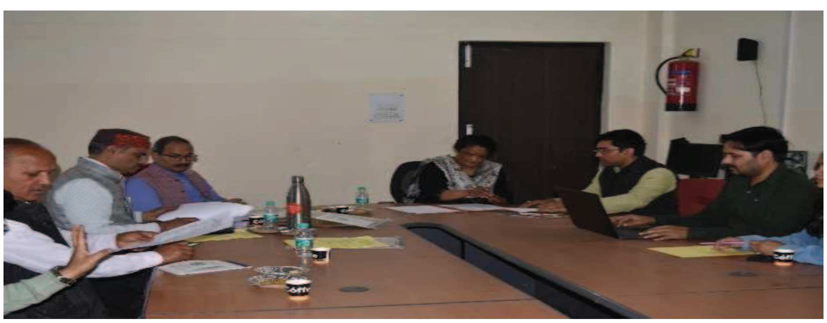

अध्ययन परिषद् (BOS) की बैठक का छायाचित्र

❖ दिनांक 04 से 07 मई 2023 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग द्वारा शीतकालीन सत्र (जनवरी 2023) में पंजीकृत स्नात्कोत्तर प्रथम सेमेस्टर (MASL-21) एवं स्नातक प्रथम वर्ष (BA-21) के शिक्षार्थियों के लिए (Induction Program) का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया।

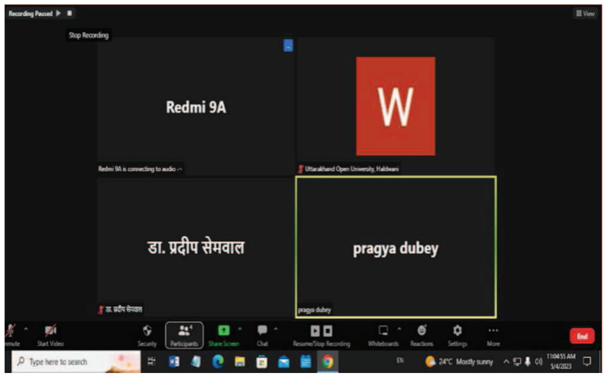

❖ **संस्कृत सप्ताह समारोह—**

❖ संस्कृत एवं प्राकृत भाषाएँ विभाग, मानविकी विद्याशाखा द्वारा संस्कृत भाषा के संरक्षण एवं सम्बर्द्धन हेतु संस्कृत सप्ताह के अवसर पर रेडियो के माध्यम से इस समारोह का आयोजन किया गया जिसमें उक्त विषयों पर चार्चा की गई —

1. संस्कृत भाषा की वैश्विक दृष्टि
2. संस्कृत साहित्य की परम्परा
3.संस्कृत भाषाके विविध आयाम
4. उपाकर्म का शास्त्रीय महत्व

❖ हिन्दी विभाग

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं विभाग द्वारा हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का शुरुआत हिंदी भाषा संवर्धन प्रतियोगिता से हुआ। हिंदी दिवस समारोह का दूसरा प्रकल्प हिंदी में हस्ताक्षर का था, जिसका उद्घाटन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. पीड़ी पंत एवं वित्त नियंत्रक आभा गार्खाल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी कार्मिक मौजूद रहे।

हिंदी दिवस समारोह का मुख्य प्रकल्प हिंदी समाज में पढ़ने की संस्कृति का प्रश्न विषय पर व्याख्यान का था। इस अवसर पर युवा कवि - कथाकार अविनाश मिश्र ने कहा कि हिंदी समाज पढ़ रहा है। हिंदी समाज लगातार अपने दायरे को विस्तृत कर रहा है। इन दिनों अस्मिताई विमर्श ने जैसे अपने को अभिव्यक्त किया है, वह अधिक प्रमाणिक है। यह भी हिंदी समाज के पढ़ने की संस्कृति की वजह से विकसित हुई है। पारधीय स्वरों के अपने प्राथमिक अनुभवों को दर्ज करने की वजह से पढ़ने का दायरा बढ़ेगा। हिंदी समाज के पास पाठक हैं पर ऑडियंस नहीं है। कहीं न कहीं हिंदी जनता से दूर हुई है। हिंदी में पाठक नहीं यूजर बढ़े हैं। सरोकारी लोग कम होंगे तो पाठक काम होंगे। पाठकों को यूजर्स ने रिप्लेस कर दिया है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कथाकार प्रो. लक्ष्मण सिंह बिष्ट बटरोही ने कहा कि अक्सर लोग हिंदी साहित्य हिंदी संस्कृति के अंतर्विरोध से जोड़ कर देखते हैं। किंतु यह हिंदी समाज की अभिव्यक्ति का माध्यम है, पूरा समाज नहीं है। हिंदी का प्रसार निश्चय ही हिंदी के पाठकीय संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। इधर हिंदी समाज की व्यापकता में वृद्धि हुई है। हिंदी समाज का आम पाठक गंभीर साहित्य से दूर हुआ है।

कुलसचिव प्रो. पीड़ी पंत ने हिंदी दिवस की बधाई देते हुए विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी में कामकाज पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मानविकी विद्याशखा के निदेशक प्रो. रेनु प्रकाश ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हिंदी के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना दी। बाजारवाद की संस्कृति ने हमारे समाज में पढ़ने की जगह को कम की है। आज एआई के समय में पढ़ने की चुनौती बढ़ी है। अंग्रेजी भाषा जन भाषा बनती गई है किंतु वहां भी पढ़ने की नहीं बल्कि सफल होने की जद्दोजहद अधिक मौजूद है।

कार्यक्रम का स्वागत अनिल कार्की ने, हिंदी दिवस का परिचय पुष्पा बुधलाकोटि, विषय प्रवेश डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के समन्वयक डॉ. शशांक शुक्ल ने और संचालन कुमार मंगलम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक, समस्त संकाय के निदेशक, शिक्षक एवं कार्मिक मौजूद रहे।

हिन्दी दिवस संगोष्ठी का छायाचित्र

❖ उर्दू विभाग

- दिनांक 08 अगस्त 2023 को उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी, लखनऊ द्वारा डा० शहपर शरीफ़ को उनकी पुस्तक "रामपुर के चन्द क़लमकार हिस्सा–2" के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

- सौलत पब्लिक लाइब्रेरी, रामपुर के चेयरमैन डा० महमूद अली खां ने डा० शहपर शरीफ़ को सौलत पब्लिक लाइब्रेरी एवार्ड से सम्मानित किया।

- 04 से 11 अक्तूबर 2023 में आयोजित (Building Workshop on CO-PO Mapping and Attainment) सात दिवसीय FDP संगोष्ठी कार्यशाला में उर्दू विभाग ने प्रतिभाग किया।

❖ संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग

1. प्रेरण कार्यक्रम

- प्रवेश सत्र जनवरी 2023 के अंतर्गत दिनांक 06/05/2023 को बी0ए0 प्रथम वर्ष एवं एम0ए0 प्रथम सेमेस्टर के शिक्षार्थियों के लिए प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

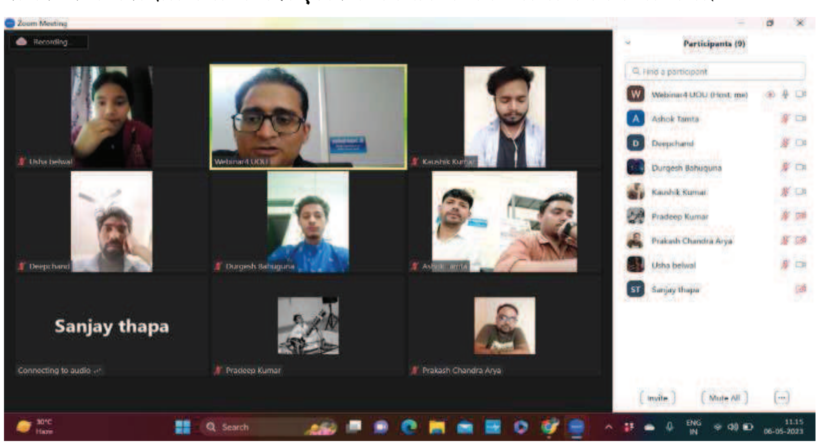

संगीत विभाग की इंडक्शन प्रोग्राम का छायाचित्र

2. <u>कार्यशालाएँ</u>

- प्रवेश सत्र जनवरी 2023 के अंतर्गत दिनांक 11/09/2023 से 17/09/2023 तक एम0ए0 (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) मेन एवं बैक के शिक्षार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- प्रवेश सत्र सितंबर 2023 के अंतर्गत दिनांक 19/09/2023 से 25/09/2023 तक बी0ए0 (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) मेन एवं बैक के शिक्षार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL 0F SOCIAL SCIENCES)

❖ समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग

1. 10 जुलाई 2023 को समाजशास्त्र विभाग में RDC बैठक का आयोजन किया गया।
2. इंडक्शन प्रोग्राम -

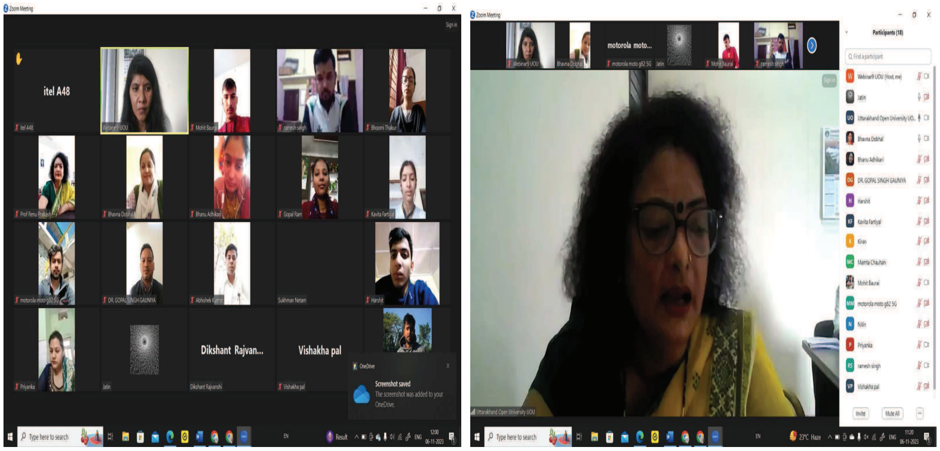

समाज शास्त्र विभाग के इंडक्शन प्रोग्राम का छायाचित्र

अध्ययन परिषद की बैठक (BOS)

3. 25 एवं 26 अप्रैल 2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप स्नातक स्तर हेतु पाठ्यक्रम तैयार कर अध्ययन बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया।

समाज शास्त्र विभाग की BOS का छायाचित्र

- दिनांक 14-15 अक्टूबर 2023 को प्रो. रेनू प्रकाश द्वारा ऑनलाइन माध्यम से इन्टरनेशनल सेंटर फॉर साईंटिफिक रिसर्च एण्ड डव्लप्मेंट, (ICSRD), बैंगलूरू कर्नाटक एवं ऑर्बिट इनोवेटिव एकेडमी, (OIA) जोधपुर, राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोठी में 'रिसोर्स पर्सन' की भूमिका अदा की गई।

- दिनॉक 31 अक्टूबर 2023 को प्रो. रेनू प्रकाश द्वारा हुकुम सिंह बोरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सोमेश्वर एवं गुगनराम एजुकेशनल एण्ड सोशियल वैलफेयर सोसायटी बोहल, भिवानी हरियाणा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोठी में ऑनलाइन माध्यम से 'गांधी दर्शन: एक समग्र मूल्यांकन' नामक शीर्षक पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

- 01 दिसम्बर 2023 को आई.सी.एस.आर.डी. बंगलूरू, कर्नाटक द्वारा आयोजित सात दिवसीय फैकल्टी डवलप्मेंट प्रोग्राम में रिसोर्स पसर्न के रूप में प्रतिभाग किया।

- दिनांक 12 मार्च 2024 उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग द्वारा देहरादून में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर प्रो. रेनू प्रकाश, समन्वयक समाजशास्त्र को सशक्त नारी सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

प्रोफेसर रेनू प्रकाश सम्मानित होते हुए

वाणिज्य एवं प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा

(SCHOOL OF MANAGEMENT STUDIES AND COMMERCE)

- डॉ. गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य को SWAYAM Prabha Channel हेतु शीर्षक "**Fundamentals of Research and Data Analysis Techniques**" पर एक पाठयक्रम अकादमिक वर्ष 2023-2024 के लिए IGNOU द्वारा स्वीकृत किया गया।

- डॉ. गगन सिंह, सह-प्राध्यापक, वाणिज्य को UCOST द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट वर्ष 2023-2024 के लिए शीर्षक "Exploring the Potential of Women in the Development of Agriculture

Sector of Kumaun Himalayan Region of Uttarakhand: Making Women Aware About Sustainable Pathways for Agri Entrepreneurship” स्वीकृत हुआ।

- **डॉ गगन सिंह,** ने **Netaji Subhash Open University, Kolkata (NSOU)** द्वारा **National-Level Workshop on 'Programme Approval Process of ODL Programme in India and Strategies Adopted for Quality Assurance'** विषय पर **30.12.2022** को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाल में प्रतिभाग किया गया।
- डॉ गीतांजली भट्ट द्वारा 29 और 30 सितंबर 2023 को "उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में विपणन में ई-व्यवसाय की भूमिका" शीर्षक वाले राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया गया।
- डॉ गीतांजली भट्ट द्वारा वेदांजलि एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित संदर्भित शोध पत्रिका भाग-4 जुलाई 2023 मे पेपर प्रकाशित आईएसएसएन: 2349-364XI संस्करण जिसका शीर्षक है "शिक्षा की सशक्त शक्ति: महिलाओं को शिक्षा की आवश्यकता क्यों है"।

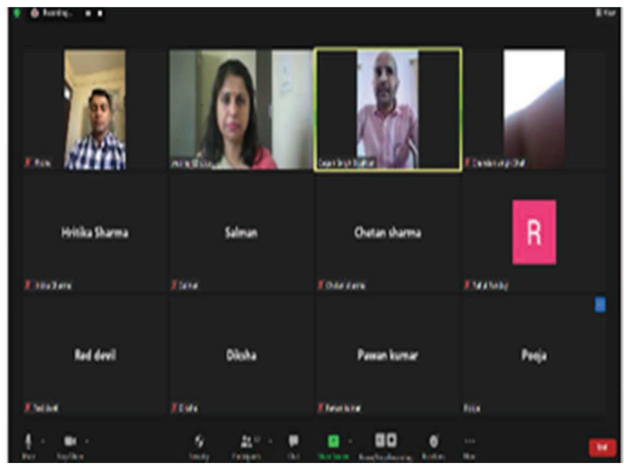

- वाणिज्य विभाग द्वारा माह जून में BBA, B.Com, M.Com, व CCOM में पंजीकृत शिक्षार्थियों के लिए Counselling schedule के अनुसार सप्ताह में कक्षाएं व परामर्श सत्र माह सितम्बर, 2023आयोजित किए गए।

- वाणिज्य विभाग द्वारा नवम्बर, 2023 को एम. कॉम. बी. कॉम. व सी. सी. ओ. एम. पाठयक्रम में पंजीकृत छात्रों के लिए Orientation-cum-Induction Programme का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न छात्रों ने ऑनलाइन माध्यम से उसमें हिस्सा लिया | इस कार्यक्रम में छात्रों की कई समस्याओं जैसे अध्ययन सामाग्री, सत्रीय कार्य व परीक्षा संबंधी का हल निकाला गया तथा साथ ही उन्हें विश्वविद्यालय से संबन्धित अन्य जानकारी विभाग में कार्यरत शिक्षक डॉ गगन सिंह, श्री सुनील कुमार व डॉ प्रिया महाजन, डॉ गीतांजली भट्ट व डॉ सचिन दुबे द्वारा दी गई |

विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF SCIENCE)

विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित प्रयोगात्मक कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का विवरण –

जन्तु विज्ञान विभाग (Department of Zoology)

1. Dr. Pravesh Kumar Sehgal is the Convener of this program. The Organized National Seminar cum Workshop on “Mushroom cultivation with Agri business Management”organized by Plantica Indian Academy of rural Development (IARD), Dehradun, Uttarakhand in collaboration with School of Sciences Uttarakhand Open University (UOU) Haldwani, Uttarakhand on 8-9 May 2023.(AnnexureNo.1)

जन्तु विज्ञान विभाग की राष्ट्रिय संगोष्ठी का छायाचित्र

2. Dr. Sahgel prepared ppt and Plagiarism Report of the Course Material Uploaded in **DEB:** as per the direction of Director Academics, I have successfully uploaded all the course material Plagiarism Report, both for the undergraduate (UG) and postgraduate (PG) levels, in the DEB (Distance Education Bureau) in the month of May, 2023.

Laboratory Workshop

3. Twelve Days Science Laboratory Workshop at SGRR PG College Dehradun (B.Sc. Zoology and M.Sc. Zoology) and RCU Govt (PG) College Uttarkashi (B.Sc. Zoology & M.Sc. Zoology) successfully organized (in which I resolved all the issues related to Practical Exam, and laboratory workshop Learners SLM & Main Exam related equerries etc.) by me.
4. I have a attended and participated red cross society in three days training program in Dehradun Uttrakhand .19 October 2023 to 21 October 2023

5. Dr. Sahgel successfully organized a comprehensive 4-day Ph.D. coursework exam. As Examination superintendent, I diligently performed my duties, ensuring a smooth and expertly conducted examination process.

6. Dr. Sahgel **patent this award** (**Design No= 383107-001 and 14/12/2023**) **PEN WITH EAR CLEANING BUD.**

7. Organized the Science Laboratory Workshop at Uttarkashi from 25/01/2024 to 06/02/2024.

8. Dr. Sahgal participated Indian Red Cross Society TOT OF FMR/SERV / Training YRC Dehradun 5-01-2024 to 7-01-2024.
9. Attended two days' "**Regional Training Workshop on Advanced Multivariate Statistical Analysis on Water Quality and Water Management" for Kumaun Region of Uttarakhand**" jointly organized by Uttarakhand State Council for Science and Technology (UCOST) Dehradun, Uttarakhand Council for Biotechnology (UCB), Haldi, Pantnagar, D.A.V. P.G. College, Dehradun and Uttarakhand Open University on 23-24 January, 2024.
10. I am expert of Zoology subject and attended 18th Uttarakhand State Science and Technology Congress (18th USSTC 2024)8th – 9th February, 2024,Theme: "Bhartiya Gyan Vigyan Parampara, World Peace and Harmony" jointly organized by Uttarakhand State Council for Science and Technology (UCOST) Dehradun, Uttarakhand Open University Haldwani and Kumaun University Nainital at Uttatarakhand Open University Haldwani.

Project Work:

Presently Dr. Shyam Singh Kunjwal working on two projects other than the departmental work.

Project 1

- Work on this project is ongoing, with steady progress being made toward its goals.
- Regular evaluations and adjustments are being carried out to ensure alignment with the desired outcomes.

Project 2

- This project is now at its final stage, with substantial milestones successfully achieved.
- All major objectives have been addressed, and the project is on track for completion within the stipulated timeline.

1. डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा दिनांक 24 अप्रैल से 4 मई 2023 तक एमबीपीजी कॉलेज हलद्वानी में बीएससी एवं एमएससी पाठ्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों हेतु कार्यशाला एवं प्रायोगिक परीक्षा में भाग लिया गया।
4. 5 जून, 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव, वानिकी और पर्यावरण विज्ञान विभाग (SoEES), उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित अभियान बीट प्लास्टिक प्रदूषण के तहत थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का समाधान"।

❖ वनस्पति विज्ञान विभाग

संकाय विकास कार्यक्रम (Faculty Development Programme)

विभाग के शिक्षकों ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर (PMMMNMTT), रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा आईक्यूएसी, एसजीआरआरआई, विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (FDP) तथा रिफ्रेशर कोर्स में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- **विभागीय प्रयोगशाला कार्यशाला (Departmental Laboratory Workshop)**

- स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम के शिक्षार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र की विभागीय प्रयोगशाला कार्यशाला एवं परीक्षा का सफल संचालन विश्वविद्यालय के 06 अध्ययन केन्द्रो देहरादून, ऋषिकेश, पौड़ी, उत्तरकाशी (गढ़वाल मण्डल) तथा हल्द्वानी, एवं पिथौरागढ़ (कुमाऊँ मण्डल) में आयोजित करायी गयी। जिसमें वनस्पति विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

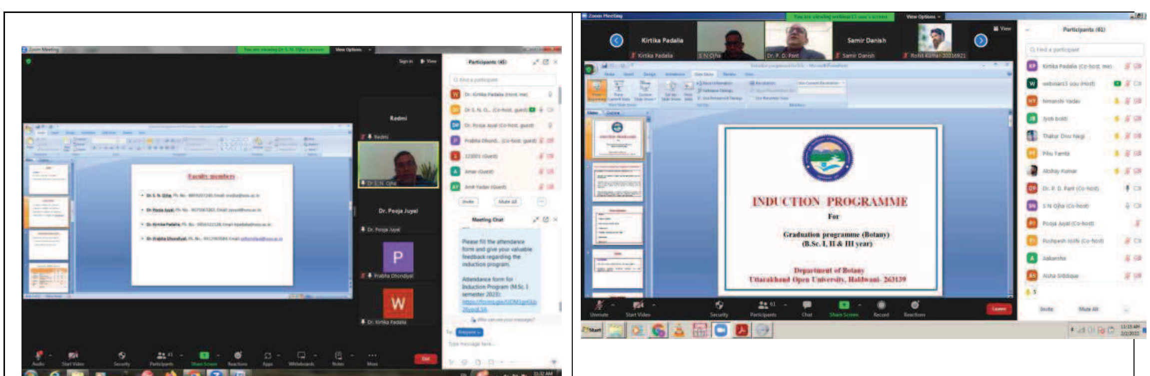

Induction programme for post-graduate and graduate learners (Online)

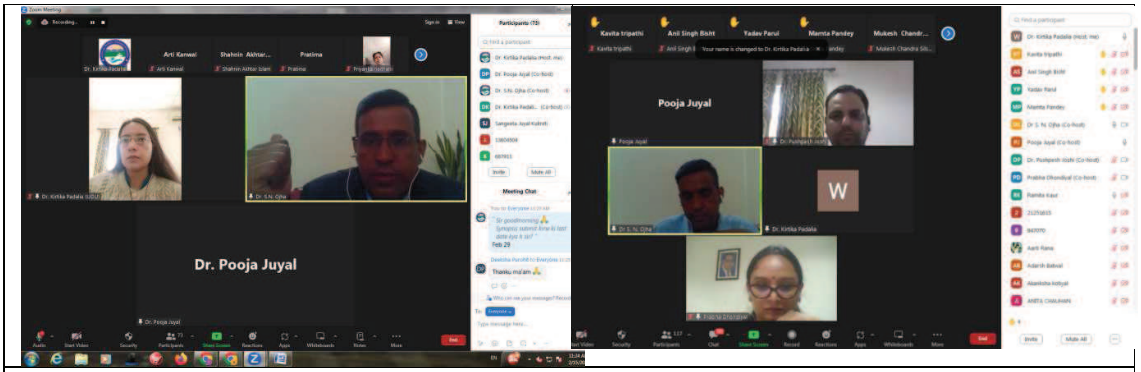

Conducted a counselling regarding dissertation of learners through zoom meeting

Learners of different streams attending laboratory workshop at SGRRPG college Dehradun

1. गणित विभाग

1. Counseling organizes for UG and PG Learners by the Department of Mathematics.
2. 06 Research Students are doing Research (PhD) in the department of Mathematics.
3. Professor Arvind Bhatt worked as Resource person in Uttarakhand State Council for Science & Technology (UCOST) on "18th Uttarakhand State Science and Technology Congress 2024 (18th USSTC 2024)" Organizer (UCOST) in collaboration with Uttarakhand Open University, Haldwani and Kumaun University, Nainital on from 8 th to 9 th February 2024.

4. Professor Arvind Bhatt Worked as Keynote Speaker of 1st International Conference on "Emerging Trends in STEM & Health Agri Sciences for Sustainable Development" Organized by MIET Kumaon, Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani in collaboration with Kumaun University Nainital, Swami Shradhanand College, Delhi, Uttarakhand Open University, Haldwani, Department of Higher Education, Govt. of Uttarakhand and Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) on from 11 th to 12 th March 2024.
5. Professor Arvind Bhatt and Dr.Jyoti Rani have delivered lectures for Research Students of Uttarakhand Open Univeristy 2023-24 session and Professor Arvind Bhatt, Dr.Jyoti Rani, Dr.Kamlesh Bisht, Dr. Deepak Kumar Sharma have delivered lectures for Research Students of Department of Mathematics.
6. Dr.Jyoti Rani is developing a course for SWAYAM PRABHA Channel -14.
7. Dr.Jyoti Rani worked as a Keynote Speaker of 1st International Conference on "Emerging Trends in STEM & Health Agri Sciences for Sustainable Development" Organized by MIET Kumaon, Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani in collaboration with Kumaun University Nainital, Swami Shradhanand College, Delhi, Uttarakhand Open University, Haldwani, Department of Higher Education, Govt. of Uttarakhand and Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC) on from 11 th to 12 th March 2024.
8. Dr.Jyoti Rani Participated NEP 2020 Orientation & amp; Sensitization programme under Malaviya MissionTeacher Traning Programme (MM-TTP) of the University Grants commission (UGC) Organized by UGC- Malaviya Mission Teacher Traning centre, Kumaun University Nainital (Uttarakhand) from 11-20 March, 2024.
9. Dr. Jyoti Rani Worked as Coordinator of Uttarakhand State Council for Science & Technology (UCOST) on"18th Uttarakhand State Science and Technology Congress 2024 (18th USSTC 2024)"Organizer (UCOST) in collaboration with Uttarakhand Open University, Haldwani and Kumaun University, Nainital on from 8 th to 9 th February 2024.

1. M.Pant, K.Bisht and S.Negi," "Computational-based segmentation and cut-based novel method for robust (α,β)-intuitive fuzzy time series forecasting" has been published in the journal "Applied Soft Computing" (Elsevier), Volume 142, July 2023, 110336, DOI: https://doi.org/10.1016/j.asoc.2023.110336

Patent and Book:

1. Dr.Kamlesh Bisht have published patent on "Prediction of Sun Spot Number using Intuitionistic Fuzzy Set Based Computational Method" in Patent Journal No. 64393 with application number 202311057021A and publication date 29/09/2023.
2. Dr. Kamlesh Bisht have published patent on the title "A computational method for financial time series forecasting based on generalization fuzzy sets" in Patent Journal No. 64380 with application number 202311057024A and publication date 29/09/2023.

3. Professor Arvind Bhatt, published a book "A Text Book of Matrix Theory, ISBN 978-93-92469-74-9, Pacific Books International Published University on 4^{th} -11^{th} October 2023.

Special Activity by Department of Mathematics

On 22 December 2023, a one-day National Mathematics Day celebration was organized by the Department of Mathematics, School of Science, Uttarakhand Open University. Senior Professor. R.P. Pant, Kumaon University, Nainital, gave a detailed lecture on the biography of Ramanujan and "Mathematics in Vedic Thoughts". After this, the biography of Ramanujan and the work done by him in mathematics was presented by the meritorious students of Atal Excellent Government Inter College, Kaladhungi. Haldwani. The convenor of this programme was Professor Arvind Bhatt, Organizing Secretary was Dr. Jyoti Rani, and Coordinators were Dr. Kamlesh Bisht and Dr.Deepak Kumar Sharma.

(Picture: 22 December 2023, National Mathematics Day celebration)

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा

(SCHOOL OF EARTH AND ENVIRONMENTAL SCIENCE)

- जियोइन्फॉर्मेटिक्स विषय की एम.ए/एम.एससी./सीजीआईएस/डीजीआईएस सेमेस्टर I, II, III, और IV मुख्य और बैक, प्रवेश सत्र जनवरी 2023: परीक्षा सत्र जून 2023 की 25/09/2023 से 07/10/2023 तक ऑनलाइन व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई।

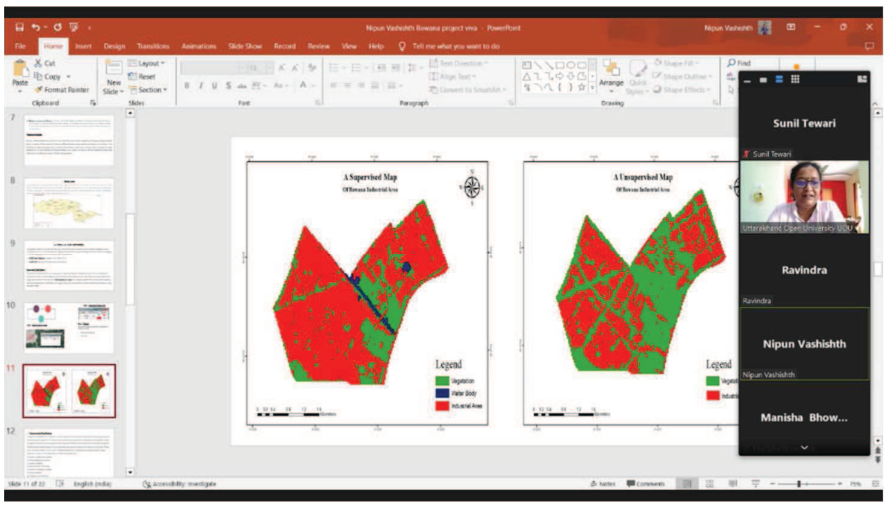

- 20 से 24 नवंबर 2023 तक कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) और एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, एमिटी यूनिवर्सिटी हरियाणा, गुरुग्राम (एयूएच) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "ओईआर, एमओओसी कंटेंट क्रिएशन और मूडल" पर पांच दिवसीय एफडीपी में भाग लिया।

भूगोल विभाग

दिनांक 13. 01. 2024 से 21. 01. 2024 तक भूगोल विभाग के द्वारा डी. डी. कालेज, देहरादून में बी. ए./ बी. एससी. तथा एम. ए./एम. एससी. की कार्यशाला एवं प्रयोगात्मक परीक्षाओं का आयोजन किया गया I इसमें समस्त शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा

(School of Computer Science and Information Technology)

- Cybersecurity: Issues and Challenges, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। संगोष्ठी का आयोजन ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी द्वारा उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (UCOST) के सहयोग से ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून में 29 नवंबर, 2023 को किया गया था।

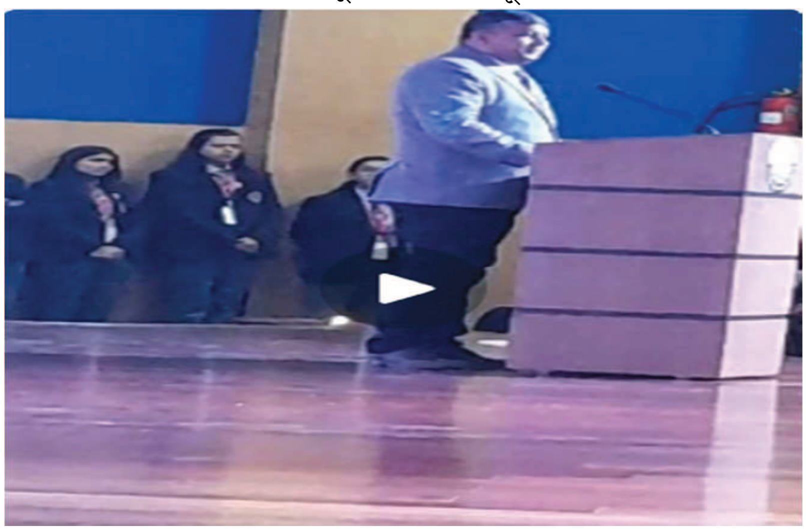

- "STUDENTS BEHAVIOUR MONITORING DEVICE" शीर्षक पर डिज़ाइन पेटेंट प्रदान किया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है:

  आवेदन संख्या: 400286-001

  सीबीआर संख्या: 214630

  सीबीआर दिनांक: 20/11/2023 18:51:46

  डिज़ाइन स्वीकृत और प्रकाशित, जर्नल संख्या 03/2024 और जर्नल दिनांक 19/01/2024 है।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) और नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय (NSOU) द्वारा आयोजित एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन फैकल्टी विकास कार्यक्रम (FDP)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) और नेताजी सुभाष मुक्त विश्वविद्यालय (NSOU) द्वारा 11 से 19 नवंबर 2024 तक "आउटकम आधारित पाठ्यक्रम विकास के लिए रणनीतियाँ और शिक्षा में डिजिटल टूल्स का उपयोग" विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन फैकल्टी विकास कार्यक्रम (FDP) आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC), NSOU के सहयोग से आयोजित किया गया था। शाम 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक ऑनलाइन (सिंक्रोनस और एसिंक्रोनस) मोड में आयोजित इस कार्यक्रम में 60 प्रतिभागियों, जिनमें फैकल्टी सदस्य, शोधकर्ता और अन्य शैक्षणिक विशेषज्ञ शामिल थे, ने भाग लिया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) द्वारा संचालित **"साइबर सुरक्षा की परिचय"** और **"डिजिटल फोरेंसिक्स"** पाठ्यक्रम, SWAYAM मंच पर पेश किए गए दो प्रमुख MOOCs हैं। ये पाठ्यक्रम आधुनिक तकनीकी और डिजिटल युग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किए गए हैं। इस रिपोर्ट में जुलाई 2023, जनवरी 2024 और जुलाई 2024 सत्रों के नामांकन डेटा के साथ-साथ दोनों पाठ्यक्रमों के सभी चक्रों में कुल नामांकन का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

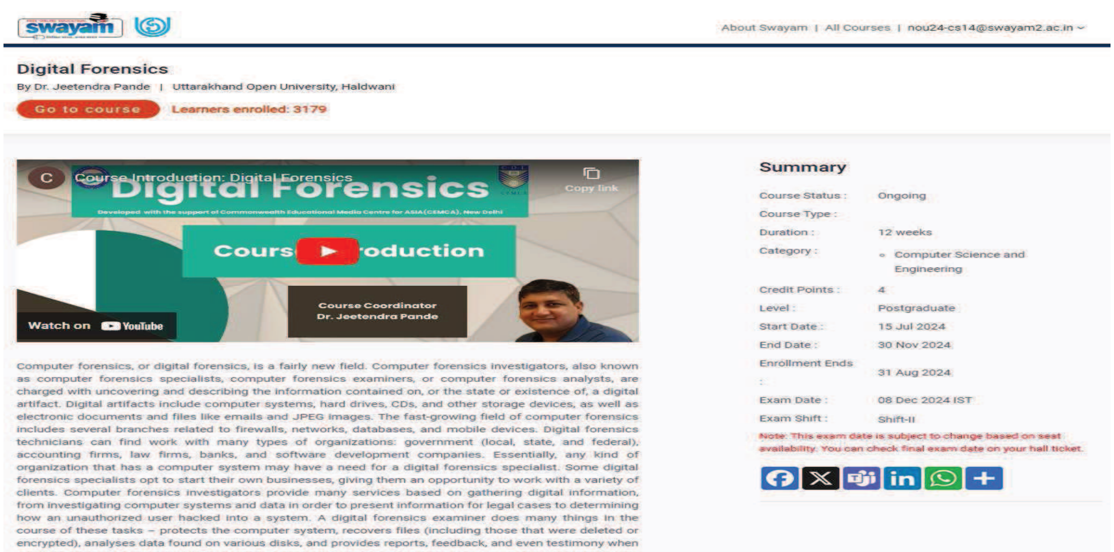

इंट्रोडक्शन टू साइबर सिक्योरिटी पाठ्यक्रम साइबर सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांतों, उपकरणों और प्रथाओं पर केंद्रित है। इस पाठ्यक्रम ने जुलाई 2023, जनवरी 2024 और जुलाई 2024 के सत्रों में क्रमशः 4,831, 11,004 और 10,759 नामांकन

प्राप्त किए। यह पाठ्यक्रम अपने पहले चक्र से ही अत्यधिक लोकप्रिय रहा है। जुलाई 2019 से अब तक के 11 चक्रों में इस पाठ्यक्रम में कुल **1,10,078 शिक्षार्थियों** ने नामांकन किया है। यह आँकड़ा पाठ्यक्रम की निरंतर प्रासंगिकता और शिक्षार्थियों के बीच इसके महत्व को दर्शाता है। नामांकित छात्रों में अधिकांश 13-30 आयु वर्ग के हैं, जो छात्रों और युवा पेशेवरों के लिए इस पाठ्यक्रम की उपयोगिता को रेखांकित करता है। लिंग वितरण के मामले में, 58% पुरुष और 42% महिलाएँ हैं, जो तकनीकी क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सकारात्मक संकेत है।

Memorandum of Understanding Signed Between Uttarakhand Open University and Dr. B R Ambedkar Open University

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU), हल्द्वानी और भारत की पहली ओपन यूनिवर्सिटी, डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (Dr. BRAOU), हैदराबाद ने 19 अप्रैल 2024 को एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ओपन और डिस्टेंस लर्निंग (ODL) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम Dr. BRAOU परिसर, हैदराबाद में आयोजित हुआ, जिसमें UOU के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी, Dr. BRAOU के कुलपति प्रो. के. सीताराम राव, और अन्य प्रमुख शैक्षणिक नेताओं ने भाग लिया। Dr. BRAOU के रजिस्ट्रार प्रो. ए. वेंकट राम नरसिम्हा रेड्डी और UOU के निदेशक डॉ. जीतेंद्र पांडे ने समझौते की हस्ताक्षरित प्रतियां साझा कीं।

इस समझौते में शोध और विकास सहयोग, शैक्षणिक कार्यक्रमों में संयुक्त भागीदारी, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (OER) और MOOCs का प्रचार, कौशल विकास कार्यक्रम, और शिक्षकों के विकास के लिए पहल जैसे विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इस साझेदारी का उद्देश्य कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना, शिक्षार्थियों के लिए नए

अवसर प्रदान करना, और ओपन और डिस्टेंस लर्निंग के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करना है। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता को सशक्त बनाने और ज्ञान साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

संक्षिप्त रिपोर्ट: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के बीच समझौता ज्ञापन (MoU)

स्थान: जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (JGND PSOU) परिसर, पटियाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU), हल्द्वानी और जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (JGND PSOU), पटियाला ने ओपन और डिस्टेंस लर्निंग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। यह ऐतिहासिक अवसर JGND PSOU परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति और शैक्षणिक नेता उपस्थित थे।

समारोह के दौरान, JGND PSOU के रजिस्ट्रार **प्रो. मंजीत सिंह** और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक **डॉ. जीतेंद्र पांडे** ने समझौते की हस्ताक्षरित प्रतियां साझा कीं। इस मौके पर **प्रो. ओ.पी.एस. नेगी**, कुलपति, UOU और **प्रो. करमजीत सिंह**, कुलपति, JGND PSOU, उपस्थित थे। इस अवसर पर **डॉ. गुरदीप सिंह बत्रा (डीन-शैक्षणिक मामलों)**, **डॉ. कंवलवीर सिंह ढींडसा (परीक्षा नियंत्रक)** और **डॉ. बलजीत सिंह खेहरा (डायरेक्टर-एलएससी)** जैसे प्रमुख व्यक्तित्वों ने अपनी उपस्थिति से इस समझौते की महत्ता को बढ़ाया।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्र:

1. **शोध और विकास में सहयोग**: दोनों संस्थान संयुक्त शोध और विकास परियोजनाओं पर काम करेंगे।
2. **ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (OER) और MOOCs का प्रचार**: इन संसाधनों के विकास और उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

3. **कार्यक्रम डिज़ाइन और कार्यान्वयन में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान:** दोनों संस्थान एक-दूसरे के अनुभवों से सीखेंगे।

4. **कौशल विकास कार्यक्रम:** रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

5. **फैकल्टी विकास:** सेमिनार, शैक्षणिक यात्राओं और अन्य पहल के माध्यम से शिक्षकों के विकास पर ध्यान दिया जाएगा।

इस MoU के माध्यम से दोनों संस्थानों ने ओपन और डिस्टेंस लर्निंग में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। यह समझौता न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को सशक्त बनाएगा, बल्कि शिक्षार्थियों और शिक्षकों के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगा।

- स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी की रिसर्च डिफेंस कमेटी (आरडीसी) 13 मार्च 2024 को बुलाई गई। श्रीमती शिल्पा गुणवंत ने प्रोफेसर जीतेंद्र पांडे के Suprevision में "Study and Development of an Expert System for Providing Career Guidance: With Reference to Uttarakhand," विषय पर अपनी अंतिम पीएचडी मौखिक परीक्षा दी।

- डॉ आर एस टोलिया उत्तराखंड प्रशासन अकादमी, नैनीताल, उत्तराखंड सरकार द्वारा 19 फरवरी 2024 को " Proposal for Providing Consultancy for E-Learning Module Development " नामक परामर्श परियोजना को मंजूरी दी गई।

- डॉ नीलिमा बुधानी द्वारा सीआईक्यूए, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा 4 से 11 अक्टूबर 2023 के दौरान "सीओ_पीओ मैपिंग और प्राप्ति पर क्षमता निर्माण" पर एक सप्ताह की एफडीपी में भाग लिया।
- यूकॉस्ट द्वारा वित्त पोषित, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी के तहत 18-03-2024 से 22-03-2025 तक आईपीआर(***IPR***) पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन में resource person रही।
- डॉ शिल्पा गुणवंत द्वारा चौथे आईसीईएटी 2023 में 16 और 17 जून 2023 को समरकंद राज्य विश्वविद्यालय, उज़्बेकिस्तान और मल्लारेड्डी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में ऑनलाइन भाग लिया गया और "कैरियर-मार्गदर्शन विशेषज्ञ प्रणाली का विकास" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
  -
- एआईयू अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सीजी) द्वारा 20-26 सितंबर 2023 के दौरान "उन्नत डेटा विश्लेषण उपकरणों के साथ डेटा संचालित अनुसंधान" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
- उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र (सीपीडीएचई) द्वारा आयोजित 20 फरवरी 2024- 29 फरवरी 2024 तक ऑनलाइन एनईपी ओरिएंटेशन और सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम में भाग लिया। यूजीसी के अंतर्गत-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी)।
- 18 मार्च से 22 मार्च 2024 तक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और यूकॉस्ट द्वारा इंट्रैक्टुअल प्रॉपर्टी राइट्स पर आयोजित 5 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

श्रीमती ललिता बिष्ट द्वारा (आईसीएमईएमएस-2023) एमएनआईटी जयपुर, भारत द्वारा आयोजित किया गए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो की गणितीय इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान विषय पर था ,21-22 मई, 2023 को IIIE, मुंबई-जयपुर चैप्टर, NIT, पटना, IIIT कोटा, भारत के साथ सहयोग से था में "अगली पीढ़ी की नेटवर्क प्रौद्योगिकी और भविष्य के रुझान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- (आईसीएमईएमएस-2023) एमएनआईटी जयपुर, भारत द्वारा आयोजित किया गए दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो की गणितीय इंजीनियरिंग और प्रबंधन विज्ञान विषय पर था ,21-22 मई, 2023 को IIIE, मुंबई-जयपुर चैप्टर, NIT, पटना, IIIT कोटा, भारत के साथ सहयोग से था में "अगली पीढ़ी की नेटवर्क प्रौद्योगिकी और भविष्य के रुझान" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।

- एआईयू अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सीजी) द्वारा 20-26 सितंबर 2023 के दौरान "उन्नत डेटा विश्लेषण उपकरणों के साथ डेटा संचालित अनुसंधान" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
- UGC-MMTTC, कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित 8 दिवसीय NEP Orientation and sensitization कार्यक्रम 2024 में भागीदारी, दिनांक-26/02/2024-06/02/2024.
- यूकॉस्ट द्वारा वित्त पोषित, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी के तहत 18-03-2024 से 22-03-2025 तक आईपीआर(IPR) पर 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन में resource person रही।

विभागीय गतिविधियाँ/कार्यशाला

1. **इंडक्शन प्रोग्राम**

- 25 अक्टूबर 2023 को सुबह 11:00 बजे, स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी ने 2023-24 के समर बैच के छात्रों के लिए ***वार्षिक इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित*** किया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से हुआ, जिसमें विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे MCA, MSc (आईटी), MSc (साइबर सिक्योरिटी), BCA, DCA, DIT, CCA, और CEGCS के छात्र शामिल हुए।

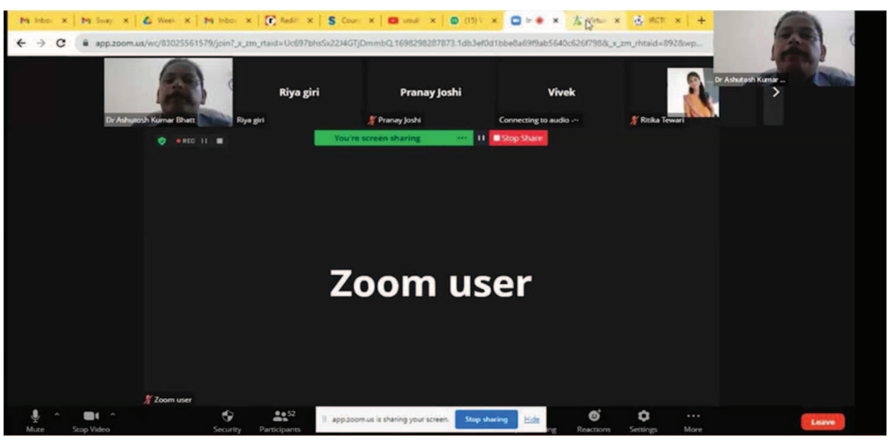

कम्प्यूटर विभाग के इंडक्शन प्रोग्राम का छायाचित्र

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा

(SCHOOL OF EDUCATION)

शिक्षाशास्त्र विभाग में पंजीकृत शोध छात्र कमल गहतोड़ी का Ph.D. Final Viva का प्रस्तुतीकरण का संचालन किया|

डॉ० डिगर सिंह फर्स्वान सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र द्वारा सितम्बर 2023 में विभिन्न कार्यों का निर्वहन किया| विश्वविद्यालय की MAED, BAED, B.Ed ODL तथा B.Ed Special परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का कार्य किया| 10 -11 2023 को MIET हल्द्वानी तथा UCOST देहरादून द्वारा "Intellectual property right" विषय पर आयोजित स्टेट लेवल कार्यशाला में प्रतिभाग किया| 22 -11-2023 को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका" विषय पर देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजन समिति के सदस्य के रूप में प्रतिभाग किया| विश्वविद्यालय की आगामी परीक्षाओं के लिए NEP 2020 के अनुसार सत्रीय कार्यों का निर्माण करने तथा उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु विभाग के सभी प्राध्यापकों को कार्य आवंटित किया| BAED-23 प्रथम सेमेस्टर "Introduction to Education" विषय का NEP के अनुसार पांच unit का SLM तैयार कर MPDD को प्रकाशन हेतु प्रेषित किया| विश्वविद्यालय की आगामी परीक्षाओं के लिए MAED, BAED, B.Ed ODL, Ph.D. Course Work तथा विशेष शिक्षा के विभिन्न प्रश्न पत्रों का निर्माण कर परीक्षा विभाग को प्रषित किया|

27-11-2023 को MIET तथा अमर उजाला द्वारा प्रायोजित देवभूमि शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 (Devbhumi Education Excellence Award 2023) से माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया|

यह पुरस्कार सम्पूर्ण उत्तराखंड राज्य से 16 प्राध्यापकों को उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया |

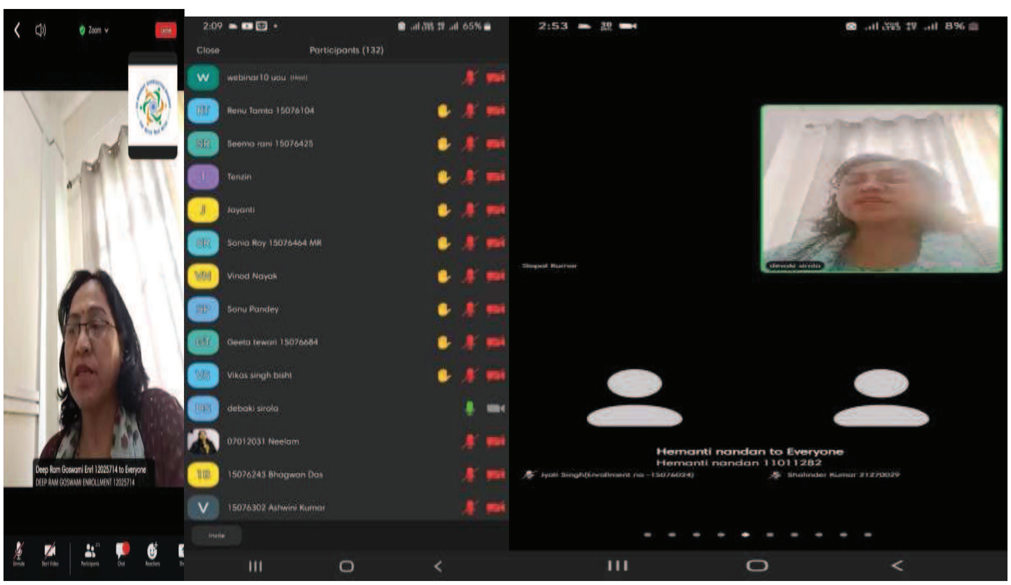

B.Ed. (SPL) वर्कशॉप 29-05-2023 to 02-06-2023

डॉ॰ देबकी सिरोला (सहायक प्राध्यापक) शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के द्वारा दिनाँक 5-12 से 14-12 -2023 तक सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एडुकेशन CPDHE) मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (UGC-MMTTC) विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोगाम-

NEP Orientation & Sensitization programme (FDP) में प्रतिभाग कर कुशलता पूर्वक प्रशिक्षण सम्पन्न किया।

राष्ट्रीय कार्यशाला दिनांक 05-02-2024 एवं 06-02-2024 " राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान देहरादून"

विशिष्ट शिक्षा विभाग: -

<u>राष्ट्रीय सेवा योजना की हल्द्वानी इकाई का सात दिवसीय शिविर का आयोजन</u>

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना हल्द्वानी इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर दिनांक 8 जनवरी से 14 जनवरी तक लक्ष्मी शिशु मंदिर बरेली रोड में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन एमबी ट्रस्ट के ट्रस्टी व पूर्व महाधिवक्ता श्री बिंदेश गुप्ता, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रोफेसर पी डी पंत, शिक्षा शास्त्र के विभाग के अध्यक्ष डॉ डिगर सिंह फर्स्वाण, हल्द्वानी क्षेत्रीय केंद्र के सहायक क्षेत्र निदेशक श्री बृजेश बनकोटी व कार्यक्रम प्रभारी डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इन सात दिवसीय शिविर में प्रथम दिवस

पर्यावरण विशेषज्ञ निर्मला तडागी द्वारा पर्यावरण के बारे में व्याख्यान दिया गया व चुनाव आयोग की टीम द्वारा वीवीपेट का प्रशिक्षण दिया गया। द्वितीय दिवस विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक डॉ शशांक शुक्ला व प्रसिद्ध कवियित्री व शिक्षाविद् श्रीमती बीना जोशी द्वारा हिंदी कविता का पाठ किया गया। अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत अग्निशमन विभाग द्वारा विद्यार्थियों को आग से बचाव की जानकारी दी गई। चतुर्थ दिवस एरीज के माध्यम से विद्यार्थियों को सौरमंडल की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा समय-समय पर सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता पखवाड़ा भी मनाया गया। शिविर का समापन सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर श्री चंचल सिंह शाही व शिक्षाविद डॉ प्रकाश लखेड़ा द्वारा किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों को शिविर प्रतिभाग प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सात दिवसीय विशेष शिविर की रिपोर्ट कार्यक्रम प्रभारी डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा प्रस्तुत की गई व शिविर में सभी विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक दिवस अलग-अलग राज्यों से संबंधित गतिविधियां प्रस्तुत करते हुए सहकारी रूप से कार्य किया गया।

विशेष शिक्षा विभाग

स्पेक्स संस्था के सहयोग से विशेष शिक्षकों के लिए संप्रेषण की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में स्पेक्स संस्था के सहयोग से विशेष शिक्षकों के लिए संप्रेषण की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 29 जनवरी को किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन देहरादून परिसर के प्रभारी निदेशक डॉ दिनेश चौधरी, कार्यशाला आयोजक डॉ बृजमोहन शर्मा व बीएड विशेष विभाग के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया कार्यशाला में विशेष शिक्षकों को विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के संदर्भ में संप्रेषण से संबंधित जानकारियां वक्ताओं व प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान

की गई और प्रयोगात्मक कार्यों के द्वारा बच्चों में संप्रेषण की क्या भूमिका होती है किस प्रकार से वह अपने विचारों को व्यक्त कर सकते हैं इस बारे में जानकारी दी गई।

<u>विज्ञान एवं गणित शिक्षण में विशेष शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला</u>

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा यूसर्क के वित्तीय सहयोग से राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, राजपुर रोड देहरादून के सभागार में विज्ञान एवं गणित शिक्षण में विशेष शिक्षकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 5-6 फरवरी को किया गया जिसमें लगभग डेढ़ सौ प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला के संयोजक डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य को बताते हुए विज्ञान व गणित विषयों को वर्तमान समय में सभी के लिए आवश्यक बताते हुए विशेष बच्चों के लिए इस कार्यशाला को अत्यंत लाभकारी होना बताया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विशेष शिक्षकों में गणित व विज्ञान का प्रयोग कर विशेष बच्चों के लिए विषयों में अपनी रुचि उत्पन्न कर सकें। जिससे कि वह गणित में विज्ञान जैसे विषय में आसानी से विभिन्न तकनीकी व युक्तियों का प्रयोग कर अध्ययन कर सके। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार विशेष शिक्षा के प्रति गंभीर है और विशेष बच्चों के लिए सरकार द्वारा विशेष शिक्षक के कई पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। घर-घर हर दिव्यांग व्यक्ति तक सही शिक्षा पहुंचे इसके लिए सरकार प्रयासरत है। दिव्यांगजन को शिक्षा के साथ रोजगार भी मिले इसके लिए कौशल शिक्षा विभाग भी आगे बढ़कर काम कर रहा है।

यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर अनीता रावत ने कहा कि आधुनिक तकनीक से हर दिव्यांग छात्र व छात्राओं के साथ उनका विज्ञान व गणित विषयों में भी प्रशिक्षित करने की जरूरत है। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय आधुनिक युग में हर व्यक्ति को शिक्षा से जोड़ने का प्रभावी व्यवस्था साधन बनता जा रहा है साथ ही दिव्यांगजनों के लिए विश्वविद्यालय विशेष शिक्षा में विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन तो कर ही रहा है और साथ ही साथ राज्य में दिव्यांगजन तक शिक्षा पहुंचे इसके लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कई योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। दैनिक जीवन में विज्ञान व गणित जैसे विषयों की आवश्यकता प्रत्येक मनुष्य को होती है, इस तरह की कार्यशाला दिव्यांगजनों को प्रशिक्षित करने के लिये लाभकारी होगी। कार्यशाला के प्रथम सत्र के दिन विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए और गणित व विज्ञान शिक्षण के संदर्भ में आने वाली समस्याओं का निराकरण करते हुए प्रतिभागियों को सरल और रुचिकर माध्यम से गणित विज्ञान शिक्षण के अध्ययन के प्रशिक्षण दिए गए।

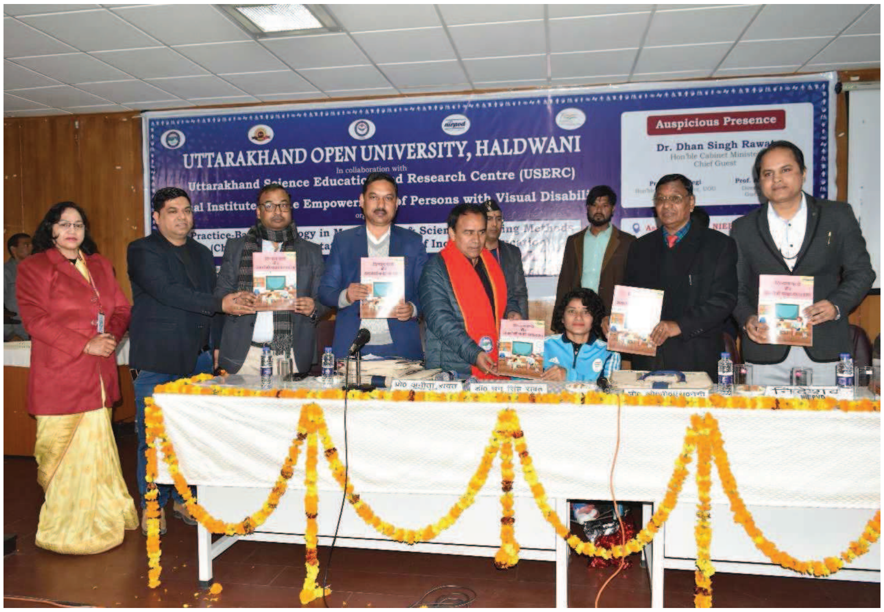

कार्यशाला के दूसरे दिन समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ गीता खन्ना, अध्यक्ष बाल संरक्षण आयोग ने अपने संबोधन में बच्चों की सुरक्षा व अधिकार पर शिक्षा का ध्यान केंद्रित होने पर बात कही, साथ ही उन्होंने अपेक्षा की की इस तरह की कार्यशाला से बच्चों के शिक्षण में अध्यापकों को सहायता मिलेगी और खास तौर से विशेष शिक्षक गंभीरता से विज्ञान और गणित जैसे विषयों को रुचिकर बनाते हुए विशेष बच्चों को प्रोत्साहित करेंगे। समापन सत्र की अध्यक्षता करा रहे संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ सुरेंद्र ढालवाल नें कार्यशालाको उपयोगीओर लाभकारी बताया। समापन सत्र में डॉ डिगर सिंह फर्स्वाण, डॉ राकेश रयाल, डॉ पंकज कुमार, डो विनोद कैन, डॉ देबकी सिरोला, श्रीमती भावना धौनी, श्री तरुण नेगी उपस्थित रहे। कार्यशाला के संयोजक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 03 दिसंबर, 2023 को विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में दिव्यांग गौरव सम्मान समारोह व संगोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट, विशिष्ट अतिथि निवर्तमान मेयर डॉ जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला व कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में खेल, सामाजिक व विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया जिसमें अर्जुन अवॉर्ड विजेता रुद्रपुर निवासी मनोज सरकार, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित श्री प्रदीप नेगी, बैडमिंटन की राष्ट्रीय पैरा ओलंपिक विजेता सुश्री नीरज गोयल, दृष्टि बाधित लोककवि नरेंद्र रयाल, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यरत दिव्यांग कार्मिक श्री दिनेश पाल सिंह ज्याडा को मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि व कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा शॉल ओढाकर सम्मानित व प्रतीक चिन्ह देकर पुरूस्कृत किया गया।

यूओयू की विशेष कार्यशाला: विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के समर्थन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर केंद्रित एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी और राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एन.आई.ई.पी.वी.डी), देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में एन.आई.ई.पी.वी.डी के अष्टावक्र सभागार में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य अभिभावकों को सशक्त बनाना और उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था ताकि वे अपने बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

कार्यशाला का उद्घाटन एन.आई.ई.पी.वी.डी के निदेशक मनीष वर्मा, विशेष शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विनोद केन, डॉ. पंकज कुमार और उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। यह उद्घाटन समारोह इस बात का प्रतीक था कि समाज में

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और समर्पण को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

विशेषज्ञों ने चार सत्रों में अभिभावकों से सीधा संवाद किया और उन्हें विभिन्न मुद्दों और चुनौतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। पहले सत्र में डॉ. मुरली सिंह ने भाषण संबंधी समस्याओं पर चर्चा की और उनके समाधान पर जोर दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. विनोद केन ने दृष्टिबाधित बच्चों के अभिभावकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला, जबकि तृतीय सत्र में प्रीति अरोड़ा ने ऑटिज्म प्रभावित बच्चों के अभिभावकों की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया। चौथे सत्र में डॉ. पंकज कुमार ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सहायक उपकरणों के महत्व पर जानकारी दी।

खुला सत्र एक महत्वपूर्ण मंच था जहां विशेषज्ञ स्मृति लोशाली और नीरजा बिष्ट ने छात्र-छात्राओं, प्रतिभागियों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस सत्र ने अभिभावकों को अपने अनुभव साझा करने और विशेषज्ञों से व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

इस कार्यशाला के समापन पर डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विशेष शिक्षा के क्षेत्र में और भी ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया, जो अभिभावकों को अधिक सक्षम बना सकें।

वक्ताओं ने कहा कि यह कार्यशाला एक महत्वपूर्ण पहल है जो विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है। ऐसी कार्यशालाएं न केवल अभिभावकों को आवश्यक ज्ञान और उपकरण प्रदान करती हैं, बल्कि उन्हें एक सामुदायिक समर्थन भी प्रदान करती हैं जिससे वे एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब उनके अभिभावकों को सही मार्गदर्शन और समर्थन प्राप्त हो। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय और एन.आई.ई.पी.वी.डी द्वारा आयोजित इस कार्यशाला ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जो सराहनीय है। इस अवसर पर तरुण नेगी, डॉ सुभाष रमोला, डॉ भावना डोभाल सहित कई प्रतिभागी मौजूद थे।

हल्द्वानी आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला के समापन सम्बंधी रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय बीएड शिक्षा के आदर्श अध्ययन केंद्र, हल्द्वानी में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 18 जुलाई, 2023 को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि हल्द्वानी नगर निगम के मेयर डॉ जोगेंद्र रौतेला, निदेशक अकादमिक प्रो पीडी पंत, शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा के निदेशक प्रो ए के नवीन द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला के संयोजक व विशेष शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा कार्यशाला की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई व आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ डिगर सिंह फरस्वार्ण द्वारा आमंत्रित अतिथियों का परिचय कार्यशाला के प्रतिभागियों से कराया गया। निदेशक प्रो ए के नवीन द्वारा कार्यशाला में नवीन दिव्यांगजन एक्ट के अंतर्गत एक किस प्रकार की दिव्यांगताओं का के बारे में अवगत कराया। स्थानीय पार्षद श्री मनोज जोशी द्वारा अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय द्वारा इस तरह के कार्य शालाओं के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए समाज के लिए विशेष शिक्षक आवश्यक हैं और

राज्य में एकमात्र उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस तरह का कोर्स कर आ रहा है यह हर्ष की बात है जिसका लाभ दिव्यांग जनों के अभिभावकों को भी मिल रहा है।

मुख्य अतिथि हल्द्वानी मेयर डॉक्टर जोगेंद्र रौतेला द्वारा अपने उद्बोधन में कार्यशाला में प्रतिभाग कर रही महिला प्रतिभागियों की संख्या के संदर्भ में प्रसन्नता व्यक्त की और इस बात की अपेक्षा की कि इस महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को करने वाले विशेष शिक्षक समाज में दिव्यांगजनों के लिए प्रशिक्षकों के रूप में कमी को पूरा करेंगे। शिक्षा के अधिकार के अधिनियम के अंतर्गत उत्तराखंड राज्य में सरकार द्वारा विशेष शिक्षकों के पदों में जारी भर्ती का लाभ इस कोर्स को कर रहे अभ्यर्थियों को मिलेगा।

अकादमिक निदेशक प्रो पीडी पंत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम के प्रति बहुत संवेदनशील है, समय पर कार्यशाला का आयोजन व परीक्षाओं का कार्य विश्वविद्यालय स्तर पर किया जाता है। विश्वविद्यालय में इस पाठ्यक्रम से प्रतिवर्ष सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर विशेष शिक्षा के क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त कर रहे हैं गत वर्ष राष्ट्रपति महोदय द्वारा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को दिव्यांग जनों के लिए पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया जोकि विश्वविद्यालय की लोकप्रियता और अच्छी कार्यशैली को इंगित करता है।

कार्यशाला के अंत में भावना धोनी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। शिक्षा शास्त्र विद्या शाखा से डॉ कल्पना पाटनी लखेडा, डॉ देवकी सिरोला, डॉ मनीषा पंत, डॉ दिनेश कांडपाल, दीपिका रैकवाल, दीप्ति कुंजवाल, पूजा भट्ट उपस्थित रहे। समस्त प्रतिभागियों को मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

देहरादून आदर्श अध्ययन केंद्र में नामांकित विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला के समापन सम्बंधी रिपोर्ट

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के आदर्श अध्ययन केंद्र, देहरादून परिसर में नामांकित बीएड विशेष शिक्षा द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हुयी छह दिवसीय कार्यशाला का समापन दिनांक 24 जून, 2023 को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान, देहरादून के सभागार में किया गया कार्यशाला के मुख्य अतिथि देहरादून जिले के मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री प्रदीप रावत जी के द्वारा समापन सत्र का उद्घाटन किया गया।

अपने उद्बोधन में मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री रावत द्वारा सभी प्रतिभागियों से इस क्षेत्र से कार्यशाला के उपरांत फील्ड वर्क में जाने से पूर्व शिक्षक को संवेदनशील होना बताया एक शिक्षक एक छात्र के भविष्य का ही नहीं अपितु तो पूरे राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। एक शिक्षक को दार्शनिक होने के साथ-साथ चिंतनशील और अपने विषय का पूरा ज्ञान और अनुशासित होना चाहिए। दिव्यांगजनों के संदर्भ में विशेष शिक्षकों की भूमिका उनके सशक्तिकरण पुनर्वास व जनों के प्रति संवेदनशील होनी चाहिए। दिव्यांग बच्चे को शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। समावेशी विद्यालयों के साथ-साथ सामान्य विद्यालयों में भी दिव्यांग बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने की दिशा में वर्तमान समय में विशेष शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया गतिमान है जिससे दिव्यांगजनों के लिए विशेष शिक्षक को कार्य करने के अवसर उपलब्ध होंगे। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत प्रतीक चिन्ह व पुष्पगुच्छ से करते हुए विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष व सहायक प्राध्यापक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल ने अपना उद्बोधन में छह दिवसीय कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की व अपेक्षा की कि जो कुछ भी प्रशिक्षण इस सेमेस्टर में प्रतिभागियों ने प्राप्त किया उसको आगामी सेमेस्टर में अपने कार्य क्षेत्र में उपयोग में लाएंगे।

अपने स्वागत भाषण में दीप्ति कुंजवाल ने सभी अतिथियों व विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए अतिथियों का परिचय सभी प्रतिभागियों को दिया। कांउसलर पूजा भट्ट द्वारा अपना उद्बोधन में 6 दिन से कार्यशाला में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण से संबंधित सभी पहलुओं को बताया। कार्यशाला में प्रतिभागियों में शैल, चंद्रशेखर गौतम, आशुतोष गिरी द्वारा कार्यशाला से संबंधित अपने अनुभव साझा किए गए। संचालन अंकित रतूड़ी द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा दिया गया। कार्यशाला में पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उड़ीसा वह उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से आए हुए प्रतिभागी उपस्थित रहे आए हुए सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा
(SCHOOL OF HEALTH SCIENCE)

योग विभाग

- दिनांक 18 अप्रैल 2023 को योग विभाग के शोध कार्य हेतु शोध छात्र (रणजीत सिंह) की RDC की बैठक संपन्न कराई गयी।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 को आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अनुमोदित योग प्रोटोकॉल का सामूहिक अभ्यास विश्वविद्यालय परिसर में कराया गया तथा विश्वविद्यालय द्वारा मनाए जा रहे योग प्रोटोकॉल को सफल बनाने हेतु ऑनलाइन ज़ूम माध्यम से भी संचालित किया गया।

अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का छायाचित्र

- दिनांक 23 अगस्त 2023 को योग विभाग के शोधार्थी (श्री अनिल कोठारी, नामांकन संख्या - 19201234) की पी.एच. डी. मौखिकी परीक्षा विधिपूर्वक संपन्न कराई गई।

योग विभाग के शोधार्थी श्री अनिल कोठारी की पी.एच. डी. मौखिकी परीक्षा

- दिनांक 14/09/2023 को हरिद्वार में आयोजित 10 दिवसीय कार्यशालाओं का समापन सत्र आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व विभागाध्यक्ष गुरुकुल कांगड़ी **प्रो. ईश्वर भारद्वाज** (अकादमिक डीन देव संस्कृति विश्वविद्यालय) एवं विशिष्ट अथिति **पद्मश्री भारत भूषण उपस्थित** रहे। उपस्थित अथितियों द्वारा शिक्षार्थियों का उत्साह वर्धन एवं मार्गदर्शन किया गया। कार्यशाला के दौरान स्वागत कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भानु प्रकाश जोशी द्वारा किया गया। जिसमें कार्यशाला समन्वयक डॉ. अनिल कोठारी, श्रीमती दीक्षा बिष्ट एवं समस्त योग प्रशिक्षक उपस्थित थे। कार्यशाला समापन में आयोजित कार्यक्रम का छायाचित्र निम्न में संलग्न है-

गृह विज्ञान विभाग

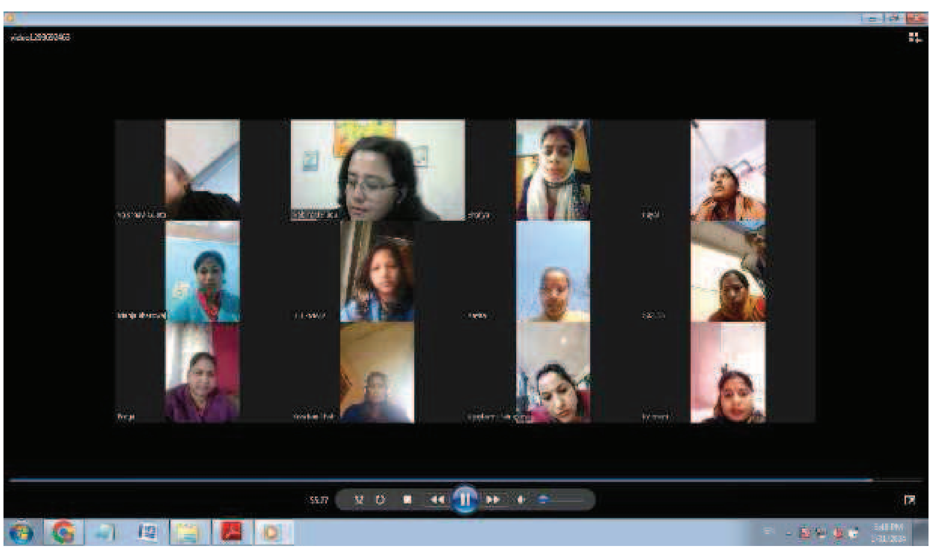

गृह विज्ञान विभाग की ऑनलाइन इण्डक्शन प्रोग्राम का छायाचित्र

- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 8-12 जनवरी 2024 को एम0ए0 गृह विज्ञान प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर की प्रयोगात्मक कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमें विभाग के परामर्शदाताओं द्वारा सम्बंधित विषय पर काउंसलिंग भी की गई।

- विभाग द्वारा 06 जनवरी, 2024 को बी0 ए0 गृह विज्ञान प्रथम सेमेस्टर की कार्यशाला ऑनलाइन माध्यम (जूम मीटिंग) से सम्पन्न कराई गई। जिसमें विभाग के परामर्शदाताओं द्वारा सम्बंधित विषय पर काउंसलिंग भी की गई।

पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबन्धन विद्याशाखा

(School of Tourism, Hospitality and hotel Management)

- सितंबर 2023 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से "परामर्श सम्मेलन: सरकारी क्षेत्र में कैरियर के अवसर" विषय पर वाणिज्य और प्रबंधन अध्ययन स्कूल के सहयोग से सहायक प्लेसमेंट नोडल अधिकारी के रूप में कैरियर परामर्श आयोजित किया गया।
- 6 जून 2023 को "नौकरी चाहने वाले शिक्षार्थियों में रोजगार कौशल" विषय पर सीआईक्यूए के सहयोग से प्लेसमेंट सेल द्वारा एक और कार्यशाला आयोजित की गई।

Organising/ Seminar/ Conference/ Symposium etc. as Convener/ Organizing Secretary/ Secretary Seminar etc.

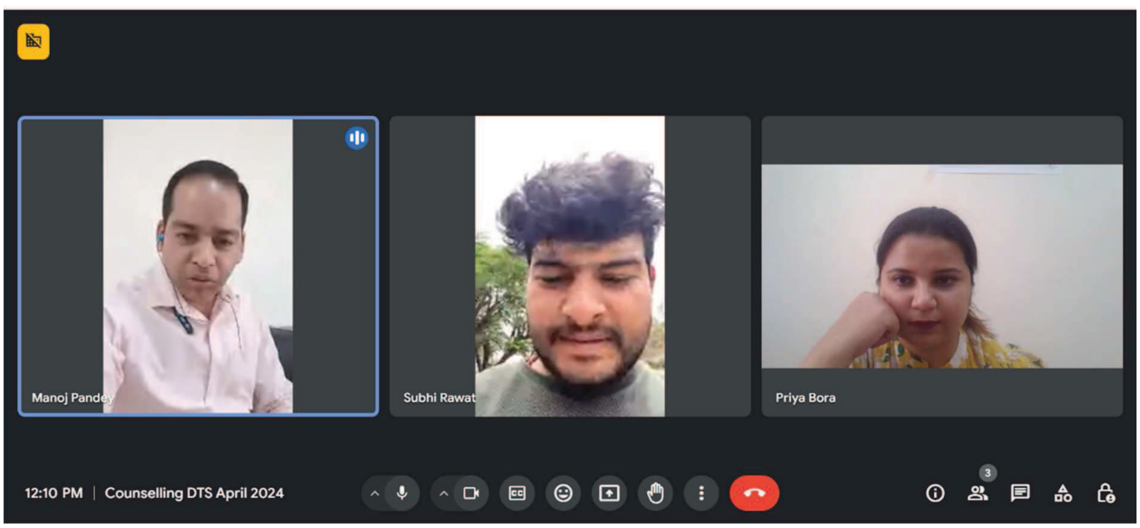

Special Counselling Sessions

Maintenance of records of Counselling, Feedback and Attendance of Learners.

❖ Two counselling sessions were conducted by the faculties of tourism department in January 2024 and April 2024, below are the attached feedback responses given by the learners of Department of Tourism.

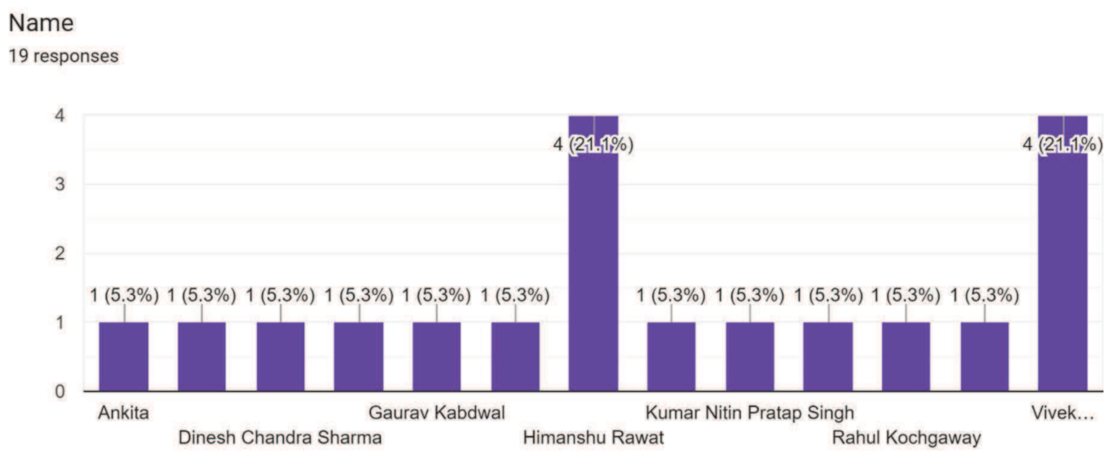

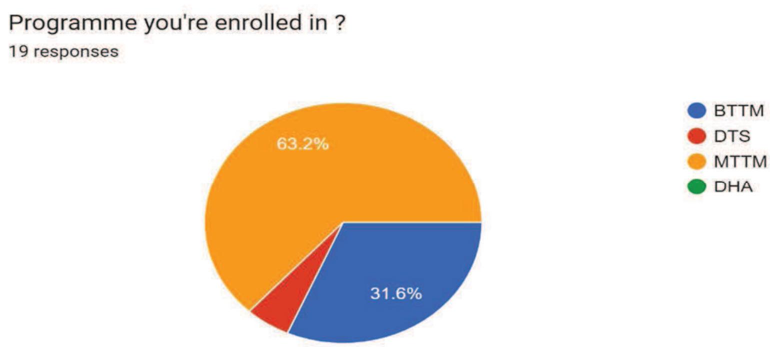

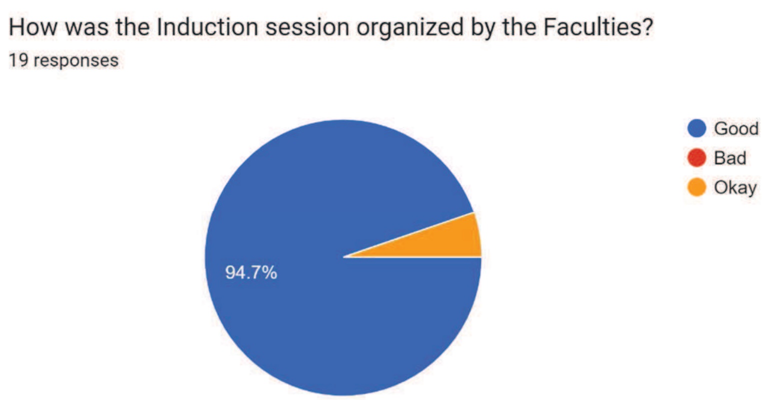

Did the faculties covered all the topics?

19 responses

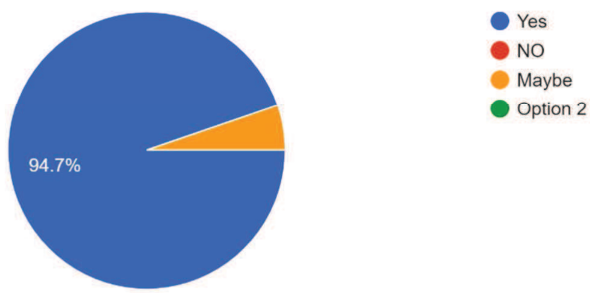

Full Name

91 responses

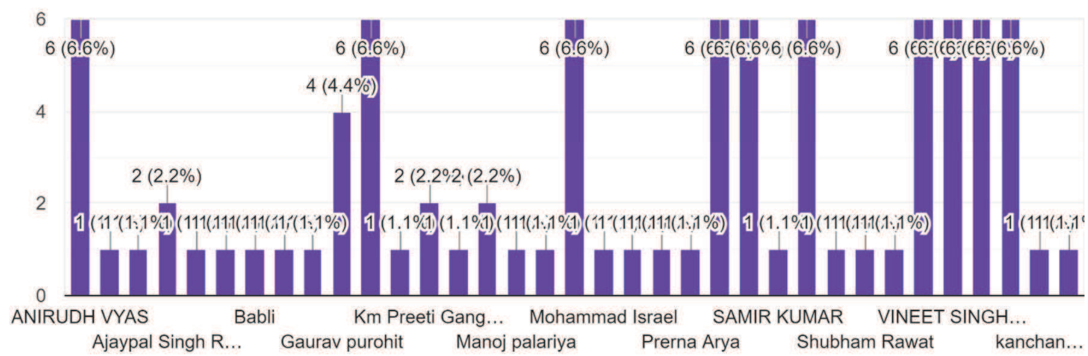

Which Semester you are currently in ?

91 responses

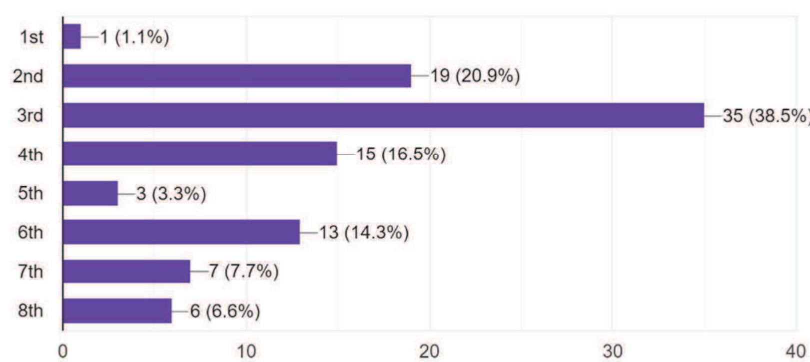

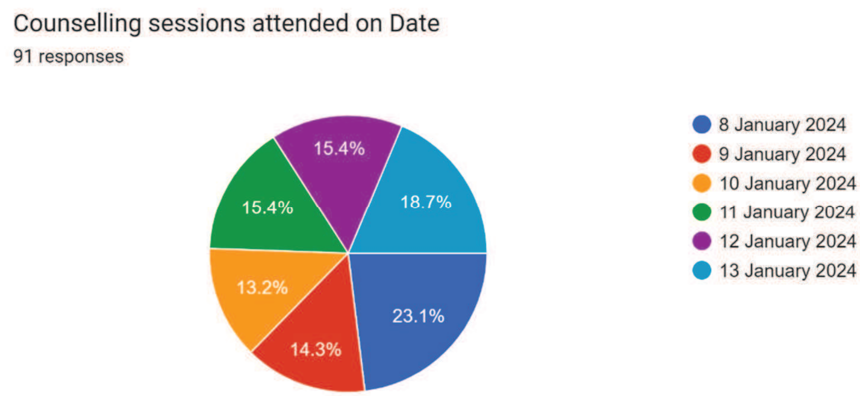

"आतिथ्य उद्योग का परिचय" शीर्षक से पुस्तक प्रकाशित।

क) शोध-पत्र:

1. "नैनीताल में पर्यावरण पर्यटन की संभावना और विकासपत्र प्रकाशित।-शीर्षक से एक शोध "
2. "उत्तराखंड में होम स्टे प्राथमिकताओं का गहन विश्लेषणविष "य पर शोधपत्र प्रकाशित।-

ख) करियर काउंसलिंग:

MTTM/BTTM/DTS पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा

इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम)

पुस्तकालय एवम सूचना विज्ञान द्वारा बीएलआईएस-21 प्रथम सेमेस्टर (जुलाई सत्र-2023) में नामांकित छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम (प्रेरण कार्यक्रम) का आयोजन 30 अक्टूबर 2023 को प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक ऑनलाइन माध्यम ज़ूम मीटिंग पर किया गया

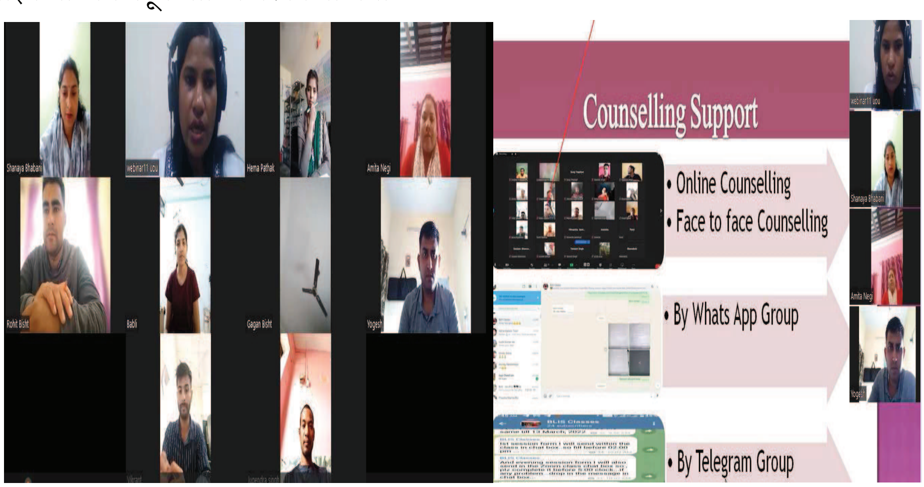

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय पुस्तकालय जगत के पितामह पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की 131वीं जयंती की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया।

शुक्रवार को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा के तत्वाधान में राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिवप्रो. पीडी पंत, प्रो.ए.के.नवीन व अरविंद भट्ट ने संयुक्त रूप से डॉ. एस. आर. रंगनाथन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में कुलसचिव प्रो. पीडी पंत ने कहा पद्मश्री डॉ. रंगनाथन के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके पुण्य कृत्यों के लिए अकादमिक एवं शोध समाज सदैव उनका ऋणी रहेगा। वनस्पति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर व उपनिदेशक शोध एवं नवाचार डा. पी.के. सहगल ने कहा कि सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए पुस्तकों का सतत् अध्ययन बेहद जरूरी है। असिसटेंट डायरेक्टर कंप्युटर एवं आईसीटी अनुराग भट्ट ने कहा कि डिजीटल लाइब्रेरी पर विस्तार से बात रखी. उन्होने परंपरागत लाइब्रेरी से लेकर डिजीटल लाइब्ररी तक के सभी तकनीकों ओपेक, आईसीटी और इंस्टीट्यूशनल रिपोजेटरी, प्लेजेरिज्म व आर्टिफिसिलयल इंटेलीजेंस पर विस्तार से बात रखी. इस दौरान बीएलआईएस के शिक्षार्थियों तारा देवी व मंजू पुनेरा ने एस.आर. रंगनाथन के लाइब्रेरी पर दिए गए नियमों को विस्तार से बताया। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा की प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ. प्रीति शर्मा ने कहा कि पुस्तकालय एक ऐसा मंदिर है जहां व्यक्ति साहित्य, समाज, अर्थव्यवस्था, कला एवं संस्कृति को पढ़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाता है। उन्होंने बताया कि यूं तो लाइब्रेरियन दिवस दुनिया भर में 16 अप्रैल को मनाया जाता है पर एसआर. रंगनाथन के लाइब्रेरी साइंस में योगदान को देखते हुए उनके जन्मदिवस को ही भारत में राष्ट्रीय लाइब्रेरियन दिवस के तौर पर मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा दिल्ली प्रगति मैदान में दो दिवसीय फेस्टवल ऑफ लाइब्रेरी प्रोग्राम में दिए गए लाइब्रेरी इस दौरान उन्होंने पद्मश्री रंगनाथन द्वारा दिए गए अध्ययन के मूल मंत्रों से प्रतिभागियों को परिचित कराया। कार्यक्रम में विवि के डा. सीता विश्वकर्मा, डा. दिनेश कुमार, डा. देवकी सिरोला, डा. मनीषा पंत, राजेश आर्या, विभु कांडपाल, शोधार्थी जीवन परगॉई, समेत बीएलआईएस के स्टूडेंट्स गोविंद, शगुफ्ता, सबेअसरा व रेखा बिष्ट मौजूद रही

काउंसलिंग क्लासेज

पुस्तकालय एवं सूचना विभाग द्वारा लगभग २०२३ के सत्र में ४५ क्लासेज ऑनलाइन के माध्यम से एंड लगभग ३० क्लासेज ऑफलाइन के माध्यम से ली गई जिसमे से कुछ क्लासेज की इमेजेस नीचे दी गई है एवं सभी क्लासेज का रिकॉर्ड भी उपलब्ध है।

पत्रकारिता विभाग –

‘मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर मंचाशीन मुख्य वक्ता व अतिथिगण।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग द्वारा ‘‘मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका’’ विषय पर 22 नवम्बर, 2023 को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यूसीएफ सदन के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि शिक्षा के प्रति लोगों में अभिरूचि जागृत हो चुकी है। नवाचार और तकनीकी की मदद से शिक्षा क्षेत्र में नए आयाम शामिल हुए हैं। इससे मीडिया माध्यमों के जरिए मुक्त विश्वविद्यालय प्रभावी सामग्री, विद्यार्थियों के साथ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा सकता है। कार्यक्रम के मुक्त वक्ता आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आम्बेकर ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत पूरा प्रयास किया गया है कि हर शिक्षार्थी को शिक्षा का पूरा लाभ मिले। साथ ही मीडिया के सभी टूल्स का प्रयोग कर अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की बात कही। साथ ही सभी भाषाओं में अध्ययन सामग्री की उपलब्धता पर जोर दिया। उन्होने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नये प्रयोगों पर भी अवसर दिया जाना चाहिए।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहुंच सुदूर शिक्षार्थी तक हो रही है। हम सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, जिससे कि सरलता से हर व्यक्ति तक पहुंच हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान गंगा नाम से चैनल बनाने की और अग्रसर है, भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रेस परिषद नई दिल्ली के सदस्य एवं पूर्व निदेशक बी0एच0यू0 प्रो0 बी0आर0 गुप्त ने मीडिया की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मीडिया का रोल हर क्षेत्र में अहम रहा है। मालवीय पत्रकारिता संस्थान के प्रो. ओपी सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में मीडिया के जरिए सामग्री पहुंचाने के लिए मीडिया टूल्स के साथ ही तकनीक भी जरूरी है। दून विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश कुमार ने मूक कोर्स तैयार करने की बात कही। साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय में संचालित वैल्यू एडेड कोर्सों का लाभ अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए समन्वय स्थापित करने को कहा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 पी0डी0 पंत ने

आगन्तुक सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 राकेश रयाल ने किया। संगोष्ठी में संघ के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र, राज्य मंत्री रमेश गड़िया, कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. एके नवीन, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. डिगर सिंह फर्स्वाण, बृजेश बनकोटी, डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. भावना डोभाल, नरेन्द्र जगुड़ी, अनिल कंडारी, गोविंद रावत, राजेन्द्र क्वीरा आदि मौजूद रहे।

3. शोध/ परामर्श एवं प्रसार
(Research, Consultancy and Extension)

शोध विश्वविद्यालय के चिन्तन का प्राण होता है। नवीन खोज एवं शोध ही हमारी मौलिक विचार दृष्टि का निर्माण करते हैं। नवीन तथ्य एवं खोज जहाँ पूर्व के विचारों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, उसका विस्तार करते हैं; वहीं वे नवीन चिन्तन की आधारपीठिका भी तैयार करते है। इसीलिए शोध और विचार का सम्बन्ध पार्श्व एवं मुख्यांश का है, जो एक–दूसरे से घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। शोध के इसी महत्व को समझते हुए यू.जी.सी. एवं उच्च शिक्षण संस्थान समय-समय पर गुणवत्तापरक शोध की दिशा में प्रयासरत रहते हैं। चूँकि विश्वविद्यालय अपने नवीन शोध कार्य के कारण जाना जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य का महत्व स्वयं सिद्ध है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने वैचारिक गुणवत्ता के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर अपनी शोध की पीठिका तैयार की है। विश्वविद्यालय में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में शोध के नये-नये कार्य किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में शोध की गतिविधियों को केंन्द्रित करने के लिए 'शोध एवं नवाचार निदेशालय' की स्थापना की गयी है। शोध एवं नवाचार निदेशालय का कार्य शोध के प्रवेश से लेकर शोध की मौखिकी कराने तक का है।

विश्वविद्यालय में शोध सम्बन्धित गतिविधियाँ सुचारू एवं अनुशासनबद्ध तरीके से चलें, इसके लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने विभागीय शोध समिति एवं शोध उपाधि समिति का गठन किया है। विभागीय शोध समिति की रूपरेखा एवं शोध उपाधि समिति की रूपरेखा इस प्रकार है –

3.1 विभागीय शोध समिति:

- विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का समन्वयक - संचालक
- सम्बन्धित विद्याशाखा के अध्यापक - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सदस्य - अन्य विद्याशाखा का अध्यापक

3.2 शोध उपाधि समिति:

- सम्बन्धित विद्याशाखा का निदेशक - अध्यक्ष
- सम्बन्धित विभाग का अध्यक्ष - संयोजक
- सम्बन्धित विभाग के समस्त अध्यापक जो शोध निर्देशन हेतु अर्ह हो - सदस्य
- कुलपति द्वारा नामित सम्बन्धित विषय के दो बाह्य परीक्षक जिनमें से एक की उपस्थिति अनिवार्य-सदस्य
- निर्देशक शोध - सदस्य

कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्राद्योगिकी विद्याशाखा, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री पवन कुमार, (नामांकन संख्या–23304210), श्री अनुराग भट्ट, (नामांकन संख्या–23304199), श्रीमती रिचा सिंह, (नामांकन संख्या–23304025), श्री समीर वर्मा, (नामांकन संख्या–21240962), की शोध सलाहकार समिति (RAC) दिनांक 19 फरवरी 2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- विज्ञान विद्याशाखा, भौतिक विज्ञान विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्रद्धा लखेड़ा, नामांकन संख्या–21240578 की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतिकरण हेतु पूर्व परीक्षा (Pre-Submission) दिनांक 24 फरवरी 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, योग विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी नीता दियोलिया, नामांकन संख्या–19201245 की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतिकरण हेतु पूर्व परीक्षा (Pre-Submission) दिनांक 28 फरवरी 2024 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, योग विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री सुनील कुमार, (नामांकन संख्या–14056636), शोध शीर्षक ''**पुलिस कर्मियों के कर्तव्य निष्पादन विषयक तनाव प्रबंधन में योगाभ्यास की भूमिका एक प्रायोगिकः– अध्ययन**'' के अर्न्तगत शोधार्थी की पीएच0डी मौखिक परीक्षा दिनांक 24 जनवरी 2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा, प्रबंध अध्ययन विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री उदित कुमार पांडे, (नामांकन संख्या– 12025061), शोध शीर्षक ''Impact of Organizational environment on Teacher's Retention: A Comparative Study of Public and Private Professional Higher Education Institution of Uttarakhand'' के अर्न्तगत शोधार्थी की पीएच0डी मौखिक परीक्षा दिनांक 27 जनवरी 2024 को सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा 2023–24 में उत्तीर्ण पीएच0डी0 अभ्यर्थियों की अन्तिम चयन सूची जिन्हे विश्वविद्यालय में प्रवेश दिया जाना है, दिनांक 27 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय की वेबसाइड में अपलोड कर दी गई है।

- पर्यटन आतिथ्य एवं होटल प्रबंध विद्याशाखा, पर्यटन विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री राजीव सेमवाल, नामांकन संख्या– 19202407, ने शोध शीर्षक ''**A Study of Satisfaction of Tourist Staying in Rural Homestays in Uttarakhand''** के अर्न्तगत पीएच0डी0 उपाधि हेतु मौखिक परीक्षा दिनांक 11 दिसम्बर 2023 को अपराह्न 03:30 बजे निदेशक, पर्यटन आतिथ्य एवं होटल प्रबंध विद्याशाखा कक्ष संख्या–158 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है। उक्त प्रकरण को कार्य परिषद की 39 वीं बैठक दिनांक 13.12.2023 में भी अनुमोदित करा दिया गया है।
- मानविकी विद्याशाखा, वैदिक ज्योतिष विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री बसुदेव प्रसाद, नामांकन संख्या– 21240949, की दिनांक 30 जून 2023 को RDC समिति की बैठक हुई, जिसमें शोधार्थी

द्वारा प्रस्तुत शोध शीर्षक एवं शोध प्रारूप का अवलोकन एवं संशोधनोपरान्त शोध कार्य हेतु शीर्षक – **'आचार्यवराहमिहिरोक्त राजयोगानां परिशीलनम्'** निर्धारित कर संस्तुति दी गयी। साथ ही समिति द्वारा अंतिम शोध प्रारूप Synopsis की भी संस्तुति दी गयी। इस प्रकार शोधार्थी की शोध उपाधि समिति RDC सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गयी है।

- अष्टम दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 दिसम्बर 2023 को जिन पीएच0डी0 अभ्यर्थियों को शोध उपाधि प्रदान कर दी गयी है, उन शोधार्थियों का विवरण निम्नवत् है–

SNO.	Name of the Ph.D. Scholar	Name of the Supervisor	Enrolment/Registration No.	Subject	Ph.D. Awarded Date in E.C.
1-	Rakesh Chandra Gunwant राकेश चन्द्र गुणवन्त	Dr. Devesh Kumar Mishra	12025602	Sanskrit	11-07-2023
2-	Anil Kothari अनिल कोठारी	Dr. Bhanu Prakash Joshi	19201234	Yoga	13-12-2023
3-	Balam Singh Dafauti बालम सिंह दफौटी	Dr. Jeetendra Pande	19199875	Computer Science and Applications	11-07-2023
4-	Kamal Chandra Gahtori कमल चन्द्र गहतोड़ी	Dr. Kalpana Patni Lakhera	20206068	Education	04-11-2023
5-	Rajeev Semwal राजीव सेमवाल	Dr. Akhilesh Singh	19202407	Tourism	13-12-2023

- पीएच0डी0 शोधार्थी तीर्थजनी पांडा, नामांकन संख्या– 19199310 द्वारा शोध शीर्षक "Quality of Healthcare Facilities for Transgender: A Sociological study with special References to Delhi & NCR" पर दिनांक 28 नवम्बर 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा (Pri-Submission) को विभागीय शोध सलाहकार समिति के समक्ष प्रस्तुत किया, समिति द्वारा कुछ आवश्यक संशोधनों के साथ उक्त शोध प्रबन्ध जमा किये जाने की संस्तुति प्रदान की गई।
- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा–2023 में उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों के लिखित परीक्षा का परीक्षा परिणाम दिनांक 21 नवम्बर 2023 को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दिया गया है।

- पीएच0डी0 कोर्स वर्क – 2023 के पाठ्यकार्य CW01, CW02 तथा CW03 की परीक्षाएँ क्रमशः दिनांक 28, 29 तथा 30 नवम्बर 2023 को सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई हैं।

- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, शिक्षाशास्त्र विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री कमल चन्द्र गहतोड़ी, नामांकन संख्या–20206068, ने शोध शीर्षक "**स्वातंत्रयोत्तर भारत में गठित शिक्षा नीतियों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा का समालोचनात्मक अध्ययन**" के अन्तर्गत पीएच0डी0 उपाधि हेतु मौखिक परीक्षा दिनांक 30 सितम्बर 2023 को पूर्वाह्न 10:30 बजे निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा कक्ष संख्या–319 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- पीएच0डी0 शोधार्थी श्री मयूर बगडवाल, नामांकन संख्याः 21241122 एवं श्री कार्तिक डोभाल, नामांकन संख्या 21240873, प्रबन्ध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा, प्रबन्ध अध्ययन विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 04 अगस्त 2023 को पूर्वाहन 11:00 बजे निदेशक प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्याशाखा कक्ष संख्या : 158 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।
- पीएच0डी0 शोधार्थी श्री सुनील कुमार, नामांकन संख्याः 14056636 स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, योग विभाग की शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 25 अगस्त 2023 को पूर्वाहन 11:30 बजे कक्ष संख्याः 301 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।
- पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंध विद्याशाखा, पर्यटन विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री राजीव सेमवाल, नामांकन संख्या–190202407 ने शोध शीर्षक "A Study of Satisfection of Tourist Staying in Rural Homestays in Uttarakhand" के अन्तर्गत विभागीय शोध समिति की विशेष बैठक (Pre-Submission) दिनांक 15 जुलाई 2023 को पूर्वाह्न 11:30 बजे निदेशक, पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंध विद्याशाखा कक्ष संख्या–158 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।
- कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्राद्योगिकी विद्याशाखा, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री बालम सिंह डफोटी, नामांकन संख्या–19199875 ने शोध शीर्षक "Optimization of Learning Management Systemto Improve User Experience & Learner Retention: A case study of Uttarakhand Open University" के अन्तर्गत पीएच0डी0 उपाधि हेतु मौखिक परीक्षा दिनांक 07 जुलाई 2023 को अपराह्न 01:30 बजे निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्राद्योगिकी विद्याशाखा, कक्ष संख्या–141 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- मानविकी विद्याशाखा के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री दीप चन्द्र जोशी, नामांकन संख्या–21240856 ने शोध शीर्षक ''अर्वाचीनसंस्कृतकाव्यपरम्परायाम् उत्तराखण्डस्य कवीनां योगदानम्'' (विंशत्येकविंशतितमशताब्देः सन्दर्भे) के अर्न्तगत शोध उपाधि समिति (RDC) की बैठक दिनांक 20जुलाई 2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, कक्ष संख्या–321 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- पीएच0डी0 पाठ्यकार्य 2022–23 हेतु विभागीय कक्षाओं का संचालन किये जाने से सम्बन्धित सूचना सभी विभागों को प्रेषित कर दी गई है। वर्तमान सत्र के पीएच0डी0 शोधार्थियों हेतु 19 मई 2023 से विषयवार विभागीय कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

- समाज विज्ञान विद्याशाखा, समाज कार्य विभाग के पीएच0डी0 शोधार्थी श्री कार्तिक डोभाल, नामांकन संख्या–21240873 एवं पूजा हैड़िया, नामांकन संख्या–11010000 की शोध सलाहकार समिति (R.A.C.) की बैठक दिनांक 11 अप्रैल 2023 को अपराह्न 2:00 बजे निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा कक्ष संख्या–150 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

- शोध एवं नवाचार निदेशालय द्वारा शोध परिषद की तृतीय बैठक का आयोजन दिनांक 29 अप्रैल 2023 को ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से विश्वविद्यालय कक्ष संख्या–301 में सफलतापूर्वक सम्पन्न करा ली गई है।

3.3 अनुसन्धान, प्रकाशन और पुरस्कार (RESEARCH PUBLICATIONS AND - AWARDS)

कार्यशालाएँ / सेमिनार में प्रतिभाग/ आमन्त्रित व्याख्यान का विवरण
(Details of Workshops/Seminars Attended)

क्रमांक	नाम	विभाग	वर्ष	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला
1.	**डॉ. नन्दन कुमार तिवारी**	**ज्योतिष**	**2023-24**	❖ डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 1 फरवरी 2024 को राष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालय, तिरूपति में ज्योतिष-वास्तु विभाग द्वारा आयोजित **त्रिदिवसीय राष्ट्रिय ज्योतिष सम्मेलन** में **मुख्य वक्ता** के रूप में ऑनलाइन माध्यम से **''ज्योतिषे पर्यावरणविज्ञानं, वृष्टिविज्ञानं च''** विषय पर व्याख्यान दिया गया। ❖ डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 25 फरवरी 2024 को केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, लखनऊ में ज्योतिष विभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय (24-26 फरवरी 2024) **अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन** में **मुख्य वक्ता** के रूप में ऑनलाइन माध्यम से **''दृक्सिद्धपञ्चाङ्गस्य महत्वम्''** विषय पर व्याख्यान दिया गया। ❖ डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा दिनांक 10 अगस्त 2023 को UGC-HRDC Ranchi University, Ranchi द्वारा आयोजित 28 दिवसीय FDP (Faculty Induction Programme) प्रोग्राम में **Resource Person** के रूप में **''ग्रहपिण्डों का भूमण्डल पर प्रभाव''** विषय पर व्याख्यान दिया गया।
2.	**डॉ. प्रवेश सहगल**	**जन्तु विज्ञान**	**2023-24**	1. Attended a workshop 'Quality in Research Proposal for Financial Support' organized by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) Uttarakhand Open University, Haldwani on 23 May 2023. 2. Dr Pravesh Kumar Sehgal, **3rd One Week Online Faculty Development Program on Advanced Research Methodology on Data Analytics**, During June 22-28, 2023, Jointly Organized by Digital Nath Post Graduate College, Gorakhpur, UP, Lucknow and Science Tech Institute, Lucknow 3.Dr. Sahgal delivered lecture Entomology, as a Guest Speaker in RAWA program Under (Plantica -Indian academy of Rural Development (IARD). 4.Participate and Attended the One Week FDP from 04th Oct 2023 to 11th Oct 2023 on

				"Capacity Building Workshop on CO-PO Mapping and Attainment" in Uttarakhand Open University Haldwani. 5.Attended One Week FDP from 04th Oct 2023 to 11th Oct 2023 on "Capacity Building Workshop on CO-PO Mapping and Attainment", organized by Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) of UOU.
3.	**डॉ. मुक्ता जोशी**	**जन्तु विज्ञान**	**2023-24**	डॉ. मुक्ता जोशी द्वारा 8-9 मई 2023 को प्लांटिका इंडियन एकेडमी ऑफ रूरल डेवलपमेंट (आईएआरडी), देहरादून, उत्तराखंड द्वारा स्कूल ऑफ साइंसेज उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी (यूओयू) हलद्वानी, उत्तराखंड के सहयोग से "कृषि व्यवसाय प्रबंधन के साथ मशरूम की खेती" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। 3. 23 मई 2023 को सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा आयोजित 'वित्तीय सहायता के लिए अनुसंधान प्रस्ताव में गुणवत्ता' कार्यशाला में भाग लिया।
4.	**डॉ. अरिवन्द भट्ट**	**गणित विभाग**	**2023-24**	1.Professor Arvind Bhatt Delivered a invited talk entitled "A Review of Fixed Point Theory" as key note speaker in the 6 th International Conference on Mathematical Techniques in Engineering Applications (ICMTEA2023) organized by Graphic Era University, Dehradun, Uttarakhand during December 1-2, 2023.
5.	**डॉ. आशुतोष कुमार भट्ट**	**कम्प्यूटर विज्ञान विभाग**		पेपर प्रस्तुत (ऑनलाइन/वर्चुअल) जिसका शीर्षक है " THE IMPACT OF IMPROVING USER EXPERIENCE ON UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY (UOU) LMS PLATFORM ON LEARNER RETENTION " श्री ईश्वर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर द्वारा आयोजित उन्नत कंप्यूटिंग और संचार प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ट्रांसफर लर्निंग के साथ कैप्सूल न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके वक्षीय विकारों पर चर्चा की गई।
6.	**डॉ. बालम सिंह दफौटी**	**कम्प्यूटर विज्ञान विभाग**	**2023-24**	"**साइबर सुरक्षा: चुनौतियां और उभरते रुझान**" पर एक शोध पत्र "**भारत के सुरक्षा खतरे: 21वीं सदी में एक नई चुनौती**" शीर्षक से 7 और 8 अक्टूबर 2023 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया।
7.	डॉ. नीलिमा बुधानी	**कम्प्यूटर विज्ञान विभाग**	**2023-24**	एआईयू अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सीजी) द्वारा 20-26 सितंबर 2023 के दौरान "उन्नत डेटा विश्लेषण उपकरणों के साथ डेटा संचालित

				अनुसंधान" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया।
8.	**डॉ. मनोज पाण्डे**	पर्यटन विभाग	2023-24	1. Dr. Manoj Pandey Attended FDP Conducted by Central for Internal Quality Assurance on Capacity Building workshop on CO/ PO Mapping and Attainment 2. Dr. Manoj Pandey Attended the conference conducted by Department of Physics on 28the ebruary 2023

प्रकाशन
(Publications)

क्रम संख्या	नाम व पद	विद्याशाखा/ विभाग	प्रकाशन
1.	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मानविकी / ज्योतिष	1. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित शोध पत्र शीर्षक ''**वैदिकवाङ्गये चन्द्रस्योत्पत्तिः स्वरूपं च**'' UGC Care List Journal 'शोध प्रभा' ISSN NO.- 0974-8946, New Delhi में प्रकाशित हुआ। 2. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा लिखित शोध पत्र शीर्षक **'शून्य अंक की मीमांसा'** UGC Care List Journal 'जयन्ती' ISSN NO.- 2248-9495, vol. XX, 2023-24 में प्रकाशित हुआ। 3. Title- **"Vashudhaivakutubkam- in the context of Health"** title Published Research paper in Healthy Society Perspective On impact of COVID Healthy ageing and Healthy Equity Book.
2.	डॉ. गगन सिंह एसोसिएट प्रोफेसर	वाणिज्य	1. डॉ गगन सिंह, प्राध्यापक, वाणिज्य, व डॉ गोपाल दत्त, सहायक प्राध्यापक, व्यावसायिक शिक्षा द्वारा *"NEP 2020 Applicability for Open and Distance Learning (ODL): Opportunities and Challenges", 7247* शीर्षक पर लिखित शोध *Third Concept, Vol. 37, No. 437, July, New Delhi (India), pp. 89-92. (ISSN: 0970-* ***ANVESAK, Vol. 52, No.1 (I) January – June,*** *pp. 152-162.* ***(ISSN: 0378 – 4568)*** में प्रकाशित हुआ। 2. डॉ मनोज पांडे, सहायक प्राध्यापक, पर्यटन, डॉ गगन सिंह, प्राध्यापक, वाणिज्य, व डॉ गोपाल दत्त, सहायक प्राध्यापक, व्यावसायिक शिक्षा द्वारा *"Identifying and Nurturing Tourism Prospects with the Promotion of Cultural Heritage of Uttarakhand",* शीर्षक पर लिखित शोध ***Third Concept, Vol. 37, No. 440, October,*** *New Delhi (India), pp. 71-74.* ***(ISSN: 0970-7247)*** में प्रकाशित हुआ।
3.	डॉ. मंजरी अग्रवाल एसोसिएट प्रोफेसर	प्रबन्धन	1.महाजन प्रिया, अग्रवाल मंजरी (2023). द्वारा "Digital Payments and MSMEs: Assessing Potential and Impact" शीर्षक पर लिखित शोध International Research Journal of Economics and Management Studies, Vol. 2, No. 3, pp. 549-553, 2023.E-ISSN NO. 2853-5238 में प्रकाशित हुआ। 2.महाजन प्रिया, अग्रवाल मंजरी, पाठक सोमेश (2023). द्वारा "Covid-19 and Financial Health of Individuals: A Descriptive Study". शीर्षक पर लिखित शोध International Journal of Financial Management, Vol.13, No.2, pp.28-39, 2023. ISSN NO. 2229-5682, E-ISSN: 2229-5690 में प्रकाशित हुआ।
4.	डॉ. प्रिया महाजन	प्रबन्धन	1.महाजन प्रिया, अग्रवाल मंजरी (2023). द्वारा "Digital Payments and MSMEs: Assessing Potential and Impact" शीर्षक पर लिखित शोध

	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एसी)		International Research Journal of Economics and Management Studies, Vol. 2, No. 3, pp. 549-553, 2023.E-ISSN NO. 2853-5238 में प्रकाशित हुआ | 2.महाजन प्रिया, अग्रवाल मंजरी, पाठक सोमेश (2023). द्वारा "Covid-19 and Financial Health of Individuals: A Descriptive Study". शीर्षक पर लिखित शोध International Journal of Financial Management, Vol.13, No.2, pp.28-39, 2023. ISSN NO. 2229-5682, E-ISSN: 2229-5690 में प्रकाशित हुआ |
5.	डॉ. सुनील कुमार असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वाणिज्य	1. सुनील कुमार (2023). द्वारा "ग्रामीण क्षेत्रों में नकद रहित लेन-देन से संबंधित चुनौतियों का अध्ययन" शीर्षक पर लिखित शोध पत्र INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL www.bohalshodhmanjusha.com Impact Factor: 7.523 Bohal Shodh Manjusha ISSN: 2395- 7115 June 2023 Page No: 152-159 में प्रकाशित हुआ | 2.सुनील कुमार (2023). द्वारा "ग्रामीण क्षेत्रों में नकद रहित लेन-देन के चलन का अध्ययन" शीर्षक पर लिखित शोध पत्र INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL www.bohalshodhmanjusha.com Impact Factor: 7.523 Bohal Shodh Manjusha ISSN: 2395- 7115 July 2023 Page No: 93-99 में प्रकाशित हुआ | 3. सुनील कुमार (2023). द्वारा "कैशलेस लेन-देन प्रणाली और उपभोक्ता व्यवहार का प्रभाव" शीर्षक पर लिखित शोध पत्र Monthly Baraheen ISSN:2395-3640 UGC CARE GROUP 1www.monthlybaraheen.com Vol. 15 Issue No. 176 Aug 2023 में प्रकाशित हुआ।
6.	डॉ. नीरज कुमार जोशी असिस्टेन्ट प्रोफेसर (एसी)	संस्कृत	**1.'भारतीयसंस्कृतौ कर्मकाण्डस्य महत्त्वम्'** विषय पर शोधप्रज्ञा UGC CARE LIST (IAAN -2347-9892) नामक शोधपत्रिका में शोध पत्र का प्रकाशन किया गया।
7.	डॉ. शहपर शरीफ असिस्टेन्ट प्रोफेसर(एसी)	उर्दू	सबक़ ए उर्दू, नवम्बर 2023 में मोहम्मद अफ़ज़ल हुसैन का आलेख (लुग़त ओ फ़रहंग नवेसी मानी और इरतक़ा) प्रकाशित हुआ।
8.	प्रदीप कुमार	संगीत	"गायकी अंग और उस्ताद विलायत खाँ", Swar Sindhu National Pree Reviewed/refereed Journal of music, ISSN 2320-7175, volume 11, Issue 01 January-June-2023
9.	प्रकाश चन्द्र आर्या	संगीत	**1.तबला वादन के परिप्रेक्ष्य में दिल्ली घराने के कायदे एवं उनकी विशेषताएँ** Swar Sindhu: National PeerReviewed/Refereed Journal of Music A UGC CARE listed Journal ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 01, January-June,2023 **2. लखनऊ घराने की गत वादन में भूमिका**

			International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)E-ISSN: 2582-2160 IJFMR23035998 Volume 5, Issue 3, May-June 2023
10.	जगमोहन परगाँई	संगीत	"उत्तराखंड (कुमाऊं क्षेत्र) के जागर गाथा गायन का महत्व एवं उपयोगिता" Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music A UGC CARE listed Journal ISSN 2320–7175 | Volume 11, Issue 02, July-December, 2023
11.	डॉ. प्रवेश कुमार सहगल	जन्तु विज्ञान	1.Behavioural Aspect of *Chrysocoris stolli* Wolf (Heteroptera -Pentatomidae - Scutellerane) :International Journal of Research and Analytical Reviews (IJRAR) © 2023 IJRAR July 2023, Volume 10, Issue 3 www.ijrar.org (E-ISSN 2348-1269, P- ISSN 2349-5138) pp 353-365 .UGC Approved Journal No: 43602- 2. Studies on Some Aspects of *Diaeretiella Rapae* (M, Intosh), A Parasitoid of Mustard Aphid, *Lipaphis Erysimi* Kalt .SC Dhiman Pravesh kumar Sehgal , Rajkumar Singh. Journal of Advanced Zoology 44 (S-5 -2023), 1-5
12.	डॉ. श्याम सिहं कुंजवाल	जन्तु विज्ञान विभाग	**1.Shyam S. Kunjwal** **"**Studies on Tropical Mulberry Varieties (L Series) of Regional Sericulture Research Station, Sahaspur, Dehradun, Uttarakhand", CURRENT RESEARCH ON ZOOLOGY AND ENTOMOLOGY SCIENCES, Volume – 2, pp 47-75, Edition: 1st, Publication Year: 2023. Paperback ISBN: 978-93-90833-01-6. **2. Shyam S. Kunjwal,** Pesticide Pollution and Its Effects on Environment and Human Health: A Review, Uttar Pradesh Journal of Zoology,Volume 44, Issue 4, Page 33-39, 2023; Article no.UPJOZ.1528,ISSN: 0256-971X (P).
13.	डॉ. अरविन्द भट्ट	गणित विभाग	1.Scientific Research (BHU), 67(4)2023, 58-61, ISSN: 0447-9483. DOI: http://dx.doi.org/10.37398/JSR.2023.670410 2.Radha, A.Bhatt and D.K.Sharma, "Study of Extended $\emptyset -$ Contraction Mapping in Probabilistic Metric Space" Stochastic Modelling and Computational Sciences, 3(1)June, 2023, 231-236. ISSN: 2752-3829, DOI: https://zenodo.org/records/13447347. 3. A.Naudiyal and A.Bhatt, "Comparative Study of Composition Operator and Sum of Two Composition Operators on the Banach Space" International Journal of Research and Analytical Reviews(IJRAR), 11(1) Jan 2024, 182-187. ISSN: 2348-1269,DOI : http://ijrar.org/viewfull.php?&p_id=IJRAR24A1420.

			4.A.Bhatt and Radha, “Extended ∅ − Contraction Mapping and Study of Periodic Point in Symmetric Spaces”, International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR), 6(1) Jan-Feb 2024, E-ISSN: 2582-2160, IJFMR 240122509. DOI: https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i01.22509 5. A.Bhatt and Radha, “Study of Fixed point and Periodic Point Theorems in Symmetric Spaces”, International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR), 6(1) Jan-Feb 2024, E-ISSN: 2582-2160. IJFMR 240124010, DOI:https://doi.org/10.36948/ijfmr.2024.v06i01.24010.
14.	डॉ. रंजू जोशी पाण्डेय	भूगोल विभाग	डा० रंजू जोशी पाण्डेय द्वारा “ Remote sensing and GIS technical approach in watershed shed delineation” नामक शोध पत्र प्रकाशित किया गया
15.	धीरज पन्त	भूगोल विभाग	कुमार, आर., तिवारी, पी.सी., नंद, के., क्वीरा, एम. और पंत, डी. (2023) द्वारा शीर्षक “रामगढ़ ब्लॉक, नैनीताल के पहाड़ी क्षेत्रों में तापमान और वर्षा की स्थिति का विश्लेषण” नामक एक शोध पत्र का प्रकाशन रिसर्च रिव्यू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी जर्नल में किया गया 08 (10): पृष्ठ 40-50। पंत धीरज 1, तिवारी पी.सी. 1 और केवला नंद 2 (2024) द्वारा शीर्षक “विकास खंड बेतालघाट, कुमाऊँ लघु हिमालय में सामुदायिक स्वास्थ्य स्थिति का भौगोलिक अध्ययन”। नामक एक शोध पत्र का प्रकाशन इंटर नेशनल रिसर्च जर्नल आफ ह्यूमनीटिज एंड इंटर डीसीप्लिनरि स्टडीज जर्नल में किया गया
16	डॉ. बालम सिंह दफौटी	कम्प्यूटर विज्ञान	"भारत में ग्रामीण पर्यटन को पुनर्जीवित करना: एआई एकीकरण के लिए एक व्यापक रूपरेखा" शीर्षक से शोध पत्र अटलांटिस प्रेस (अब स्प्रिंगर नेचर का हिस्सा) में प्रकाशित हुआ है, जिसे इस लिंक पर देखा जा सकता है: https://doi.org/10.2991/978-94-6463-437-2_17। "परिवर्तनकारी पर्यटन अनुभवों में उन्नत सेवा विपणन के लिए एआई-संचालित वैयक्तिकरण और भावनात्मक खुफिया एकीकरण" शीर्षक से शोध पत्र आईईईई में प्रकाशित हुआ है (संचार, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (IC3SE)), ISBN: 979-8-3503-6684-6/24, ©2024 IEEE। इस शोध पत्र को यहां देखा जा सकता है: DOI: 10.1109/IC3SE62002.2024.10592909।
17.	डॉ. आशुतोष भट्ट	कम्प्यूटर विज्ञान	पंत एच, लोहानी एम सी, भट्ट ए के, " X-ray imaging analysis for early diagnosis of thoracic disorders using capsule neural network: a deep learning approach ", "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एंड

			इंजीनियरिंग एक्सप्लोरेशन", जुलाई 2023 में प्रकाशित, खंड-10, अंक-104, स्कोपस इंडेक्स्ड, आईएसएसएन(पी): 2394-5443 आईएसएसएन(ओ):2394-7454।
18.	डॉ. नीलिमा बुधानी	कम्प्यूटर विज्ञान	"International Journal of Computer Information Systems and Industrial Management Applications", Scopus Indexed, ISSN 2150-7988 में संचारित शोध पत्र, जिसका शीर्षक है- "Prediction of Stock Price Index of Nifty Fifty India Using Artificial Neural Network".
19.	डॉ. शिल्पा गुणवन्त	कम्प्यूटर विज्ञान	1."करियर चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले प्रभावशाली कारकों का विश्लेषण" शीर्षक से प्रकाशित पेपर - शिल्पा गुणवंत, जीतेंद्र पांडे, राज किशोर बिष्ट - IJFMR खंड 5, अंक 4, जुलाई-अगस्त 2023। DOI 10.36948/ijfmr.2023.v05i04.6410. 2. जर्नल ऑफ़ करेंट रिसर्च एंड इंजीनियरिंग साइंस में "कैरियर मार्गदर्शन विशेषज्ञ प्रणाली का विकास" शीर्षक से वॉल्यूम- 6, अंक-2, अगस्त 2023 में पेपर प्रकाशित किया।
20.	डॉ. देबकी सिरोला	शिक्षाशास्त्र विभाग	"International Journal For Multidisciplinary Research"-Topic-"भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा निति -2020 ''Impact Factor-9.24, E-ISSN:2582-2160, Published In: Volume 6, Issue 2 (March-April2024) Paper Id:15952

3.4 विस्तार गतिविधियाँ और संस्थात्मक सामाजिक उत्तरदायित्व (Extention Activities and Institutional Social Responsibility)

❖ **ग्रामों को गोद लिया जाना (Village Adoption)**

यूओयू के गोद लिए गांव बसानी में निर्धन बच्चों को बांटी पठन-पाठन सामग्री

विश्वविद्यालय के गोद लिए गये दूरस्थ्य गांव बसानी में रविवार 14 मई 2023 को दिव्यांग कल्याण समिति हल्द्वानी व सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी के सहयोग से निर्धन बच्चों को निःशुल्क कॉपियां व पठन-पाठन सामग्री का वितरण किया। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यूओयू के नोडल अधिकारी राजेन्द्र सिंह क्वीरा, दिव्यांग कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती धनी नेगी, ममता जोशी, शेखर भट्ट, पंकज

पाण्डेय व सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य वनिता क्वीरा ने बसानी, नाईसेला क्षेत्र के लगभग 80 बच्चों को कॉपियों व पठन-पाठन सामग्री वितरित की।

उन्होंने कहा कि आगे भी निर्धन बच्चों को यथाचित सहायता प्रदान की जायेगी, ताकि किसी बच्चें की पढ़ाई बाधित न हो सके। इससे पूर्व भी समिति द्वारा क्षेत्र में निर्धन लोगों को कम्बल वितरित किये। इस अवसर पर बसानी गांव की प्रधान सहित अनेक अभिभावक भी मौजूद थे।

4. अधिसंरचना और अधिगम संसाधन

(Infrastructure and Learning Resources)

उत्तराखण्ड प्रदेश में शैक्षिक जगत के लिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस विश्वविद्यालय ने अल्प समय में ही यहाँ के दूरस्थ, ग्रामीण एवं दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को भी शिक्षा से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। परम्परागत शिक्षा प्रणाली की अपनी सीमाएं होती हैं। सीमित सीटों, सीमित संसाधनों की वजह से वे सभी के लिए सुलभ नहीं हो पाती। परम्परागत शिक्षा प्रणाली केन्द्रीयता के सिद्धान्त पर चलने वाली व्यवस्था है, जिसमें एक केन्द्र की क्रियाशीलता होती है। मुक्त विश्वविद्यालयी प्रणाली में ''शिक्षा आपके लिए तथा शिक्षा आपके द्वार'' जैसी अवधारणा होती है। यही कारण है कि शिक्षा की मुख्यधारा से वंचित लोग भी इस प्रणाली में मुख्यधारा के अंग बन जाते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की इसी अवधारणा के क्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना हुई है।

विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

4.1 भौतिक अधिसंरचना (Physical Infrastructure)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित है। हल्द्वानी को उत्तराखण्ड का प्रवेश द्वार कहा जाता है, क्योंकि इसके पश्चात् राज्य की पर्वत श्रृंखलायें शुरू हो जाती है। यहाँ उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एक तरह से शिक्षा का द्वार भी बन जाता है, क्योंकि इसी के माध्यम से सम्पूर्ण राज्य में शिक्षा का 'सार्वजनीन प्रसरण' सम्भव हो पा रहा है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपनी प्राथमिक भूमिका को समझ कर राज्य के

शिक्षार्थियों-बुद्धजीवियों के लिए नये-नये पाठ्यक्रम का संचालन व अकादमकि गतविधियों में उनकी सक्रयि भागीदारी कर अपना महत्वपूर्ण सांस्कृतिक योगदान दिया है। किसी भी संस्था के कार्य का प्राथमिक आधार उसके ढाँचे और अधिसंरचनाएं होती हैं। मूलभूत ढाँचा और अधिसंरचना संस्था के कार्यों के सुचारू रूप से सम्पन्नता/संचालन में अपना विशेष योगदान देते हैं। इन्हीं के माध्यम से विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ अपना सजीव आकार ग्रहण कर पाती हैं। भौतिक अधिसंरचना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के भवन, परिसर, मूलभूत सुविधा, तकनीकी सुविधा एवं अन्य क्षेत्र आते हैं। एक प्रकार से अधिसंरचना एवं मानवीय संसाधन क्षमतायें संस्था के शरीर की भॉति होते हैं, जिसमें सभी गतिविधियाँ संचालित होती हैं।

4.2 मुख्य भवन (Main Building)

विश्वविद्यालय भवन का शिलान्यास तत्कालीन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल डॉ. मार्ग्रेट अल्वा, मुख्यमन्त्री डॉ.रमेश पोखरीयाल 'निशंक' द्वारा अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के भवन का उद्धाटन माननीय राज्यपाल श्री अजीज कुरैशी जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

विश्वविद्यालय का मुख्य भवन

विश्वविद्यालय का भवन शैक्षिक, प्रशासनिक एवं तकनीकी परिसरों का संयुक्त समवाय है। इसका एक भवन जहाँ अकादमिक सदस्यों के लिए निर्मित है, वही दूसरा भवन प्रशासन के कार्यों के क्रियान्वयन के लिए है। भवन का एक हिस्सा कम्प्यूटर लैब के रूप में विकसित है। शैक्षणिक भवन के भीतर विश्वविद्यालय के 13 विद्याशाखाओं के शिक्षकों के बैठने के लिए स्वतन्त्र कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे वे अपने विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर सकें। शैक्षणिक भवन का विभाजन विद्याशाखाओं के अनुसार किया गया है। एक विद्याशाखा के भीतर विभिन्न विभाग हैं, जो आन्तरिक विषय-वस्तु की दृष्टि से जुड़े हुए हैं। कक्षों का विभाजन भी वैज्ञानिक पद्धति पर किया गया है। मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइन्स, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, पत्रकारिता जैसी विद्याशाखाओं के लिए स्वतन्त्र स्थान एवं कक्ष निर्मित किये गए हैं।

4.3 प्रशासनिक भवन: (Administrative Building)

प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियों के संचालन को व्यावहारिक धरातल पर क्रियाशील करने का केन्द्र होता है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय प्रमुख रूप से निर्मित है। कुलपति कार्यालय सम्पूर्ण विश्वविद्यालयी गतिविधियों, चाहें वह अकादमिक हो या प्रशासनिक का केन्द्र है। कुलसचिव कार्यालय सम्पूर्ण प्रशासन–कार्यों का नियन्त्रण करता है।

प्रशासनिक भवन

विश्वविद्यालय प्रशासन का तीसरा घटक वित्त नियन्त्रक कार्यालय है। वित्त–नियन्त्रक विश्वविद्यालय के समस्त आर्थिकी का केन्द्रभूत अधिकारी है। इस प्रकार कुलपति, कुलसचिव एवं वित्त कार्यालय आस-पास हैं, जिससे कार्य-संचालन में सुविधा हो।

विश्वविद्यालय भवन में कुछ अन्य अधिकारियों के कार्यालय भी हैं जिसमें मुख्य रूप से जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक कुलसचिव, लोक सूचना अधिकारी हैं।

4.4. पुस्तकालय: एक अधिगम संसाधन के रूप में (Library: As a Learning Resource)

विश्वविद्यालय ज्ञान की एक बौद्धिक इकाई है। यह ज्ञान का ऐसा केन्द्र है, जो सम्पूर्ण समाज व संस्कृति को प्रभावित करता है। यह केवल ज्ञान का वितरण ही नहीं करता बल्कि उसका निर्माण भी करता है। ज्ञान-विज्ञान की इस प्रक्रिया में संवादात्मकता अनिवार्य है। संवाद की यह प्रक्रिया अध्यापक और छात्र के मध्य भी चलती है तथा पुस्तक और छात्र के मध्य भी। पुस्तक ज्ञान के संयोजित रूप होते हैं, इसीलिए हर वर्ग के व्यक्तियों के लिए यह हमेशा प्रासंगिक बनी रहती है। किसी भी उन्नत समाज की एक प्रमुख पहचान यह होती है कि उस समाज के पास श्रेष्ठ ग्रन्थ, पुस्तकें कितनी हैं? समृद्ध समाज, समृद्ध पुस्तकों का ऋणी होता है। प्राचीन समय में भी नालन्दा, तक्षशिला के ग्रन्थालय भारतीय ज्ञानात्मक चेतना के उत्कर्ष के प्रतीक थें। आज भी ग्रन्थालय किसी भी स्थान समाज और

विश्वविद्यालय के ज्ञान–केंद्र बने हुए हैं। ग्रन्थालय विश्वविद्यालय के ज्ञान केन्द्र होते हैं, जो विद्यार्थी व शिक्षक को निरन्तर ज्ञानात्कम ऊर्जा से संचालित करते हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पास समृद्ध पुस्तकालय है। इस पुस्तकालय में 26594 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो मानविकी, समाज विज्ञान, विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, योग–आयुर्वेद, ज्योतिष, परम्परागत धर्मशास्त्र, विधि से लेकर लोक आधुनिक विषयों को भी समेटे हुए हैं। विश्वविद्यालय ग्रन्थालय विभाग इस बात के लिए दृढ़प्रतिज्ञ है कि ग्रन्थालय में किसी भी विषय की महत्वपूर्ण अध्ययन पुस्तकें उपलब्ध हों, इसीलिए समय-समय पर सम्बन्धित विषयों के प्राध्यापक नवीन पुस्तकों की सूची पुस्तकालय विभाग को देते रहते हैं।

ग्रन्थालय में पुस्तकों के साथ शैक्षणिक विडियों/ऑडियो भी संग्रहीत हैं, जिसका लाभ प्राध्यापक एवं छात्र उठाते रहते हैं। इसके अतिरिक्त प्रमुख जर्नल, पत्रिकाएं एवं समाचार पत्रों की सुविधाएं भी हैं, जो ग्रन्थालय को बहुविध ज्ञान–विज्ञान से सम्पन्न करती हैं। विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय विभाग छात्रहित केन्द्रित रहा है, इसलिए उसने छात्र–हित को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं दी हैं, फिर वह चाहें छात्रों को पुस्तकों के आदान-प्रदान की सुविधा हो या इन्टरनेट सुविधा, फोटोकॉपी कराने की सुविधा हो या स्कैन कराने की सुविधा।

विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त है। ग्रन्थालय में सारी पुस्तकों की प्रविष्टि ई–माध्यम से की जा रही है जिससे अपनी दक्षता एवं तकनीकी सुविधाओं के उचित उपयोग से छात्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध पुस्तकों को सहजता से ही प्राप्त कर सकते हैं।

पुस्तकालय विभाग की सक्रियता एवं कुशलता को समय–समय पर विभिन्न संगठनों ने सराहा है। NCTE, VGC, DEC एवं RC के सदस्यों के निरीक्षण समय-समय पर यहाँ होते रहें हैं। ग्रन्थालय के प्रभारी डॉ0 जटाशंकर तिवारी के साथ ही राकेश पंत एवं श्रीमती मीनू गुप्ता की सक्रियता ने पुस्तकालय को छात्र हित के सर्वथा अनुकूल बना दिया है। इस प्रकार विश्वविद्यालय का ग्रन्थालय आधुनिक सुविधाओं के साथ ही मानवीय दृष्टि से भी सहयोगी है। ग्रन्थालय से लगा इसका वाचनालय शांतिपूर्ण कक्ष है, जिसमें छात्र पुस्तकालय का उचित लाभ उठाते रहे हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय अपनी अकादमिक गतिविधियों के लिए उत्तराखण्ड में विशेष प्रसरित रहा है। इसकी अकादमिक गतिविधियाँ स्वत: र्स्फूत हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय में आए दिन विभिन्न साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालय में विभिन्न महापुरूषों की जयन्तियाँ मनाने का प्रचलन रहा है, जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की कार्यसूची में भी है।

4.5. पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग (एम.पी.डी.डी.)

मुक्त विश्वविद्यालयीय परम्परा में पाठ्यसामग्री का अत्यन्त महत्वपूर्ण योगदान है। दूसरे शब्दों में कहा जाय तो पाठ्यसामग्री मुक्त शिक्षण व्यवस्था में सर्वमूलाधार है। इस प्रणाली में छात्र प्रत्यक्ष नहीं होता, इसलिए यहाँ के अध्यापकों के लिए एक विशेष दायित्व बन जाता है कि उन्हें छात्रों को अप्रत्यक्ष रूप से उसका विषय बोध करायें।इस कड़ी में अध्यापक अपनी पाठ्यसामग्री से ही छात्रों से जुड़ता है। पाठ्यसामग्री मुद्रणोपरान्त एम.पी.डी.डी. प्रभाग द्वारा छात्रों को वितरित की जाती है। इस प्रकार पाठ्यसामग्री उत्पादन एवं वितरण प्रभाग विश्वविद्यालय का एक महत्वपूर्ण प्रभाग है। यह प्रभाग छात्रों तक पाठ्यसामग्री वितरण के प्रति उत्तरदायी है। यह प्रभाग सुनिश्चित करता है कि पाठ्यसामग्री छात्रों को समय पर प्राप्त हो सके।

एम.पी.डी.डी. का नवनिर्मित भवन

यह प्रभाग छात्रों के हित में, वर्ष 2023-24 से अधिकांश विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री सीधे उनके अध्ययन केन्द्रों पर प्रेषित कर रहा है। एम0पी0डी0डी0 अनुभाग द्वारा विद्यार्थियों को तीन प्रकार से पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराई जा रही है-

1. विद्यार्थियों को उनके अध्ययन केन्द्रों तक सीधे पहुँचाकर।
2. क्षेत्रीयों केन्द्रों तक पहुँचाकर।
3. विद्यार्थियों को सीधे उनके पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से।
4. कूरियर सेवा के द्वारा।

इस वर्ष से विश्वविद्यालय का एम.पी.डी.डी. अनुभाग का यह प्रयास रहा है कि विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री और अधिक सहजता से प्राप्त हो सके। इसके लिए यह अनुभाग निरन्तर नवीन योजनाओं के साथ कार्य कर रहा है। वर्ष 2023-24 में यह अनुभाग अपनी कार्यकुशलता के साथ नवीन परिवर्तन करते हुए शीघ्रता से विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन सामग्री प्रेषित कर चुका है। इस प्रकार यह प्रभाग विद्यार्थियों को उनका पाठ्यसामग्री वितरण हेतु कटिबद्ध है।

4.6. सूचना प्रौद्योगिकी अधिसंरचना (Information Technology Infrastructure)

- **सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (I.C.T.)**

वर्ष 2010 में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय के पास वर्तमान में विश्वविद्यालय के आई.सी.टी. विभाग का अपना स्वयं का वैब सर्वर, एप्लिकेशन सर्वर और डेटाबेस सर्वर है। विश्वविद्यालय के पास सम्प्रति 12TB NAS की सम्पूर्ण बैकअप धारिता क्षमता है, और विश्वविद्यालय 1GBPS NKN नेटवर्क पाइप से जुड़ा है तथा 4MBPS नेटवर्क पाइप के बैकअप की व्यवस्था है।

आइ.सी.टी अनुभाग में कार्यरत तकनीकी विशेषज्ञ

आई.सी.टी. विभाग मूलत: सूचना प्रोद्यौगिकी के सम्बन्ध में योजना निर्माण के साथ सूचना, तकनीकी निर्माण, हार्डवेयर प्रबंधन, आई.टी. सम्भरण एवं सहायता, अधिप्राप्ति, आभासी शिक्षा, कम्यूनिटी रेडियो आदि कार्यों का सम्पादन करता है और सॉफ्टवेयर विकास, पोर्टल विकास, प्रयोज्यता सम्भरण, डाटा केन्द्र प्रबन्धन, नेटवर्क प्रबन्धन, आई.टी. सेवाएं तथा सहयोग एवं सभी प्रकार के सम्प्रेषण के कार्यों का निर्वहन करता है। विश्वविद्यालय में इसके द्वारा स्टूडेण्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम का निर्माण किया गया है, जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन प्रवेश/ परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया, इन्ट्रानेट में प्रार्थना पत्र के अलावा एम.पी.डी.डी., प्रवेश फॉर्म, परीक्षा/ अंकपत्र, वित्त एप आदि की सुविधा भी उपलब्ध है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा वैब पोर्टल बनाया गया है और छात्रों के लिए शिकायती टिकट प्रणाली भी निर्मित की गयी है।

वन-व्यू एप्लीकेशन द्वारा छात्रों को उनकी प्रोफाइल, शुल्क, परीक्षा आदि की समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा विकसित ई-ग्रन्थालय भी विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए इन्ट्रानेट पोर्टल कार्यरत है और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। आई.सी.टी. विभाग द्वारा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, परीक्षाफल, हार्डवेयर एवं प्रयोज्यता से संबंधित आई.सी.टी. सहायता दी जाती है।

आई.सी.टी. विभाग द्वारा शिक्षण केन्द्रों के लिए भी प्रवेश फॉर्म, पुस्तक वितरण फॉर्म, परीक्षा फॉर्म, ऑनलाइन शुल्क भुगतान, परीक्षाफल तथा सम्बन्धित सूचनायें प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय में आई.सी.टी. विभाग द्वारा छात्रों के लिए एक किओस्क भी स्थापित किया गया है, और ऑनलाइन लर्निगं भी शुरू की गयी है। वर्तमान में विश्वविद्यालय परिसर Wi-Fi से सुसज्जित है, और सुरक्षा की दृष्टि से परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसने विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज़ (MOOC) की सुविधा दी है।

4.7. मानव संसाधन (Human Resources)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय श्रेयताओं के सर्वांगीण विकास के लिए उच्च भौतिक एवं मानवीय संसाधनों से युक्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में जहाँ एक ओर उच्च तकनीकी सुविधायें उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर अपने-अपने विषय में विशेषज्ञ प्राध्यापक एवं कर्मचारी भी हैं। विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए श्रेष्ठ मानवीय क्षमताओं की उत्पादकता निर्मित करना है। इसलिए विश्वविद्यालय भौतिक, तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों की 'एकसूत्रता की अंतर्क्रिया' पर विशेष बल देता है। अर्थात् एक ओर तो इसमें

भौतिक ढाँचा, कार्यदशायें हैं, दूसरी ओर उन कार्यदशाओं को प्रसारित करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता है, तो तीसरी ओर कार्यदशा को व्यावहारिक रूप देने के लिए श्रेष्ठ मानवीय संसाधन यानी शिक्षा और कौशल का संयुक्त समवाय देखने को मिलता है। यहाँ का हर सदस्य अपने विषय की दक्षता के साथ ही यन्त्र एवं तकनीकी कौशल से युक्त है। आज का युग तकनीकी कौशल का युग है। आज हमारे पास ज्ञान का पुस्तकीय रूप ही पर्याप्त नहीं रह गया है। तेजी से बदल रहे विश्व में घटित हो रही हर महत्वपूर्ण घटना दूसरे समाज (देश) को प्रभावित कर लेती हैं। ऐसी स्थिति में यह युग की आवश्यकता है कि हम तकनीकी रूप से सक्षम बनें और सूचना युग में अपने लिए तथा अपने समाज के लिए ज्ञान का सृजन करें। इसलिए आज के युग में ज्ञान और कौशल दोनों महत्वपूर्ण हो उठे हैं। ज्ञान को प्रसारित होने के लिए कौशल चाहिए तथा कौशल को ज्ञान का स्त्रोत चाहिए। इसीलिए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने तकनीकी कार्य कुशल प्राध्यापक एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की हैं।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में नियमित और अस्थायी शिक्षकों की श्रेष्ठ टीम है। यह देश के प्रारम्भिक विश्वविद्यालयों में से है, जहाँ शिक्षकों की चयन प्रक्रिया को लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार के माध्यम से सम्पन्न किया जाता है।

एक ओर हम छात्रों के लिए उच्चस्तरीय पाठ्यपुस्तकें निर्मित करते हैं तो दूसरी ओर उनके ज्ञानात्मक उत्कर्ष के लिए वीडियो लेक्चर, रेडियो व्याख्यान, टैली कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से अध्यापन, कार्यशाला, परामर्श सत्रों का आयोजन एवं संगोष्ठी का आयोजन करते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षण तन्त्र लचीलेपन, लोकतान्त्रिक एवं पारदक्रिया से संचालित होता है। प्राध्यापक सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन करते समय विशेष सुझावात्मक टिप्पणियाँ करते हैं, जिससे छात्र परीक्षा के पूर्व ही अपनी कमियों में सुधार कर लेते हैं। इसी प्रकार परामर्श सत्र में छात्रों की जिज्ञासाओं का रचनात्मक तरीके / पद्धति से शमन किया जाता है। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में समय-समय पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें सम्बन्धित विषय के विशेषज्ञ विद्धानों को आमन्त्रित किया जाता है जिससे छात्र लाभान्वित हो सकें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी तीन प्रक्रियाओं के तहत नियुक्त किए जाते हैं। कर्मचारियों का बड़ा वर्ग 'उपनल' सरकारी संस्था के तहत नियुक्त है। दूसरा वर्ग आउटसोर्सिंग एजेन्सियों के तहत नियुक्त है तथा तीसरा वर्ग दैनिक भत्ते वाले कर्मचारी हैं।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक तथा प्रशासनिक पदों का सृजन उत्तराखण्ड सरकार द्वारा किया जाता है। इन पदों पर नियुक्तियाँ उत्तराखण्ड सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित सेवा शर्तों पर की जाती है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षा परिषद् (डेब) के मानकों के अनुरूप कुछ वरिष्ठ परामर्शदाताओं की नियुक्ति भी विश्वविद्यालय करता रहा है। इन शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों की सम्यक व्यवस्था में सहयोग के लिए तकनीकी कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारिंयों की नियुक्ति की गई है।

आदर्श अध्ययन केन्द्र 16000

5. शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

(Student Support Services)

किसी भी शिक्षण संस्था या विश्वविद्यालय के दो मुख्य घटक होते हैं – छात्र और प्राध्यापक। एक शिक्षा का ग्रहीता है तो दूसरा उसका प्रदाता। छात्र और अध्यापक के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान वैसे तो प्रत्यक्ष रूप में होता है, किन्तु उसकी प्रक्रिया के निष्पादन में विश्वविद्यालय के अन्य तत्व भी सहायक के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। परम्परागत विश्वविद्यालय में गुरू और छात्र के बीच ज्ञान ग्रहण की प्रक्रिया प्रत्यक्ष होती है, किन्तु दूरस्थ व मुक्त शिक्षा पद्धति में अध्यापक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष संवाद प्राय: नहीं होता। इसलिए यहाँ विद्यार्थी सहायता सेवाओं की लम्बी प्रक्रिया क्रियाशील होती है, जिसमें विश्वविद्यालय में छात्र के प्रवेश से लेकर उसके प्लेसमेन्ट और पुराछात्र समुदाय तक की प्रक्रिया चलती है। किसी भी शिक्षण तन्त्र के लिए छात्र केन्द्रीय घटक होता है। इस प्रकार विद्यार्थी सहायता सेवा का तात्पर्य उस पूरी प्रक्रिया से है, जो किसी भी शिक्षण संस्था में छात्रों के ज्ञानार्जन व सीखने की प्रक्रिया को समुन्नत व सुगठित रूप प्रदान करने के लिए कोई शिक्षण संस्था अपनाती है।

शिक्षण सहायता सेवाएँ के अन्तर्गत प्रवेश, पाठ्य-सामग्री, परामर्श सत्र, पुस्तकालय, परीक्षा, दीक्षान्त, प्लेसमेन्ट एवं पुराछात्र आदि शिक्षार्थी केन्द्रित व्यवस्था सन्निहित होती है। इस पूरी प्रक्रिया को इस चित्र/आरेख के माध्यम समझा जा सकता है -

शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ

• अकादमिक सत्र

सामान्यतः विश्वविद्यालय का सत्र जुलाई से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष जून तक चलता है। इस पाठ्यक्रम वार्षिक परीक्षा प्रणाली या सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली पर आधारित हैं। सेमेस्टर प्रणाली में सेमेस्टर की अवधि छः माह है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष में एक बार प्रवेश दिया जा रहा है।

1. ग्रीष्म कालीन सत्र - (प्रवेश 1 जुलाई से प्रारम्भ)

• प्रवेश की अंतिम तिथि -

प्रवेश	सत्र
	ग्रीष्मकालीन
आरम्भ की तिथि	01 जुलाई
अंतिम तिथि	31 अगस्त
विलम्ब शल्क रू.250/- के साथ	15 सितम्बर
विलम्ब शल्क रू.500/- के साथ	30 सितम्बर

• ऑनलाइन प्रवेश -

सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा उपलब्ध है। ऑनलाईन प्रक्रिया में शुल्क का भुगतान पेमेंट गेटवे (डेबिड कार्ड/क्रेडिड कार्ड अथवा नेट बैकिंग) के माध्यम से किया जाता है।

प्रथम वर्ष/प्रथम समेस्टर में प्रवेश हेतु विद्यार्थी अपने आवेदन पत्र तथा संलग्नकों को अनिर्वाय रूप से अध्ययन केन्द्र में जाकर सत्यापित कराते हैं। इन विद्यार्थियों को अग्रिम वर्ष में प्रवेश लेते समय अपने अभिलेखों को सत्यापित करवाने की आवश्यकता नही होती और वे सीधे ऑनलाइन प्रवेश प्राप्त करते हैं।

अगर कोई विद्यार्थी विश्वविद्यालय में पूर्व से ही नामांकित है तथा नये पाठ्यक्रम में ऑनलाइन प्रवेश लेना चाहता है, तो उस विद्यार्थी को अपने फार्म तथा संलग्नकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाना होता है।

• नामांकन/ पहचान पत्र

शिक्षार्थी सहायता सेवा का प्रथम चरण छात्र द्वारा विश्वविद्यालय में प्रवेश है। विश्वविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी का नामांकन किया जाता है और उसे एक नामांकन संख्या का आवंटन एक ही बार होता है, जिसका उल्लेख अंक तालिका, प्रमाण पत्र एवं उपाधि पत्र में किया जाता है।

विश्वविद्यालय में छात्रों को पहचान पत्र उपलब्ध कराने की व्यवस्था है। छात्र द्वारा पहचान पत्र पर प्रविष्टियाँ अंकन तथा नवीनतम फोटोग्राफ चिपका कर सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र निदेशक से हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य होता है। पहचान पत्र शिक्षार्थी के विश्वविद्यालय में छात्र होने का प्रमाण होता है।

• पुनर्प्रवेश एवं पार्श्व प्रविष्टि

यदि कोई विद्यार्थी अपरिहार्य कारणों से पाठ्यक्रम के मध्य में ही अध्ययन छोड़ देता है और बाद में पुन: प्रवेश लेना चाहता है, तो ऐसे विद्यार्थी को इस प्रतिबन्ध के साथ पुन: प्रवेश प्रदान किया जा सकता है कि ऐसे विद्यार्थी द्वारा उसके सम्बन्धित पाठ्यक्रम में प्रथम प्रवेश की अवधि से निर्धारित अधिकतम अवधि के अन्तर्गत ही पाठ्यक्रम पूर्ण किया जाना होगा।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पार्श्व प्रविष्टि (Lateral Entry) की भी व्यवस्था की है। पार्श्व प्रविष्टि के आधार पर प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थियों के प्रकरणों में उनके पूर्व संस्थानों के

प्राप्तांको को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रतिशतांक में परिवर्तित किया जाता है, जिससे कुल प्रतिशत के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उपाधि का निर्धारण किया जा सके।

- **प्रवेश पद्धति -**

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन पद्धति से प्रवेश लेने की व्यवस्था की गई है। जिन कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश होता है वहाँ राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण के नियम लागू होते हैं, किन्तु जिन कार्यक्रमों में सीधे प्रवेश की व्यवस्था है, वहाँ सभी वर्गों के अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में केवल वे अभ्यर्थी ही प्रवेश के पात्र हैं जो विद्या परिषद द्वारा निर्धारित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा तथा अन्य मापदण्डों को पूरा करते हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र अथवा विश्वविद्यालय से निर्धारित शुल्क का भुगतान कर प्राप्त किये जा सकते हैं। अभ्यर्थी का प्रवेश उसी अध्ययन केंद्र में माना जाएगा, जहाँ उसने पूरित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हो अथवा पंजीकरण कराया हो । विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए वही आवेदन पत्र स्वीकार्य हैं, जिनके साथ विद्यार्थी द्वारा स्वप्रमाणित एवं सम्बन्धित अध्ययन केन्द्र द्वारा सत्यापित अभिलेख/प्रमाण पत्र संलग्न हों। विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु मात्र उन्हीं स्कूल बोर्डों/ विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र एवं उपाधियाँ मान्य है जिन उपाधियों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी ऐजुकेशन/विद्यालयी शिक्षा परिषद उत्तराखण्ड/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समकक्षता/ मान्यता प्रदान की गयी हो।

- **पाठ्यसामग्री (Learning Material)**

दूरस्थ एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली में मुद्रित अध्ययन सामग्री का महत्वपूर्ण स्थान है। विश्वविद्यालय की अध्ययन सामग्री छात्रों की रूचि, उनके मानसिक स्तर तथा ज्ञान के उच्चस्तरीय क्रियारूपों की सापेक्षता में निर्मित की जाती है। विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रवेश एवं नामाकंन के पश्चात् अध्ययन सामग्री छात्रों को दे दी जाती है। अध्ययन सामग्री का वितरण विश्वविद्यालय के मुख्यालय से भी होता है तथा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र से भी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के 8 क्षेत्रीय केंद्र हल्द्वानी, रानीखेत, बागेश्वर, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, पौड़ी, रूड़की एवं देहरादून में स्थित हैं। इन क्षेत्रीय केन्द्रों का संचालन इसके अन्तर्गत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से होता है। विद्यार्थी का नामांकन किसी अध्ययन केन्द्र पर होता है, और इस तरह वह क्षेत्रीय केंद्र तथा विश्वविद्यालय का एक भाग बनता है। विश्वविद्यालय छात्रों के लिए अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केंद्रो तथा अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय छात्र हित को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त लचीलेपन की पद्धति का अनुसरण करता है।

- **परामर्श (Counselling)**

मुक्त विश्वविद्यालय की भिन्न शिक्षण-पद्धति के कारण परामर्श प्रक्रिया इसकी मुख्य आकादमिक गतिविधि है। परामर्श कक्षा-शिक्षण का विकल्प नहीं है, अपितु कक्षा-शिक्षण के आगे की प्रक्रिया है। मुक्त अध्ययन पद्धति यह स्वीकार करती है कि छात्र ने स्व-अध्ययन सामग्री का अध्ययन कर विषय को समझ लिया है तथा विषय की समझ को उसके अंतिम रूप, क्रियात्मकता तक अब 'परामर्श सत्रों' का आयोजन कर लाया जाता है। परामर्श सत्र मुख्यत: अध्यापक और छात्र के मध्य क्रियात्मक-संवाद है। यानी किसी विषय की सैद्धान्तिक अवधारणा की समझ के पश्चात् उस विषय के क्रियात्मक रूपों के अनुशासन का नाम ही परामर्श सत्र या परामर्श कक्षाये हैं । परामर्श सत्र सैद्धान्तिक अधिगम की व्यावहारिक उपस्थापना है।

परामर्श सत्र का छायाचित्र

परामर्श कक्षाओं का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केन्द्रों पर किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रो एवं अध्ययन केन्द्रों पर शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्र का आयोजन किया जाता है, जब कि विश्वविद्यालय अपने मुख्यालय पर प्रतिदिन छात्रों के लिए परामर्श कक्षायें चलाता है। शनिवार एवं रविवार के दिन परामर्श सत्रों के आयोजन के पीछे मुख्य ध्येय यह है कि अवकाश के दिनों में व्यवसायरत, कार्यरत एवं गृहणियाँ भी इस सत्र का लाभ उठा सकती हैं। समय-समय पर आयोजित परामर्श–सत्रों की सूचना उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के बेवसाइट, क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्रो कार्यालय के सूचना पट्ट एवं समन्वयकों तथा समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है। इस प्रकार परामर्श सत्र का आयोजन उन लोगों के लिए भी लाभप्रद है, जो अपनी व्यावसायिक एवं घरेलू व्यस्तता के कारण स्व-अध्ययन सामग्री के माध्यम से विषय का समुचित ज्ञान नहीं प्राप्त कर पाते हैं।

❖ मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधार (Evaluation Process and Improvement)

- **परीक्षा (Exam)**

परीक्षा विद्यार्थी के स्व-अर्जित ज्ञान का मूल्यांकन चरण है। किसी छात्र ने अपने विषय को किस रूप में ग्रहण किया है तथा उसकी अभिव्यक्ति कैसी है, इस तथ्य का परीक्षा के माध्यम से ही मूल्यांकन किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने छात्र हित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा को पारदर्शी ढंग से निष्पादित करने की व्यवस्था की है।

- **पात्रता एवं अनिवार्यता**

प्रत्येक विद्यार्थी जिसने विश्वविद्यालय में विधिवत् प्रवेश लिया हो, विश्वविद्यालय में नामांकन कराया हो, पंजीकृत हो तथा जिसने सत्रीय कार्य पूर्ण कर जमा कर दिया हो और विश्वविद्यालय का शिक्षण शुल्क तथा परीक्षा शुल्क जमा किया हो, वह परीक्षा में सम्मिलित होने का पात्र होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उन समस्त विषयों की परीक्षाओं में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा जो उस पाठ्यक्रम के लिए वर्ष विशेष में उसके द्वारा चयनित किये गये हों। यदि कोई छात्र किसी परीक्षा अथवा किसी विषय की परीक्षा में सम्मिलित नहीं होता है, तो उसे उस विषय की

परीक्षा अथवा सम्पूर्ण परीक्षा (यथा स्थिति) में अनुपस्थित माना जाएगा। यदि छात्र पूरी परीक्षा में अनुपस्थित रहता है तो उसे सम्बन्धित कक्षा के लिए पुन: पंजीकरण नहीं करवाना होगा और न ही प्रवेश सम्बन्धी शुल्क का भुगतान करना होगा। छात्र को केवल उस वर्ष के लिए रूपये – 200 /- प्रति प्रश्न पत्र बैक परीक्षा शुल्क के साथ बैंक फॉर्म भर के परीक्षा हेतु आवेदन करना होगा, साथ ही वह अगले वर्ष की परीक्षा हेतु आवेदन कर सकता है। परीक्षार्थी के पास विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश पत्र जिसमें छात्र की फोटो लगी हो, अवश्य होनी चाहिए। परीक्षार्थी के पास अपना पहचान-पत्र (वोटर आई.डी., लाइसेंस, पैन कार्ड आदि) होना चाहिए।

• 2023-24 में विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंकों का निर्धारण

(क) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हों-

1. सत्रीय कार्य- 30% अंक
2. लिखित परीक्षा- 70% अंक

(ख) ऐसे विषय जिनमें प्रयोगात्मक कार्य होते हैं-

1. सत्रीय कार्य 30% अंक
2. प्रयोगात्मक कार्य 15% अंक
3. लिखित परीक्षा 55% अंक

(ग) पूर्णरूपेण मौखिक परीक्षा अथवा परियोजना कार्य 100 अंक अथवा सम्बन्धित विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था।

(घ) जिन पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण होगा उनमें सन्तोषजनक अथवा असन्तोषजनक के रूप में मूल्यांकन कार्य किया जाएगा।

• सत्रीय कार्य –

सत्रीय कार्य परीक्षा-मूल्यांकन का ही प्राथमिक चरण है। सत्रीय कार्य की परिकल्पना यह है कि इस मूल्यांकन के कारण छात्र की चिन्तन शक्ति का विकास हो तथा उसके स्व-अध्ययन सामग्री का प्रायोगिक, व्यावहारिक रूप सामने आ सके। अर्थात् छात्र द्वारा सीखे गये विषय का स्वरूप स्पष्ट हो सकें। सत्रीय कार्य छात्रों की मूल्यांकन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है, इसलिए यह अनिवार्य है कि छात्र निर्धारित शुल्क सीमा एवं निर्धारित समयावधि के भीतर ही इसे अध्ययन केंद्र में जमा कर दें। यदि कोई छात्र अन्तिम तिथि के उपरान्त सत्रीय कार्य जमा करता है तो उसे रू. 100 प्रति सत्रीय कार्य की दर से जमा करना होगा।

• अंक निर्धारण –

विभिन्न परीक्षाओं हेतु अंको का निर्धारण अलग-अलग हैं। जैसे उन विषयों में, जिनमें प्रयोगात्मक कार्य न हो, उनमें सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक तथा लिखित परीक्षा के लिए 70 अंक रखे गये हैं। किन्तु जिन विषयों में प्रयोगात्मक कार्य होते हैं, उनमें सत्रीय कार्य 40 अंको का प्रयोगात्मक कार्य 15 अंकों का तथा लिखित परीक्षा 45 अंकों के मध्य विभाजित होती है। यह प्रणाली पूर्णरूपेण विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सुनिश्चित की जाती है।

• परीक्षा में उत्तीर्ण होने के मापदण्ड -

प्रत्येक वर्ष में पंजीकृत छात्र द्वारा उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत अंक (सत्रीय कार्य, प्रयोगात्मक परीक्षा, मौखिक परीक्षा, परियोजना कार्य एवं लिखित परीक्षा में पृथक-पृथक) प्राप्त करना आवश्यक है। यदि कोई छात्र किसी विषय में उपर्युक्त विधि से निर्धारित अंक नहीं प्राप्त करता है तो उसे उस विषय

में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। अनुत्तीर्ण छात्र को उस विषय में उत्तीर्ण होने के लिए पुन: परीक्षा देनी होगी। परन्तु किसी विषय में अनुत्तीर्ण छात्र उस पाठ्यक्रम की परीक्षा अगले वर्ष की परीक्षा के साथ दे सकता है।

- **परीक्षा केन्द्र परिवर्तन, शुल्क भुगतान एवं सुधार परीक्षा**

छात्र हित को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने परीक्षा केन्द्र परिवर्तन की सुविधा प्रदान की है। किसी भी अभ्यर्थी को आवंटित परीक्षा केन्द्र में परिवर्तन हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500/- का भुगतान करना होगा। किसी भी प्रकार का प्रवेश अथवा परीक्षा शुल्क नकद रूप में मान्य नहीं है। सभी प्रकार के शुल्क का भुगतान बैंक चालान के माध्यम से अथवा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार करना अनिवार्य होगा।

उत्तीर्ण होने के पश्चात् यदि कोई विद्यार्थी स्नातक अथवा स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा मे प्राप्त अंको में सुधार करने की इच्छा रखता है तो वहाँ रू0 200/- प्रति प्रश्न पत्र की दर से शुल्क का भुगतान कर सुधार परीक्षा दे सकता है। यह सुविधा विद्यार्थी को अपने चयनित पाठ्यक्रम के अधिक से अधिक सभी विषयों की आधी संख्या के बराबर विषयों में ही उपलब्ध होगी, किन्तु जो भी विषय चयनित किए जायेंगे उनके सभी प्रश्न पत्रों की परीक्षा देनी होगी। स्नातकोत्तर /डिप्लोमा/प्रमाण पत्र कार्यक्रमों में भी सुधार परीक्षा अधिकतम कुल प्रश्न पत्रों की आधी संख्या के लिए अनुमन्य होगी। यथा 5 या 6 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 3 प्रश्न पत्र, 3 या 4 प्रश्न पत्रों में अधिकतम 2 प्रश्न पत्र। कोई भी परीक्षार्थी जिन विषयों में अनुत्तीर्ण हो, उन विषयों में वह सुधार परीक्षा दे सकता है। सुधार परीक्षा हेतु प्रति प्रश्न–पत्र रू. 200/- की दर से शुल्क का भुगतान करना होगा। सुधार परीक्षा में निर्धारित प्राप्तांक प्राप्त करने पर विद्यार्थी को उस वर्ष के लिए उत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा।

- **श्रेणी –**

परीक्षा परिणाम की निम्न तीन उत्तीर्ण श्रेणियाँ होंगी :

A) स्नातक स्तर (Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 45 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 45%
तृतीय श्रेणी	45 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 45% and upto 35%

B) परास्नातक स्तर (Post Graduation Level):

प्रथम श्रेणी	**60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक**	**First Division**	**60% or more**
द्वितीय श्रेणी	60 प्रतिशत से कम तथा 48 प्रतिशत तक	Second Division	Less than 60% and upto 48%
तृतीय श्रेणी	48 प्रतिशत से कम तथा 35 प्रतिशत तक	Third Division	Less than 48% and upto 35%

• बैक पेपर की सुविधा (Back Paper Facility)

विद्यार्थी यदि अपने चयनित पाठ्यक्रम में अनुत्तीर्ण होता है तो रू. 200 /- प्रति प्रश्न की दर से शुल्क का भुगतान कर पुन: परीक्षा दे सकता है। विद्यार्थी को यह सुविधा उन सभी विषयों में देय होगी जिनमें वह अनुत्तीर्ण है। यह सुविधा पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु निर्धारित अधिकतम समय सीमा तक देय होगी। बैक पेपर व सुधार परीक्षाएँ मुख्य परीक्षा के साथ ही आयोजित की जाती हैं।

❖ प्रशिक्षण और प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ (Training and Placement Cell)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अपने छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु एक प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ का निर्माण किया गया है। इस प्रकोष्ठ में छात्रों का विस्तृत डाटाबेस रखा गया है। प्रकोष्ठ नौकरियों की रिक्तियों की सूचना के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनो के एच.आर. हेड्स के सम्पर्क में रहता है।

इस दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा 'प्लेसमेन्ट प्रकोष्ठ' नामक एक पोर्टल निर्मित किया गया है, जिसके माध्यम से छात्रों को उनके कैरियर सम्बन्धित विभिन्न जानकारी प्रदान की जाती है। छात्र इस पोर्टल से जुड़कर विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के बारे में जानकारी ले सकते है। इस प्रकोष्ठ को पुरा छात्र प्रकोष्ठ से भी जोड़ा गया है। विश्वविद्यालय के प्रबन्ध विषय में 150 से अधिक शिक्षार्थी जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है वो विभिन्न क्षेत्रों में (यथा – प्रशासनिक, बैंकिग, अध्यापन, निजी क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र आदि) कार्यरत हैं, जो विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसी प्रकार पर्यटन, होटल प्रबन्ध, कला, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर तथा विज्ञान आदि विषयों के शिक्षार्थी भी विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पाकर अपनी- अपनी सेवायें दे रहे हैं। भविष्य में प्रकोष्ठ द्वारा जॉब फेयर आयोजित करने की योजना है।

अष्टम दीक्षान्त समारोह -

विश्वविद्यालय का अष्टम दीक्षान्त समारोह दिनांक 27 दिसम्बर, 2023 (बुधवार) को आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 धन सिंह रावत, उच्च शिक्ष मंत्री मौजूद रहे।

समारोह में विश्वविद्यालय में वर्ष 2022–23 सत्र में उत्तीर्ण शिक्षार्थियों को पीएच0डी0 (शोध उपाधि)/स्नातक/ स्नातकोत्तर/ पी0जी0 डिप्लोमा/ डिप्लोमा/ प्रमाण–पत्र/ स्नातक एकल विषय में 15417 शिक्षार्थियों को उपाधियों से सम्मानित किया गया। साथ ही इन्हीं अकादमिक वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले स्नातकों एवं परास्नातकों को स्वर्ण पदक माननीय श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्रदान किया गये स्वर्ण पदक धारकों की सूची संलग्न है। (संलग्नक–1)।

समारोह में मा0 कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय की वर्ष 2022–23 की वार्षिक प्रगति आख्या का प्रस्तुतिकरण किया गया।

(देखें परिशिष्ट – I,II)

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी'

उत्तराखंड मुक्त विश्विद्यालय का सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी जो कि 91.2 एफएम की तरंगों पर सुना जाता है. 2012 से विश्वविद्यालय के परिसर में स्थापित इस रेडियो ने हल्द्वानी शहर के तमाम समुदायों के बीच अपनी लोकप्रिय पहचान बनाई है। साहित्य, संस्कृति, इतिहास, कला, संगीत व समुदाय के मुद्दों से जुडे होने की वजह से लोगों का प्यार इस रेडियो को मिलता रहता है। दूरस्थ शिक्षा और सतत विकास की सिग्नेचर थीम पर चलने वाले इस रेडियो में पिछले 14 सालों में हजारों की संख्या में कार्यक्रमों का निर्माण किया है। रेडियो में जहां 40 फीसद कंटेट शिक्षार्थियों के लिए प्रोफेसर्स के व्याख्यानों का जाता है तो वहीं 60 फीसद कंटेट समुदाय के लिए उन्हीं के द्वारा तैयार किया जाता है। वार्षिक वर्ष अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक रेडियो ने दर्जनों कार्यक्रमों का निर्माण किया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय दिवसों में रेडियो ने मासिक धर्म स्वच्छता दिवस, विश्व कविता दिवस,विश्व स्वास्थय दिवस, विश्व कॉपीराइट दिवस,मजदूर दिवस, प्रेस स्वतंत्रता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस, पक्षी दिवस,टेलकम्युनिकेशन दिवस, इंटरनेशनल डे अंगेस्ट ड्रग, वर्ल्ड हैल्थ डाइजेस्टिव डे, विश्व दुग्ध दिवस, साईकिल दिवस, ब्रेन ट्यूमर डे, रक्तदाता दिवस, नेशनल डाक्टर्स डे, डिजीटल स्वास्थ्य दिवस, जनसंख्या दिवस, विश्व आईवीएफ डे, अस्थि एवं जोड़ दिवस, विश्व स्तनपान सप्ताह व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम व रेडियो फीचर तैयार किये। सामुदायिक कार्यक्रमों में युवाओं की नजर में जेंडर इक्विलिटी नाम से एक टॉक शो एमबीपीजी कालेज के स्टूडेंट्स के द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह के मौके पर किया गया। हैल्थ से जुडे कार्यक्रमो में साल भर किडनी में पथरी, परागण के मौसम में आंखों की देखभाल,हार्ट अटैक से बचाव, मानसिक स्वास्थ्य, रोगी सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चाएं आयोजित कराई। इसके अलावा पहाड के औषधीय पौधों से धूप अगरबत्ती बना

रहे सी.पी. जोशी ने अपने अनुभव साझा किये व पहाड़ में उद्यिता को बढ़ाने के लिए सुझाव भी दिये। नैनीताल जनपद के ओखलकांडा ब्लाक में कार्य कर रहे जल प्रहरी चंदन नयाल से रेडियो वार्ता कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया। हैलो हल्द्वानी के रेडियो क्लब एसकेएम स्कूल के स्टूडेंट्स ने मदर्स डे पर एक रेडियो नाटक प्रसारित किया। आज बच्चों की नयी अल्फा जनरेशन बहुत सी नयी चुनौतियां लेकर पैदा हो रही हैं मोबाइल की लत ने उन्हें बहुत हिंसक व चिड़चिड़ा भी बना दिया है। उन्हें बहुत सधी हुई पैरेंटिंग की जरूरत है। जिस पर रेडियो लगातार वार्ताएं व चर्चाएं आयोजित कराते रहता है . हमारे लोकप्रिय कार्यक्रम हाट-बाजार में हमने इस साल कुछ ऐसे लोगों से बात की जो सड़क चौड़ीकरण की जद में आए थे. रमेश कुमार गुप्ता दसियों सालों से देवलचौड़ में एक पेड़ के नीचे अपने लस्सी का ठेला लगाते थे। गर्मियों में आसपास के राहगीर व देवलचौड़ स्टॉप में उतरने वाले सिडकुल के कर्मचारियों का यह फेवरेट अड्डा था। जब सड़के किनारे का वह पेड़ कटा जिसके नीचे लस्सी बेचते न जाने कितनी गर्मियां कितनी बरसातें उन्होंने बिताई होंगीं तो रमेश गुप्ता जी के आंसू न थमे उन्होंने रेडियो के साथ अपनी उस यात्रा को साझा किया व पुरानी हल्द्वानी के किस्से कहानियां श्रोताओं के लिए साझा की। रेडियो में हमारे लोकगीत हमारी थाती कार्यक्रम के तहत कुछ कुमांऊनी गीतो का संग्रह भी किया जो आज की युवा पीढ़ी के जुबान से गायब हो चुके हैं। कहें कविता सुनें कहानी नाम से एक सेवानिवृत नवाचारी शिक्षिका दीक्षा जोशी ने किस्से कहानियों व कविताओं की ये श्रृंखला रेडियो में शुरु की। शहर में दिन प्रतिदिन बढ़ रहे बेसहारा पशुओं के पुनर्वास को लेकर रेडियो ने कोशिशें की। इनसे एक तो राहगीरों को आए दिन दुर्घटना का सामना करना पड़ रहा था तो वहीं गाय व बैलों को भी शारीरिक हानि पहुंच रही थी। यंग हलद्वानी कार्यक्रम में हमने गुंजन भट्ट जैसे कुछ ऐसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों से बात की जो प्रतियोगी परीक्षाओं के फार्म भर घंटों अपने कमरों में पढ़ाई करते थे और पेपर लीक हो जाने से मायूस भी थे, उन्होंने रेडियो में अपने पढ़ने के तरीकों पर बात की। किसानों के लिए डिजीटल मार्केटिंग किस तरह से उपयोगी हो सकती है इस पर कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रसार अधिकारी डा. शशि तिवारी ने वार्ता की। ही प्रासंगिक विषय सर्कुलर इकोनॉमी पर बेहद ही शानदार वार्ता दून विश्वविद्यालय में प्रोफेसर डा. सुधांशु जोशी के द्वारा दी गई। कुछ कहती हैं किताबें कार्यक्रम में इस बीच प्रकाशित हुई नयी किताबों पर भी चर्चा हुई।

इस वार्षिक वर्ष के दौरान वनस्थलि विद्यापीठ की दो मीडिया स्टडीज की स्टूडेंट्स ने एक एक माह की इंटर्नशिप

की। रेडियो निदेशक प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पांडे, रेडियो प्रभारी प्रोफेसर डा. राकेश चन्द्र रयाल, रेडियो आरजे अनिल नैलवाल व सुनीता भट्ट के साथ शहर का एकमात्र सामुदायिक रेडियो स्टेशन हैलो हल्द्वानी डिजीटलकरण की तरफ भी अपने कदम बढ़ा रहा है। भविष्य में रेडियो अपग्रेडेशन की योजना के साथ रेडियो हल्द्वानी शहर के श्रोताओं व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों के लिए नई योजनाओं पर कार्य कर रहा है।

परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

वर्तमान में संचालित विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी द्वारा निम्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया–

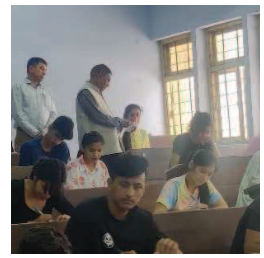

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 01/08/2023 को राजकीय महाविद्यालय, रानीखेत का निरीक्षण किया गया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 02/08/2023 को राजकीय महाविद्यालय, रूद्रपुर का निरीक्षण किया गया।

- कुलपति जी द्वारा दिनांक 19/08/2023 को राजकीय महाविद्यालय, बाजपुर का निरीक्षण किया गया।

6. प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन
(GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT)

❖ विश्वविद्यालय की संदृष्टि (Vision of University):

"ज्ञान के इस युग में उच्च-शिक्षा को विकास का सशक्त माध्यम बनाने के लिए ज्ञान का सृजन कर उत्तरा - खण्ड के लोगों, विशेषकर युवाओं तथा शिक्षा से वंचित एवं रोजगार में संलग्न व्यक्तियों को मूल्य-आधारित गुणवत्तापरक उच्च शिक्षा के सुविधाजनक एवं सर्वसुलभ अवसर उपलब्ध कराते हुए उन्हें जीवन पर्यन्त अध्ययन के लिए प्रेरित करना तथा स्व-रोजगार, रोजगार एवं अन्य कौशलों में दक्ष बनाना जिससे कि वे प्रदेश, देश व सम्पूर्ण मानवता की उपयुक्त सेवा कर सकें।

❖ विश्वविद्यालयीय सहभागी स्वरूप एवं विकेन्द्रीकरण (Participative Decision Process and Decentralization)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सहभागी स्वरूप की पद्धति पर कार्य करता है। किसी भी पाठ्यक्रम या योजना को वह विभिन्न स्रोतों के माध्यम से लागू करता है। प्राध्यापक अपने निदेशक से तथा निदेशक कुलपति के माध्यम से किसी निर्णय का निस्तारण करते हैं। इस प्रकार कार्यों में केन्द्रीयता और विकेन्द्रीयता दोनों रहती है। विश्वविद्यालय के विभिन्न अनुभाग विकेन्द्रीकृत हैं। जैसे प्रादेशिक सेवाएँ, प्रवेश अनुभाग, शोध एवं नवाचार, अकादमिक अनुभाग, पुस्तक वितरण अनुभाग, आईसीटी अनुभाग ये सभी मिलकर सहभागी रूप में कार्य करते हैं। इन विभागों के स्वतन्त्र रूप से प्रभारी हैं और वे इसका संयोजन करते हैं। इसी प्रकार दीक्षान्त समारोह या अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में परस्पर सहभागी रूप में विश्वविद्यालय के सदस्य कार्य करते हैं। प्रशासन के स्तर पर विकेन्द्रीकरण का उदाहरण है – कुलपति के कार्यों का विभिन्न अकादमिक व्यक्तियों में वितरण। इस समय ओएसडी सामान्य, ओएसडी क्रय एवं मुद्रण, ओएसडी अनुरक्षण तथा ओएसडी पुस्तकालय के रूप में प्रशासन का विकेन्द्रीकरण हुआ है। विश्वविद्यालय की नीति लोकतान्त्रिक है।

❖ भविष्य की योजनायें (Perspective plans)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्विद्यालय में भविष्य की योजनाओं के अन्तर्गत प्राथमिकता के आधार पर सर्वप्रथम इस विश्वविद्यालय को 12 (बी) के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सारी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है। इस संबंध में 12 बी कमेटी की वर्चुअल विजिट हो चुकी है। आशा है निकट भविष्य में विश्वविद्यालय को 12 बी की भी मान्यता मिलेगी। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालयीय परिसर का भी विस्तार निरन्तर किया जा रहा है। सम्प्रति विश्वविद्यालय परिसर में नवीन परीक्षा भवन, 12 विद्याशाखाओं के लिए भवन, शिक्षकों के लिए आवास भी निर्मित किए जा रहे हैं। भविष्य में इनके पूर्ण हो जाने के उपरान्त विश्वविद्यालय की इंफ्रास्टक्चर में अभिवृद्धि होगी।

छात्र शिकायत एवं निवारण पोर्टल (Students' Greivances and Solution Portal)-

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में वर्तमान सत्र से तकनीकी माध्यम का उपयोग करते हुए छात्र हित में एक **'सपोर्ट टिकट पोर्टल'** का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से कोई भी छात्र अपनी समस्या को ऑनलाइन प्रेषित कर सकता है। छात्र द्वारा जब ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जाती है, उसी समय उसे एक टिकट नम्बर भी प्राप्त हो जाता है। उस नम्बर के आधार पर वह अपनी शिकायत का निवारण कभी भी कर सकता है। समस्या के निवारण सम्बन्धित विभाग द्वारा किया जाता है। विश्वविद्यालय में यह सुविधा आइसीटी अनुभाग द्वारा निर्मित की गई है।

❖ अकादमिक संपरीक्षा (Academic Audit)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल के अकादमिक संपरीक्षा की प्रक्रिया समय- समय पर सम्पन्न होती रही है। विश्वविद्यालय का अकादमिक निदेशालय इस कार्य को तत्परतापूर्वक करता रहा है। अकादमिक संपरीक्षा के अन्तर्गत सत्र 2023-24 के बीच हुए प्रमुख कार्यों का मूल्यांकन विवेचन है। इस बीच विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की गुणवत्ता की जाँच, नए पाठ्यक्रम के प्रारम्भ की आवश्यकता एवं उनके महत्व निर्धारण, संगोष्ठी कार्यशालाओं में भागीदारी –आयोजन का मूल्यांकन करना तथा शिक्षकों के अकादमिक उन्नयन की गतिविधियों की जाँच का कार्य किया गया। विश्वविद्यालय में शीघ्र ही आईक्यूएसी (आंतिरक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ) का गठन किया जायेगा, जिससे अकादमिक संपरीक्षा और व्यवस्थित रूप में सम्पन्न हो सके। सम्प्रति विश्वविद्यालय के निदेशक, अकादमिक, प्रोफेसर आर.सी.मिश्रा के निर्देशन में अकादमिक संपरीक्षा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

❖ विश्वविद्यालय सहायता प्रणाली (University Support System)

विश्वविद्यालय का अपना एक शिक्षार्थी Support system है, जिसके द्वारा शिक्षार्थी अपनी समस्या विश्वविद्यालय से सम्बन्धित व्यक्ति तक पहुँचा सकता है। यह एक ऑनलाइन प्रक्रिया है। शिक्षार्थी सपोर्ट सिस्टम का उद्देश्य है - विश्वविद्यालय से जुड़े छात्रों या जुड़ने वाले छात्रों की समस्या का समाधान तकनीकी माध्यम से करना। अत: युगानुरूप शिक्षार्थियों के समस्या समाधानार्थ यह एक सुलभ साधन है।इसके अतिरिक्त शिक्षार्थी प्रवेश या परीक्षा से सम्बन्धित कोई भी समस्या सीधे दूरभाष द्वारा बता सकता है साथ ही उसका समाधान भी प्राप्त कर सकते है।

❖ विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन (Financial Management of University)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में बजटीय नियन्त्रण प्रणाली का पालन किया जाता है जिसके द्वारा विश्वविद्यालय का बजट तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट आगामी वर्ष के पहले ही तैयार कर लिया जाता है।

विश्वविद्यालय को शुल्क राशि (Fee-Fund) से आय प्राप्त होती है तथा राज्य सरकार द्वारा राज्य- अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जहाँ तक वित्तीय संसाधनों का सम्बन्ध है, विश्वविद्यालय सभी अनुदान/ निधि का कुशलता से उपयोग करता है।

लेखा के ऑडिट के लिये माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक चॉर्टड एकाउन्टेन्ट को बाहरी ऑडिटर के रूप में नियुक्त किया जाता है। यह चार्टड एकाउन्टेन्ट प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में लेखा की ऑडिट रिपोर्ट तैयार करता है।

7. नवाचार एवं उत्तम क्रियायें
(Innovations and Best Practices)

डिजिटल प्रथायें (DEGITAL PRACTICES)

छात्रहित में विश्वविद्यालय ने ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है। इस पोर्टल का उद्देश्य पाठ्यसामग्री को विश्वविद्यालय की वेबसाइट E-Learning.uou.ac.in पर अपलोड करना है। इसका मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को सही समय पर पाठ्यसामग्री उपलब्ध कराना हैं, जिनकी पाठ्यसामग्री कई कारणों से विलम्ब से प्राप्त होती है। इस पोर्टल के माध्यम से अध्ययन सामग्री अपलोड कर दी गयी है, जिससे छात्र प्रवेश के साथ ही अध्ययन सामग्री का पाठ कर सके। यह पोर्टल छात्रों को अध्ययन सामग्री तत्काल उपलब्ध कराता है। इसमें अभी 22 पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। इस पोर्टल को विगत तीन महीनों में लगभग 11,000 छात्रों ने देखा है। जो विद्यार्थी उक्त पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर इ- बुक्स का उपयोग करेगा तथा पुस्तक की माँग नहीं करेगा, उसे शुल्क में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। वर्तमान में यह सुविधा साइबर सिक्योरिटी, एम.जी.आई.एस तथा योग के कोर्स में उपलब्ध हैं।

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जयन्ती - 25 दिसम्बर 2023

दिनांक 25 दिसम्बर 2023 को महामना एजूकेशनल फोरम द्वारा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी परिसर में महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी की 162 वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. नन्दन कुमार तिवारी के द्वारा वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर पी.डी. पन्त जी द्वारा की गयी। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. पन्त जी ने कहा कि महामना राष्ट्रनायक थे। उनका व्यक्तित्व एवं कृतित्व अत्यन्त विराट था। महामना एजूकेशनल फोरम के अध्यक्ष डॉ. एम.सी.जोशी जी ने अपने विचार स्वरचित कविता के माध्यम से प्रकट किये। संयोजक डॉ. शितिकण्ठ दूबे जी ने कहा कि मालवीय जी अपने अलौकिक कार्यकुशलता के लिए चिरकाल तक स्मरणीय रहेंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा सम्मान से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ललित मोहन रखोलिया जी को सम्मानित किया गया तथा दो पत्रकारों – विजेन्द्र श्रीवास्तव, गणेश जोशी जी को भी पत्रकारिता जगत् में विशिष्ट कार्य अवदान हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. शशांक शुक्ल, डॉ. अरविन्द भट्ट, प्रोफेसर संतोष सिंह, डॉ. मंगलम रस्तोगी, डॉ. रंजीत कुमार दूबे के साथ-साथ विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक गण भी उपस्थित रहें।

मालवीय जयन्ती कार्यक्रम की छायाचित्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून की गतिविधियॉं

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून द्वारा दिनांक 20 जुलाई, 2023 को उत्तराखण्ड के लोकपर्व हरेला पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गांव समाल्टा (विकासखण्ड– कालसी), देहरादून में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में फलदार वृक्ष लगाये गए। इस अवसर पर गांव समाल्टा, देहरादून के प्रधान श्री जयपाल सिंह तोमर, राजकीय इंटर कॉलेज सहिया (समाल्टा) के प्रधानाचार्य श्री जे0 एस0 बंगारी जी एवं स्थानीय जनता ने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सौजन्य से वृक्षारोपण कर हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के पश्चात एक बैठक का आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज सहिया (समाल्टा) में किया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर डॉ0 सुभाष रमोला, प्रभारी निदेशक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, परिसर देहरादून ने कहा कि लोकपर्व हरेला हरियाली का प्रतीक है और सुख, समृद्धि तथा शांति की मनोकामना के लिये मनाया जाता हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड कृषि आधारित राज्य हैं। हम सबको मिलकर वृक्षारोपण करना चाहिए और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझना चाहिये।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री नरेन्द्र जगूड़ी ने कहा कि हरेला पर्व प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की कर्क संक्रांति को मनाया जाता हैं। मूलतः यह पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिये मनाया जाता हैं। मान्यता है कि हरेला मनाने से घर में सुख समृद्धि एवं शान्ति आती है। विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र विषय की सहायक प्राध्यापिका डॉ0 भावना डोभाल ने बताया कि हरेला पर्व प्रकृति को समर्पित हैं और हम सबको अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनके संरक्षण का भी संकल्प लेना होगा।

इस कार्यक्रम में एस0एम0आर0 कॉलेज के अध्यक्ष श्री अनिल तोमर ने कहा कि हर किसी को वृक्षारोपण करते हुए प्राकृतिक सुन्दरता में अपना योगदान देना चाहिए। इस त्यौहार में मिश्रित अनाज को उगाया जाता हैं।

रा0 इ0 कॉ0 के प्रधानाचार्य श्री जे0 एस0 बंगारी जी ने कहा कि हमें प्रकृति के साथ जुडना चाहिये। यह पर्व हरियाली और नई ऋतु के शुरू होने का सूचक है। ग्राम समाल्टा के प्रधान श्री जयपाल सिंह तोमर ने पर्यावरण के प्रति स्थानीय लोगों को जागरुक करते हुए सभी से एक–एक पेड़ प्रतिवर्ष लगाने का आहवान किया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश को ग्राम समाल्टा की जनता द्वारा बहुत सराहा गया एवं इस प्रकार के अन्य कार्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय से आग्रह किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कार्मिक श्री अरविन्द कोटियाल, श्री सुनील नेगी, श्री चन्द्रबल्लभ पोखरियाल तथा राजकीय इंटर कॉलेज सहिया (समाल्टा) के अध्यापक श्री महेश जगोठा, श्री भरत सिंह, श्री राघवेन्द्र वर्मा, श्री रमेश राणा, श्री रूपेश कुमार नाथ, श्री अनिरूद्ध कुमार, श्री मुकेश कुमार, श्री दिनेश सिंह तोमर, श्री हरीश गैरोला, श्री नीरज शर्मा, श्री सी0 एस0 बहुखंडी तथा ग्राम समाल्टा के श्री आंनद सिंह तोमर, आदि समेत काफी संख्या में आये लोगों ने वृक्षारोपण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में डॉ0 सुभाष रमोला ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी उपस्थित लोगों को दी जिनके माध्यम से स्थानीय समुदाय अपनी उच्च शिक्षा अपने नजदीकी संस्थान के माध्यम से ग्रहण कर सकते हैं।

रक्षाबंधन कार्यक्रम 2023

दिनांक 30 अगस्त, 2023 को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर देहरादून द्वारा **'एक राखी–वीरसैनिकों के नाम'** कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय की छात्राओं, महिला अध्यापिका तथा काउंसलरों द्वारा C.R.P.F. के वीर सैनिकों को टीका लगाकर राखी बांधी गयी और मिष्ठान वितरित किया गया। कार्यक्रम में C.R.P.F.के IGP Dehradun Sector श्री भानुप्रताप सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में, परिवहन विभाग की डी0जी0एम0ओ0 (वित्त) श्रीमती सरिता गुलाटी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा यू0सी0एफ0 प्रबन्ध निदेशक सुश्री रामेन्द्री मंद्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थी।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत का प्रत्येक वीर सैनिक मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमा पर तैनात रहता है तथा इस कार्यक्रम के माध्यम से वीर सैनिकों की कलाई पर राखी बांध कर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्रा–बहनों ने हमकों अपनी बहनों की कमी का एहसास नहीं होने दिया। इसके लिये उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का ह्रदय से आभार।

मुख्य वक्ता सुश्री रामेन्द्री मंद्रवाल ने कहा कि रक्षासूत्र ने भारतीय संस्कृति के विभिन्न पुराणों में उदृत विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य किया और रक्षाबंधन का त्यौहार अखंड भारत की कल्पनाओं को लेकर मनाया जाना चाहिए। भारत विश्वगुरु बने, इसके लिए सीमाओं पर तैनात वीर सैनिकों की कलाई बिना राखी के ना रहे, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा जो यह कार्यक्रम का आयोजन किया गया, उसके लिए विश्वविद्यालय को बहुत–बहुत बधाईयां।

प्रशासनिक परामर्शदाता श्री नरेन्द्र जगूडी जी द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना को रखा गया और विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों का विवरण दिया। साथ ही समस्त जवानों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

परिसर के प्रभारी निदेशक डॉ0 सुभाष रमोला ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सैनिकों की सेवा–भावना एवं त्याग–तपस्या के लिये सारा देश आपका आभारी हैं। विश्वविद्यालय सामाजिक परंपराओं का आगे बढाने हेतु ऐसे कार्यक्रमों का संचालन करता रहता है और आगे भी निरंतर करता रहेगा।

कार्यक्रम का संचालन महिला काउंसलर डॉ0 अंजलि सेमवाल ने किया। कार्यक्रम की रुपरेखा डॉ0 भावना डोभाल एवं कार्यक्रम के व्यवस्थापन का कार्य श्री बी0एम0खाती, श्री सुनील नेगी, श्री अरविंद कोटियाल, श्री सी0बी0 पोखरियाल, श्री अजय कुमार सिंह, श्री राहुलदेव, श्री चेतनथापा, श्री अभिषेक के द्वारा संपादित किया गया।

रक्षाबन्धन कार्यक्रम का छायाचित्र

कैरियर परामर्श सत्र

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड कॉमर्स ने 4 सितंबर 2023 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से सभी विषयों में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों के लिए प्लेसमेंट सेल (Placement Cell) और सीआईक्यूए (CIQA) के सहयोग से एक कैरियर परामर्श सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य शिक्षार्थियों के बीच सरकार में उपलब्ध नौकरी के अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा करना था ।अतिथि वक्ता श्री. अंकुर महाजन ने बैंकिंग क्षेत्र जैसे विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरी के अवसरों के बारे में शिक्षार्थियों के साथ साझा किया। साथ ही उन्होंने बीमा क्षेत्र, रेलवे,

एसएससी (सीजीएल) और एसएससी (सीएचएसएल) परीक्षाओं के महत्व, उपलब्ध विभिन्न पदों , पात्रता, परीक्षा मानदंड आदि के बारे में विस्तार से बताया।

राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस'

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर देहरादून द्वारा **''राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस''** के अवसर पर दिनॉक 25.01.2024 को एक दिवसीय एन0एस0एस0 (राष्ट्रीय सेवा योजना) कैम्प यू0ओ0यू0 परिसर कार्यालय, यू0सी0एफ0 सदन देहरादून में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना में पंजीकृत शिक्षार्थियों में मतदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं मतदान हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो0 सुमेर चन्द्र रवि, पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता **डॉ0 दिनेश कुमार, प्रभारी निदेशक परिसर देहरादून, द्वारा** मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया । परिसर कार्यालय में कार्यरत समस्त शैक्षणिक, शिक्षणेत्तर अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा अपनी गरिमामय उपस्थिति प्रदान कर शिक्षार्थीयों को अधिक से अधिक मतदान हेतु प्रेरित किया गया ।

''राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस''

''राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता दिवस''

नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की एंटी ड्रग सेल तथा एम. बी. पी. जी. कॉलेज, हल्द्वानी के मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त प्रयास द्वारा दिनांक 27 मई 2023 को राष्ट्र निर्माण में वरिष्ठों की संलग्नकता–एक नशा मुक्त समाज की ओर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रोफे. अब्दुल मजीद खान, अध्यक्ष, (AGI) एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, समाज विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वर्त्तमान में हमारा समाज माइक्रो न्युकिलर फॅमिली की ओर ओर बढ़ने लगा है जिसमें पति पत्नी अलग–अलग स्थान पर रहकर नौकरी कर रहें हैं जिसकी वजह से बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं साथ ही परिवार में बड़े बुजुर्गों का मान सम्मान कम होने की वजह से बच्चे बड़े बुजुर्गों दूरी बनाए हुए हैं जिसका परिणाम है कि बच्चे अपने संस्कारों व बुजुर्गों के अनुभवों से वंचित हो रहें हैं और पीयर प्रेसर में आकर नशे जैसी बुरी आदतों को अपना रहे हैं उन्होंने युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी संबंधी कार्यों में प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित किया उनके द्वारा बोला कि देश व समाज में हो रहे गलत कार्यों के लिये प्रश्न पूछा जाने चाहिए।

प्राचार्य, एम. बी. पी. जी. कॉलेज, हल्द्वानी ने नशा उन्मूलन संबंधी कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिये मनोवैज्ञानिकों को आगे आगे की जरुरत बताई साथ ही समुदाय को भी अपने साथ जोड़ने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पांडे, निदेशक,समाज विज्ञान विद्याशाखा (उ.मु.वि.) द्वारा की गयीद्य कार्यक्रम संचालन डॉ. नवल किशोर एवं डॉ. रेखा जोशी ने संयुक्त रूप से कियाद्य इस मौके पर एंटी ड्रग सेल की नोडल अधिकारी एवं कुलसचिव (उ.मु.वि.) प्रोफेसर रश्मि पंत, एम. बी. पी. जी. कॉलेज, हल्द्वानी के मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ. किरन कर्नाटक, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की समन्वयक डॉ.सीता, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय तथा एम. बी. पी. जी. कॉलेज, हल्द्वानी के सहायक प्राध्यापक डॉ. कमला, डॉ. मीना, डॉ. रेनू जलाल, डॉ. रूचि तिवारी, डॉ. दीपक,डॉ भाग्यश्री जोशी, सुश्री विनीता पन्त, रेडियो संचालिका श्रीमती सुनीता भट्ट, छात्र–छात्राएं व अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 90 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

भारतीय भाषा उत्सव – 2023

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा द्वारा भारतीय भाषा उत्सव–2023 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक मानविकी विद्याशाखा प्रोफेसर रेनू प्रकाश द्वारा की गई। मुख्य वक्ता प्रोफेसर गोपाल प्रधान ने का कि भारतीय भाषाओं में भिन्नता पाई जाती है। भिन्नता होते हुए भी भाषाओं में एक अंतरसंबंध होता है। साथ ही भाषा में सहकारिता का गुण होता है।

18th Uttarakhand State Science and Technology Congress (USSTC) 2024

8 फरवरी 2024 को विश्वविद्यालय परिसर में 18 वाँ उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमन्त्री एवं पूर्व राज्यपाल, महाराष्ट्र भगत सिंह कोश्यारी जी रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा रखते हुए कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 एच0सी0 जोशी ने बताया कि इस वर्ष पर्यावरण दिवस की थीम "Solution to Plastic Pollution" को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज दिनांक 5 जून को विश्वविद्यालय परिसर में सर्वप्रथम पौधारोपण किया गया। ततपश्चात् एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न संस्थानों, विद्यालयों आदि के प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाईन एवं ऑफलाईन माध्यम से प्रतिभाग किया गया।

प्रो0 पी0डी0 पंत, निदेशक भैमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए प्लास्टिक प्रदूषण के दुस्प्रभावों एवं वर्तमान के तत्यों पर प्रकाश डाला। इस दौरान मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो0 उमा मेलकानिया, पूर्व डीन एवं विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग, जी बी पंत कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर द्वारा पर्यावरण दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इस वर्ष की थीम "Solution to Plastic Pollution विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो0 गिरिज पाण्डे द्वारा अपने सम्बोधन में सभी को पर्यावरण के प्रति सजग कर कर इसके संरक्षण हेतु योगदान का आहवान किया।

कार्यक्रम के दौरान निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 बीना तिवारी फुलारा ने किया। अंत में डॉ0 कृष्ण कुमार टम्टा द्वारा सभी अतिथ्यिों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU), भारत और यूनिवर्सिटास टरबुक (UT), इंडोनेशिया के बीच 19 सितंबर 2024 को ज़ूम के माध्यम से एक सहयोग बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अकादमिक सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान करना, समझौता ज्ञापन (MoU) के प्रारूप पर चर्चा करना और संयुक्त अनुसंधान, संकाय एवं छात्र विनिमय कार्यक्रम, तथा ऑनलाइन शिक्षण संसाधनों जैसे MOOCs और OERs के विकास पर विचार करना था।

बैठक की शुरुआत UOU के कंप्यूटर विज्ञान निदेशक और अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रभारी डॉ. जीतेंद्र पांडे द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। उन्होंने इस सहयोग के महत्व को रेखांकित किया और भविष्य की साझेदारी को लेकर आशावाद व्यक्त किया। इसके बाद, UOU के कुलपति प्रोफेसर ओ.पी.एस. नेगी ने प्रारंभिक टिप्पणी दी, जिसमें उन्होंने इस सहयोग के अवसर पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने वैश्वीकरण के इस युग में शैक्षिक साझेदारियों की आवश्यकता पर जोर दिया और UOU की वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में।

यूनिवर्सिटास टरबुक के शोध, नवाचार, साझेदारी और व्यवसाय के उप-राष्ट्रपति डॉ. रहमत बुडिमान ने भी अपनी प्रारंभिक टिप्पणी दी। उन्होंने UOU के साथ साझेदारी की इच्छा व्यक्त की और दोनों संस्थानों के बीच समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने UT की दूरस्थ शिक्षा में विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी-आधारित शिक्षण विधियों के बारे में बताया, जो UOU की दृष्टि से मेल खाती हैं।

30 March 2024 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2022 के क्रियान्वयन पर संगोष्ठी

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (UOU) ने 30 मार्च 2024 को "राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2022 के क्रियान्वयन" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य ओपन विश्वविद्यालयों में NEP 2022 के प्रभावों और संभावनाओं पर चर्चा करना और सभी हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत **प्रो. जीतेंद्र पांडे** के स्वागत संबोधन और विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुई। इसके बाद, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और मुख्य वक्ता का सम्मान पुष्पगुच्छ और शॉल प्रदान कर किया गया।

प्रो. पी.डी. पंत, संगोष्ठी के संयोजक, ने कार्यक्रम की शुरुआत की और NEP 2022 के महत्व और ओपन विश्वविद्यालयों के लिए इसके प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने दिनभर की चर्चा के मुख्य विषयों को प्रस्तुत किया और प्रतिभागियों को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

प्रो. ओ.पी.एस. नेगी ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने NEP 2022 के दिशा-निर्देशों के साथ पाठ्यक्रमों को संरेखित करने और नए क्रेडिट ढांचे को अपनाने पर जोर दिया।

Professor OPS Negi delivered the welcome speech, emphasizing the importance of NEP 2022 for open universities and highlighting the university's adoption of the new credit structure. He stressed the significance of aligning courses with NEP guidelines.

प्रो. संजय पंत ने NEP 2022 के अनुरूप कार्यक्रम संरचनाओं और बहु-विषयक पाठ्यक्रमों पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा की।

डॉ. अविचल कपूर ने NEP के क्रियान्वयन में UOU की पहलों की सराहना की और शैक्षिक स्तरों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। उन्होंने "अकादमिक क्रेडिट बैंक" जैसी पहल के महत्व को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम का समापन **प्रो. जीतेंद्र पांडे** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस संगोष्ठी ने NEP 2022 के सफल क्रियान्वयन के लिए एक ठोस आधार प्रदान किया और ओपन विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और चर्चा को प्रोत्साहित किया।

APPENDICES

Appendix- I (परिशिष्ट –I)

अष्टम दीक्षान्त समारोह

दिनांक 27 दिसम्बर 2023 अष्टम दीक्षान्त समारोह का छायाचित्र

Appendix- II (परिशिष्ट –II)

चांसलर मेडल स्नातकोत्तर स्तर - 2022-23

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
हिमांशु गुप्ता	21246348	एम.एस.सी (रसायन विज्ञान)	82.19

चांसलर मेडल- स्नातक स्तरीय

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
अभिषेक बिष्ट	21270157	बी.एड	82.88

स्नातकोत्तर स्तरीय – विश्वविद्यालयीय गोल्ड मेडल

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
हिमांशु काण्डपाल	21246081	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	75
सरिता रावत	21251665	एम.ए. (शिक्षाशास्त्र)	74.61
ममता पेटवाल	21251682	एम.ए. (शिक्षाशास्त्र)	74.61
ऋतु उनियाल	16078420	एम.ए. (अंग्रेजी)	78.39
अखिल मलिक	21249364	एम.ए. (इतिहास)	73.88
नरेश	21259060	एम.ए. (हिन्दी)	77.67
आयुषी चौधरी	21260580	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)	74.44
कुमारी संगीता	15071923	एम.ए. (राजनीति विज्ञान)	74.44
निधि	21243612	एम.ए. (समाज शास्त्र)	81.17
अंजलि	21255921	एम.ए. (योग)	80.58
मीनाक्षी भाटिया	21263395	एम. कॉम.	76.67
हिमांशु भट्ट	21244135	एमएससी (वनस्पति विज्ञान)	80.38
हिमांशु गुप्ता	21246348	एमएससी (रसायन)	82.19
सपन किनरा	21267820	एमएससी (गणित)	73.35
विक्रम पोद्दार	21247836	एमएससी (भौतिकी)	77.81
अंकित कुमार	21259374	एम.एसी (जन्तु विज्ञान)	74.33

स्नातक स्तरीय – विश्वविद्यालयीय गोल्ड मेडल

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
अंजू कापडी	20224749	बी.ए.	72.25
खुश्बु दर्मवाल	20228984	बी.ए. (वाणिज्य)	66.15
प्रशान्त मिश्रा	20226924	बीएससी	71.90
अभिषेक बिष्ट	21270157	बी.ए. (शिक्षाशास्त्र)	82.88
संग्राम सिंह यादव	20235436	बी.ए. (योग)	71.55

लाला देवकी नन्दन किशोर एजेन्सीज मेमोरीयल स्वर्ण पदक

स्नातक स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
अंजू कापड़ी	20224749	बीए	75.25

श्रीमती शीला देवी पत्नी लाला ओमप्रकाश मेमोरीयल स्वर्ण पदक

स्नातकोत्तर स्तर पर सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
निधि	21243612	एमए (समाजशास्त्र)	81.7

श्रीमती भगवती देवी धर्मपत्नी लाला नन्दकिशोर स्मृति मेमोरियल स्वर्ण पदक

शिक्षार्थी का नाम	पंजीयन संख्या	पाठ्यक्रम	प्रतिशत
मिनाक्षी भाटिया	21263395	एम. कॉम	76.67

Appendix- III (परिशिष्ट –III)
कार्य परिषद
(Executive Council)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी.ए. राजपूत (पूर्व कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल), I-II गामा-2 ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश।	माननीय कुलाधिपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
3.	प्रोफेसर योजना रावत डायरेक्टर रिसर्च, यूनिवर्सिटी ऑफ ओपन लर्निग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़	माननीय कुलाधिपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
4.	श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला अध्यक्ष, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, नवाबी रोड, हल्द्वानी	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
5.	डॉ0 अजय कुमार गुप्ता, सीईओ, सेंचुरी पल्प एण्ड पेपर मिल्स लि0, लालकुऑं, नैनीताल।	माननीय कुलपति जी द्वारा मनोनीत सदस्य
6.	प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
7.	कुलपति, इन्दिरा गॉंधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि	सदस्य
8.	प्रोफेसर रेनूप्रकाश, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर जितेन्द्र पाण्डे निदेशक, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	सदस्य
10.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त निदेशक, विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11.	डॉ. प्रवेश कुमार सहगल सह प्राध्यापक, जन्तु विज्ञान विभाग, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
12.	डॉ. नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाजकार्य विभाग	सदस्य
13.	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- IV (परिशिष्ट –IV)
विद्या परिषद
(Academic Council)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1.	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ,हल्द्वानी	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर एच0सी0 पोखरियाल, कार्यकारी निदेशक (सेवानिवृत्त), मुक्त शिक्षा विद्याशाखा, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली।	सदस्य
3.	प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग एवं परिसर निदेशक, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।	सदस्य
4.	डॉ0 मनु प्रताप सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर साइंस विभाग, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा।	सदस्य
5.	प्रोफेसर ब्रजेश कुमार पाण्डेय, Rector, जे0एन0यू0, डीन, संस्कृत एवं भारतीय अध्ययन विद्याशाखा जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	सदस्य
6.	डॉ0 एच0सी0 पुरोहित, प्रोफेसर एवं डीन, प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा, दून विश्वविद्यालय, देहरादून।	सदस्य
7.	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष द्वारा नामित एक व्यक्ति जो संयुक्त सचिव से निम्न पंक्ति का न हो	सदस्य
8.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
9.	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, उ0मु0वि0	सदस्य
10.	प्रोफेसर रेनू प्रकाश निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0, हल्द्वानी	सदस्य
11.	प्रोफेसर जितेन्द्र पाण्डेय सह-प्राध्यापक, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
12.	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त आचार्य, कम्प्यूटर विज्ञान, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
13.	डॉ. एम0एम0 जोशी आचार्य, इतिहास, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
14.	डॉ. प्रवेश सहगल, जन्तु विज्ञान विभाग	सदस्य
15	डॉ. हरीश चन्द्र जोशी, सह आचार्य, वानिकी विभाग, उ0मु0वि0	सदस्य
16	डॉ. नीरजा सिंह, सहायक आचार्य, समाज कार्य	सदस्य
17	डॉ. सुमित प्रसाद, सहायक आचार्य, प्रबन्धन	सदस्य
18.	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- V (परिशिष्ट –V)
योजना परिषद
(Planning Board)

क्रमाक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल, हल्द्वानी	अध्यक्ष
2	श्री रमेश चन्द्र बिन्जोला, अध्यक्ष, हिमालयन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इन्डस्ट्री, नवाबी रोड़, हल्द्वानी।	सदस्य
3	प्रोफेसर पी0एस0 बिष्ट, भौतिक विज्ञान विभाग, सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा।	सदस्य
4	डॉ0 बी0एम0 कुमार, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त), समाजशास्त्र, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी सदस्य विश्वविद्यालय, पंतनगर।	सदस्य
5	प्रोफेसर उमेश चन्द्र पाण्डेय, निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।	सदस्य
6	डॉ0के0एन0 बधानी, प्रोफेसर, अकॉउन्टिंग एण्ड फाइनेंस एरिया, भारतीय प्रबंधन संस्थान (आई 0आई0एम0), सदस्य काशीपुर	सदस्य
7	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	सदस्य
8	प्रोफेसर पी0डी0 पंत, निदेशक, भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्तविश्वविद्यालय, सदस्य हल्द्वानी।	सदस्य
9	डॉ0 कमल देवलाल, सह-प्राध्यापक, भौतिकी, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	सदस्य
10	डॉ0 भानु प्रकाश जोशी, सहायक प्राध्यापक, योग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	सदस्य
11	कुलसचिव	सदस्य सचिव

Appendix- VI (परिशिष्ट –VI)

वित्त समिति
(Finance Committee)

क्रमांक	सदस्य	पदाधारिता
1	प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर संदीप कुमार शर्मा प्रभारी निदेशक, उच्च शिक्षा (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा) उत्तराखण्ड शासन, देहरादून	सदस्य
3	श्रीमती जयन्ती ह्यांकी वित्त नियन्त्रक, उच्च शिक्षा निदेशालय, प्रतिनि सचिव, वित्त उत्तराखण्ड	सदस्य
4	प्रोफेसर पी.एस. बिष्ट विभागाध्यक्ष, भौतिक विज्ञान, एस.एस. जे. विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, (कार्यपरिषद सदस्य)	सदस्य
5	श्रीमती आभा गर्खाल वित्त नियन्त्रक, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	सदस्य सचिव
6	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त, कुलसचिव, उ0मु0वि0 उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	विशेष आमन्त्रित सदस्य
7	श्री विमल कुमार मिश्र, उपकुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय	आमन्त्रित सदस्य
8	श्रीमती पूनम आर्या, सहायक कुलसचिव (वित्त) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी	आमन्त्रित सदस्य

Appendix- VII (परिशिष्ट –VII)
विश्वविद्यालय प्राधिकरण के सदस्य
(Members of the University Authority)

Prof. Om Prakash singh Negi Vice Chancellor			
Name	**Designation**	**Contact No.**	**E-mail**
Dr. Khemraj Bhatt	Registrar	05946-210957	registrar@uou.ac.in
Prof. Girija Pandey	Director (RSD)	05946-286067	gpande@uou.ac.in
Prof. Somesh Kumar	Examination Controller	9911614673	pdpant@uou.ac.in
Sri Surya pratap Singh	Finance Controller	-	agarkhal@uou.ac.in
Dr. Rakesh Rayal	Public Relation Officer	9410967600	rryal@uou.ac.in

Directors of School / Division/ Directorate				
Name	**Name of School**	**Division/ Directorate**	**Contact No.**	**E-mail**
Prof. P.D. Pant	School of Earth Science	Academics	9412034574	rcmishra@uou.ac .in
Prof. Renu Prakash	Humanities	Journalism & Media Studies	7302324006	rprakash@uou.ac.in
Prof. Durgesh Pant	Computer Science & Information Technology	Dehradun Campus	9412375384	dpant@uou.ac.in
Prof. Kamal Dev lal	Law	UOU Campus	8791477949	kdeolal@uou.ac.in
Prof. arvind Bhatt	Library Science	UOU Campus	8979067260	arvindbhatt@uou .ac.in
Prof. Girija P. Pande	Social Science Vocational Studies	Research & Innovation Regional Services Division (RSD)	9412351759	gpande@uou.ac.in
Prof. P.D. Pant	Science Agriculture & Development Studies	-	05946 210958	pdpant@uou.ac.in

Regional Directors				
Regional Centre	**Regional Director**	**Address**	**Contact No.**	**E-mail**

Dehradun (11)	Dr. Sandeep Negi	SGRR, Pathribagh, Dehradun	9412031183 01352720027	dehradun@uou.ac.in
Roorkee (12)	Dr. Rajesh Paliwal	B.S.M PG College, Roorkee	9412439436 01332274365	roorkee@uou.ac.in
Pauri (14)	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B. Garhwal University, Pauri	9412960687 01368223308	pauri@uou.ac.in
Uttarkashi (15)	Dr. Suresh Chandra	Govt. PG College, Uttarkashi	01374-222004 9557557880 9911708741	uttarkashi@uou.ac.in
Haldwani (16)	Dr. Rashmi Pant	M.B P.G. College, Haldwani	9411162527 05946284149	haldwani@uou.ac.in
Ranikhet (17)	Dr. Yogendra Chandra Singh	Govt. PG College, Ranikhet	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
Pithoragarh (18)	Dr. Bipin Chandra Pathak	LSM Govt. PG College, Pithoragarh	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
Bageshwar (19)	Dr. B.C Tiwari	Govt. PG College, Bageshwar	9412044914 05963221894	bageshwar@uou.ac.in

Assistant Regional Directors (ARD)

Regional Centre	Assistant Regional Director
Dehradun	Anil Kandari
Roorkee	Ruchi Arya
Pauri	Bhaskar Joshi
Uttarkashi	Govind Singh
Haldwani	Brijesh kumar Bankoti
Ranikhet	Priyanka Lohani Pandey
Pithoragarh	Pankaj kumar
Bageshwar (19)	Rekha Bisht

Appendix-VIII (परिशिष्ट –VIII)

Press Release

दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष शिक्षा अध्यापकों के 285 पद होंगे सृजित : डा धन सिंह

डा. धन सिंह रावत • जागरण आर्काइव

- यूओयू और यूसर्क के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
- राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान में जुटे विशेषज्ञ

जागरण संवाददाता, देहरादून : उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने को समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। विशेष शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों के लिए सरकार विशेष शिक्षा अध्यापकों के 285 पदों पर नियक्ति करेगी। इसके लिए कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर माध्यमिक विद्यालयों में इन पदों को सृजित किया जा रहा है। यह बात उन्होंने सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) एवं उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (यूसर्क) के सहयोग से राजपुर रोड स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआइईपीवीडी) में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही।

संस्थान के अष्टावक्र सभागार में गणित और विज्ञान शिक्षण विधियों में अभ्यास को लेकर चुनौतियां और अनुकूलन विषय पर दो दिवसीय कार्याशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कहा कि पूर्व में सरकार ने विशेष शिक्षा के 480 पदों की विज्ञप्ति प्राथमिक स्तर पर जारी की थी, जिसकी प्रक्रिया गतिमान है। कहा कि घर-घर प्रत्येक दिव्यांग तक सही शिक्षा पहुंचे, इसके लिए सरकार प्रयासरत है। प्रत्येक दिव्यांगजन को शिक्षा के साथ रोजगार भी मिले, इस पर भी कौशल शिक्षा को आगे बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री ने दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले यूओयू की कर्मचारी निर्मला देवी सहित अन्य दिव्यागजनों को सम्मानित किया। उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह ने यूओयू के प्राध्यापक डा. पंकज कुमार, डा. सिद्धार्थ पोखरियाल व प्रो. विनोद केन की लिखित समावेशी शिक्षा व समाज नामक पुस्तक का विमोचन भी किया।

कार्यशाला की विशिष्ट अतिथि यूसर्क की निदेशक प्रो.अनीता रावत ने कहा कि आधुनिक शिक्षा में प्रयोगशालाओं के निर्माण कर आधुनिक तकनीकी से प्रत्येक दिव्यांग छात्रों के साथ उनके अभिभावकों को भी प्रशिशित करने की आवश्यकता है। कहा कि आने वाले समय में वर्चुअल शिक्षण के माध्यम से इसे पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूओयू के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश नेगी ने कहा कि मुक्त विवि में प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा से जोड़ने के लिए एक प्रभावी व सरल साधन बनता जा रहा है। इस मौके पर शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डा. डीएस फर्स्वाण, मनीष वर्मा, डा. देवकी सिरौला, डा. सुभाष रमोला, डा. भावना डोभाल, डा. राकेश रयाल आदि उपस्थित रहे।

कुलपति ने किया परीक्षा का औचक निरीक्षण

देहरादून (एसएनबी)। श्री गुरु राम राय महाविद्यालय में चल रही विश्वविद्यालय की परीक्षा का उत्तराखंड मुक्त विवि के कुलपति प्रो. ओमप्रकाश नेगी ने औचक निरीक्षण किया। शुक्रवार को दोपहर की पाली में महाविद्यालय में पहुंचे कुलपति ने निरीक्षण किया। परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गयी। परीक्षा में कुल 3000 छात्र पंजीकृत थे। कुलपति ने महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा संपन्न कराने पर संतोष जताया। इस मौके पर प्राचार्य मेजर प्रदीप सिंह, क्षेत्रीय निदेशक डा. संदीप नेगी, परीक्षा नियंत्रक डा. राकेश ढौडियाल, चीफ प्रॉक्टर डा. हषवर्धन पंत, डा. हरीश जोशी, डा. दीपाली सिंघल आदि मौजूद थे।

परीक्षा का निरीक्षण करते कुलपति।

यूओयू और बीआरएयूओ के बीच अनुबंध

पाजिटिव न्यूज

जासं• हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और डा. बीआर आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय तेलंगाना के बीच शिक्षण से लेकर अनुसंधान तक आदान-प्रदान होगा। ओपन यूनिवर्सिटीज ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज फेस्ट के तहत अकादमिक एक्सचेंज को लेकर हैदराबाद में दोनों विश्वविद्यालयों के बीच समझौता हुआ है। यूओयू और बीआरएयूओ के कुलपतियों ने समझौता ज्ञापन में हस्ताक्षर किया। इससे दोनों संस्थानों को शैक्षणिक क्षेत्र में काफी लाभ होगा।

कुलपति प्रो. नेगी ने बताया कि नई शिक्षा नीति में दूसरे संस्थानों के साथ अनुबंध करने पर जोर दिया गया है, ताकि अकादमिक गतिविधियों के आदान-प्रदान से शिक्षण गुणवत्तापरक हो सके। विद्यार्थियों को भी फायदा मिले।

हैदराबाद में डा. बीआर आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी और उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के बीच अनुबंध के दौरान कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी • सौ. उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी

इसी क्रम में देश की पहली ओपन यूनिवर्सिटी डा. बीआर आंबेडकर मुक्त विवि तेलंगाना के अनुबंध किया गया है। इसमें अनुसंधान और विकास सहयोग, शैक्षणिक कार्यक्रमों में संयुक्त भागीदारी, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज व मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स को बढ़ावा देना शामिल है। सहयोग का उद्देश्य कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ाना, शिक्षार्थियों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। प्रो. जीतेंद्र पांडे ने बताया कि ओईआर फेस्ट का प्राथमिक लक्ष्य यह है कि मुक्त विवि संस्थागत विकास के लिए मुक्त शैक्षिक संसाधनों का उपयोग कर सकें। साथ ही पाठ्यक्रम विकास के लिए बुनियादी ढांचे और मानव क्षमता को बढ़ाना, लागत बचत और बेहतर शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाना है, ताकि विद्यार्थियों और शिक्षको इसका लाभ मिले।

स्पेशल एजुकेटर्स को कम्यूनिकेशन सिखाएंगे स्पेक्स और यूओयू

■ पहले चरण की कार्यशाला में शामिल हुए कई एजुकेटर्स

देहरादून, 31 जनवरी (ब्यूरो): स्पेक्स संस्था तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय स्पेशल एजुकेटर्स को कम्यूनिकेशन करने की विधा को विकसित करेंगे। इसके पहले चरण में आयोजित ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन रोल ऑफ़ कम्युनिकेशन फॉर स्पेशल एजुकेटर्स में कई एजुकेटर्स शामिल हुए।

स्पेक्स के डा. बृज मोहन शर्मा ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य कम्यूनिकेशन को बढ़ाना तथा संभावित टारगेट ग्रुप को उनकी मूल आवश्यकता को समझकर उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करवाना है। इससे दिव्यांग बच्चों का समुचित विकास करके उनको मुख्य धारा से जोड़ने की कोशिश की जा रही है। इस कार्यक्रम में ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट ऑफ सोसायटी, स्मार्ट सर्किट प्राइवेट लिमिटेड तथा स्पीकिंग क्यूब भी अपना सहयोग दे रहे हैं।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कहा कि इस कार्यशाला से सभी को बहुत कुछ सीखने व समझने को मिला। डा. हेमलता तिवारी द्वारा सभी प्रतिभागियों से संप्रेषण के विभिन्न तरीकों के विषय में बात की। संप्रेषण बोलकर, देखकर, पढ़कर, लिखकर, हावभाव से किया जा सकता है। एक सही संप्रेषणकर्ता के लिए सही तरीके से अपनी बात को रखा जाता है। उनके द्वारा बहुत से उदाहरणों के माध्यम से अपने विषय को बताया गया।

क्लीनिकल साइक्लोजिष्ट रंजीता मुखर्जी द्वारा स्पेशल एजुकेटर्स को दिव्यांग बच्चों के मनोभावों को समझने की मनोवैज्ञानिक तरीके से संबंधित जानकारी से अवगत करवाया गया। संगीत एवं नाट्य विभाग के योगेश सोमी भट्ट तथा अभिषेक मैंदौला ने विभिन्न माध्यमों से उपयुक्त संप्रेषण के गुण बताए। इसके साथ ही नीतिका, स्मार्ट सर्किट प्राइवेट लिमिटेड के सौरभ कौशल व राघव शर्मा, डॉ दिनेश कुमार चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार अनुपम त्रिवेदी द्वारा भी कार्यशाला को संबोधित किया। इस दौरान नीरज उनियाल, रामतीरथ मौर्य, अशोक कुमार, श्रुति व्यास, मंगेश कुमार आदि उपस्थित थे। कार्यशाला ऑफ़ लाइन व ऑन लाइन दोनों ही माध्यम से आयोजित की गई।

यूओयू में प्रशिक्षण का समापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारतीय रेड क्रॉस समिति द्वारा उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी हल्द्वानी में आयोजित आपदा प्रबंधन प्राथमिक चिकित्सा का चार दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। चार दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न आपदाओं जानकारी, आपदा प्रबंधन व प्राथमिक से चिकित्सा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। अंतिम दिवस में मुंशी चौमवाल आपदा प्रबंधन समन्वयक द्वारा घायलों को स्ट्रेचर पर ले जाने, वैकल्पिक स्ट्रेचर बनाने की विधि बताई गई। श्री ख्याली राम सती लेक्चर फर्स्ट एड द्वारा एंबुलेंस के प्रकार पर जानकारी दी गई है तथा चार तरह से प्रशिक्षण में विभिन्न प्रशिक्षकों द्वारा दिए गए प्रशिक्षण का पुनर अभ्यास किया गया। डा. खान द्वारा प्रतिभागियों का टेस्ट लिया गया है। 30 प्रतिभागियों द्वारा शिक्षा प्राप्त किया गया। अंतिम दिवस की मुख्य अतिथि प्रो.पीडी पंत कुलसचिव उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर डा. पीके सहगल, नोडल अधिकारी रेड क्रॉस उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी हल्द्वानी, डा. राकेश रयाल, डा. फर्स्वान आदि प्रोफेसर प्रशिक्षण के अंतिम दिवस के अंतिम सत्र में मौजूद रहे।

विषय विशेषज्ञ सिखायेंगे प्रयोगात्मक बारीकियां

कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ।

यूओयू के विज्ञान विषयों की प्रयोगात्मक कार्यशाला आयोजित

देहरादून। एसजीआरआर पीजी कालेज में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान विषयों की प्रयोगात्मक कार्यशाला शुरू हो गई है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा बारीकियां सिखाई जाएगी।

सोमवार को कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर प्रदीप सिंह, उत्तराखंड मुक्त विवि के क्षेत्रीय निदेशक डा.संदीप नेगी, समन्वयक डा.एनबी पंत, विषय विशेषज्ञ डा.प्रवेश कुमार सहगल (जन्तु विज्ञान), डा.विनोद कुमार (रसायन विज्ञान), डा.रीना नेगी (भौतिक विज्ञान) व डा.पुष्पेश जोशी, (वनस्पति विज्ञान) ने किया।

क्षेत्रीय निदेशक डा.नेगी ने कहा कि कार्यशाला के दौरान विद्यार्थी विभिन्न प्रयोगशालाओं में रहकर प्रयोगों को सीखेंगे। इसके बाद वार्षिक प्रयोगात्मक परीक्षा आयोजित की जाएगी। प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं से प्रयोगशालाओं में सतर्कता व अनुशासन में की अपील की। कार्यशाला में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान व भूगोल की प्रयोगात्मक कार्यशाला दस दिनों तक चलेगी, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा वर्ष भर किये गये प्रायोगिक कार्यों को परखा जाएगा।

कार्यशाला में देहरादून जनपद के अध्ययन केन्द्रों के साथ अन्य क्षेत्रीय केंद्रों के विद्यार्थी भी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला में एमएससी रसायन विज्ञान के 121, एमएससी भौतिकी के 96, एमएससी वनस्पति विज्ञान के 105, एमएससी जन्तु विज्ञान के 93 एंव बीएससी के 39 विद्यार्थियों भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन डा.हर्षवर्धन पंत ने किया और विषय विशेषज्ञों का आभार जताया। इस मौके पर डा.दीपाली सिंघल, डा.एमके पुरोहित, डा.पूनम शर्मा, डा.मनोज बलूनी, डा.हरीश जोशी, डा.गीता रावत, डा.अरुण जोशी, दिग्विजय बिष्ट, गीता रतूड़ी, कुंदन सिंह, सुनील कुमार, सीएस खाली आदि मौजूद थे।

डीडी कॉलेज में 10 दिवसीय वर्कशॉप

60 छात्रों ने भाग लिया और भूगोल के प्रायोगिक विषय के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

वर्कशॉप में भाग लेते स्टूडेंट्स.

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (22 Jan): उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की ओर से 13 से 21 जनवरी तक 10 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन डीडी कॉलेज परिसर में किया गया. कार्यशाला का संचालन डॉ. दिव्यांशी दुबे ने किया. जिसमें करीब 60 छात्रों ने भाग लिया और भूगोल के प्रायोगिक विषय के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया. रिसोर्स पर्सन एसजीआरआर से डॉ. गीता रावत, डीडी कॉलेज से डॉ. दिव्यांशी दुबे और सौरभ चमोली थे. समापन समारोह में डॉ. रंजू जोशी उपस्थित रहीं. उन्हें डीडी कॉलेज के चेयरमैन जितेंद्र सिंह यादव ने सम्मानित किया. कार्यशाला एक उपयोगी अभ्यास था जिसने स्टूडेंट्स के ज्ञान को बढ़ाया और उन्हें विषय से संबंधित तमाम जानकारियां मुहैया कराईं.

Dehradun city की real time खबरों से update रहने के लिए Twitter पर फॉलो करें

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों की चुनौतियों पर चर्चा

यूओयू व एनआईईपीवीडी ने आयोजित की कार्यशाला

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीवीडी) द्वारा संयुक्त रूप से विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को लेकर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अभिभावकों को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया, ताकि वह अपने बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सके।

कार्यशाला में विचार व्यक्त करते विशेषज्ञ।

बुधवार को एनआईईपीवीडी के सभागार में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन एनआईईपीवीडी के निदेशक मनीष वर्मा, विशेष शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डा. विनोद केन, डा. पंकज कुमार और उत्तराखंड मुक्त विवि विशेष शिक्षा के विभागाध्यक्ष डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने चार सत्रों में अभिभावकों से सीधा संवाद किया और विभिन्न मुद्दों व चुनौतियों पर चर्चा की। पहले सत्र में डा. मुरली सिंह ने भाषण संबंधी समस्याओं पर चर्चा की और उनके समाधान पर जोर दिया।

द्वितीय सत्र में ड. विनोद केन ने दृष्टिबाधित बच्चों के अभिभावकों की समस्याओं पर प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में प्रीति अरोड़ा ने आटिज्म प्रभावित बच्चों के अभिभावकों की चुनौतियों पर चर्चा की। चौथे सत्र में ड. पंकज कुमार ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए सहायक उपकरणों के महत्व पर जानकारी दी। ओपन सत्र में स्मृति लोशाली व नीरजा बिष्ट ने छात्र-छात्राओं, प्रतिभागियों व अभिभावकों से संवाद किया। सत्र में अभिभावकों ने भी अपने अनुभव साझा किये। डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आभार जताया। साथ ही विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रमों पर जोर दिया, जो अभिभावकों को अधिक सक्षम बना सकें।

इस मौके पर अरविंद कोटियाल, तरुण नेगी, डा. सुभाष रमोला, डा. भावना डोभाल समेत अनेक लोग मौजूद थे।

पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली

महावीर प्रसाद जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विकासनगर में मनाया गया हरेला सप्ताह

संवाद सहयोगी, विकासनगर: महावीर प्रसाद जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर विकासनगर में हरेला सप्ताह मनाया गया। जिसमें गीत, भाषण, कला, स्लोगन प्रतियोगिता विद्यालय में कराई गई।

गुरुवार को विद्या भारती के सह प्रदेश निरीक्षक विनोद रावत, प्रधानाचार्य रामपाल सिंह, आचार्य व अभिभावकों ने पौधे रोपे। छात्र-छात्राओं द्वारा रैली नगर पालिका विकासनगर, मुख्य बाजार तक निकाली गई। पर्यावरण बचाने के लिए नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। विद्यालय परिसर में लगाए गए पेड़ पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी भी ली। छात्र-छात्राओं ने 'एक बच्चा, एक पौधा' नारे को सार्थक करते हुए पौधे लगाए। इस मौके पर आचार्य तेजपाल सिंह, रमेश चंद्र राव, राजकुमारी डोभाल, विशाखा शर्मा, नीरज बक्शी, परविंदर सिंह, नीमा रावत, आदर्श व रितिका, आकृति दिव्यांशु, आदित्य, दीक्षांत, वेदिका, लक्षिता, रिया आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

गुरुवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए हुए समाल्टा गांव में पौधरोपण करते हुए लोग • साभार कालेज

वहीं दूसरी ओर, एनफील्ड स्कूल में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर विद्यालय में सुगंधित औषधीय गुणों से भरपूर फलदार छायादार पौधों का छात्र-छात्राओं की ओर से रोपण किया गया। इस दौरान विद्यालय प्रधानाचार्य ओपी चुग ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इन रोपित पेड़ों की समय-समय पर देखभाल करने के लिए कहा। इस मौके पर उप प्रधानाचार्य उषा चौहान, रेखा चावला, पुनीता बडोनी, सोनिया चौहान, साहिल राणा, आशा रावत, रेनू भट्ट, पूजा, विजय, लक्ष्मी, प्रिया डोगरा, कृति, प्रमोद चंदोला आदि मौजूद रहे।

समाल्टा में रोपे गए पौधे : साहिया: हरेला सप्ताह के तहत उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए हुए गांव समाल्टा में पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में पीजी कालेज साहिया, अटल उत्कृष्ट जौनसार बावर राजकीय इंटर कालेज साहिया व ग्राम पंचायत समाल्टा ने संयुक्त रूप से पाटन स्थित विद्यालय भूमि पर पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विवि कैंपस प्रभारी निदेशक डा. सुभाष रमोला, पीजी कालेज चेयरमैन अनिल सिंह तोमर, राइंका साहिया प्रधानाचार्य जेएस बंगारी, समाल्टा प्रधान जयपाल सिंह तोमर, आनंद सिंह तोमर, नरेश जगूड़ी, सहायक प्रवक्ता डा. भावना डोभाल, अरविंद कोटियाल, चंद्र बल्लभ पोखरियाल, सुनील नेगी, महेश जगोठा, भरत सिंह, राघवेंद्र वर्मा, रमेश राणा, रूपेश कुमार नाथ, अनिरुद्ध कुमार, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, संजय थपलियाल, देवेंद्र सिंह तोमर, हरीश गैरोला, नीरज शर्मा, सीएस बहुखंडी आदि मौजूद रहे।

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें www.jagran.com

16 April 2024

का सहारा लेना पड़ रहा है। रोडवेज स्टेशन इंचार्ज जीवन आर्य कहना है कि बसों की कमी के कारण बसे ओवरलोड जा रही हैं। बसों के चालक परिचालक ... दिया गया है,अगर ओवरलोड सवारी में बसों का चालान किया जाएगा इसकी जिम्मेदारी चालक- परिचालक की होगी।

उत्तराखंड मुक्त विवि और जगत गुरु नानक देव पंजाब राज्य मुक्त विवि के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में सहयोगात्मक प्रयासों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी , हल्द्वानी और जगत गुरु नानक देव पंजाब स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, पटियाला ने 15 अप्रैल, 2024 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एमओयू आदान-प्रदान समारोह में जेजीएनडी पीएसओयू के रजिस्ट्रार प्रोफेसर मंजीत सिंह और उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और निदेशक डॉ. जितेंद्र पांडे के बीच उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो ओपीएस नेगी और जेजीएनडी पीएसओयू के कुलपति प्रो करमजीत सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षरित प्रतियों का आदान-प्रदान किया गया। डॉ. गुरदीप सिंह बत्रा, डीन- अकादमिक, डॉ. कंवलवीर सिंह ढींढसा- परीक्षा नियंत्रक, डॉ. बलजीत सिंह खेहरा- निदेशक-एलएससी, जैसी उल्लेखनीय हस्तियों ने सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समझौते में सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिसमें अनुसंधान और विकास सहयोग, शैक्षणिक कार्यक्रमों में संयुक्त भागीदारी, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) और मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) को बढ़ावा देना और कार्यक्रम डिजाइन और वितरण में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना शामिल है। समारोह में निदेशकों, परीक्षा नियंत्रक और स्कूलों के प्रमुखों सहित प्रमुख हितधारकों की उपस्थिति देखी गई, जो खुले और दूरस्थ शिक्षा की पहल को आगे बढ़ाने के लिए दोनों संस्थानों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

...न एक कला है जिसे हर ... चाहिए: प्रो. रूप लाल

हरेला पर्व पर पौधे रोपकर दिया पर्यावरण संरक्षण का सन्देश

देहरादून। हरियाली, शांति व समृद्धि के प्रतीक लोकपर्व हरेला सप्ताह के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने गोद लिए हुए गांव समाल्टा पहुँचकर अनेक फलदार पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पौधारोपण कार्यक्रम में सरदार महिपाल राजेंद्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज साहिया, अटल उत्कृष्ट जौनसार बावर राजकीय इंटर कॉलेज साहिया एवं ग्राम पंचायत समाल्टा ने संयुक्त रूप से पाटन स्थित विद्यालय भूमि पर पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कैम्पस प्रभारी निदेशक डॉ. सुभाष रमोला ने सभी लोगों से कहा कि उन्हें एक वृक्ष अवश्य रोपना चाहिए व उसके संरक्षण पर भी ध्यान देना होगा।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में इस प्रकार के सामाजिक कार्य में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने के लिए गांववासियों व समस्त जनप्रतिनिधियों का आह्वान किया।

परिसर समन्वयक नरेंद्र जगूड़ी ने कहा कि जंगल बचेंगे तो हम बचेंगे। जीव और वन ही जीवन है। इस दिशा में हमें औरों को भी प्रेरित करना होगा।

उन्होंने कहा लगाए गए पौधों के संरक्षण के लिए सभी को आगे आना चाहिए । पर्यावरण की सुरक्षा हेतु मिलकर जंगलों का संरक्षण करना चाहिए ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय कैम्पस प्रभारी निदेशक डॉ. सुभाष रमोला, एसएमआर जनजातीय (पीजी) कॉलेज के चेयरमैन अनिल सिंह तोमर, अटल उत्कृष्ट जौनसार बावर राजकीय इंटर कॉलेज साहिया के प्रधानाचार्य जे.एस. बंगारी, समाल्टा ग्राम पंचायत प्रधान जयपाल सिंह तोमर, आनन्द सिंह तोमर, नरेन्द्र जगूड़ी, सहायक प्रवक्ता डॉ. भावना डोभाल, अरविंद कोटियाल, चन्द्र बल्लभ पोखरियाल, सुनील नेगी, महेश जगोठा, भरत सिंह, राघवेंद्र वर्मा, रमेश राणा, रूपेश कुमार नाथ, अनिरुद्ध कुमार, मुकेश कुमार, दिनेश कुमार, संजय थपलियाल, देवेंद्र सिंह तोमर, हरीश गैरोला, नीरज शर्मा, सी.एस. बहुखंडी आदि मौजूद रहे।

लस कर्मी पूरी तरह से मुस्तैद रहे।

रैली जैसे ही बनभूलपुरा थाने के पास

मौजूद रहे।

मदनमोहन मालवीय की जयंती मनाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में महामना मालवीय फोरम द्वारा भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की 162वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण के साथ किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर पीडी पंत ने कहा कि मालवीय जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व विराट है। भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए आपके द्वारा अनेकों अद्वितीय कार्य किए गए है। महामना मालवीय फोरम के अध्यक्ष डा. एमसी जोशी ने अपनी अभिव्यक्ति कविता के माध्यम से प्रस्तुत की। संयोजक डा. शितिकंठ दूबे ने कहा कि मालवीय जी अपने अलौकिक कार्यकुशलता के लिए चिरकाल तक याद किए जाते रहेंगे। इस पावन अवसर पर समिति द्वारा विजेन्द्र श्रीवास्तव को पं. मदन मोहन मालवीय उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान, डा. ललित मोहन रखोलिया को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा सम्मान तथा गणेश जोशी को उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभागाध्यक्ष डा. नन्दन कुमार तिवारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डा. शशांक शुक्ला, डा. अरविंद भट्ट, प्रोफेसर संतोष सिंह, डा. मंगलम रस्तोगी, डा. रंजीत दूबे, डा. सचिन दूबे तथा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

यूआयू में भारतीय भाषा उत्सव शुरू

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्या शाखा की ओर से सोमवार को भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक एवं निदेशक मानविकी विद्या शाखा प्रो. रेनू प्रकाश द्वारा की गई। मुख्य वक्ता प्रो. गोपाल प्रधान ने कहा कि भारतीय भाषाओं में भिन्नता पाई जाती है। भिन्नता होते हुए भी भाषाओं में एक अतरसंबंध होता है, साथ ही भाषा में सहकारिता का गुण होता है। विशिष्ट वक्ता कुमाऊंनी भाषा प्रोफेसर प्रभा पंत ने कुमाऊंनी और गढ़वाली विभिन्न कवियों की रचनाओं का कुमाऊंनी भाषा में वाचन किया। विशिष्ट वक्ता गढ़वाली भाषा अमिता प्रकाश ने गढ़वाली भाषा के उद्भव, इतिहास और विकास के बारे में अपने विचार रखें। विशिष्ट वक्ता लोक भाषा आभा गखाल ने रंग भाषा के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए लोग भाषाओं के संवर्धन पर जोर दिया। मुख्य अतिथि संस्थापक धाद संस्था भाषाविद् लोकेश नवानी ने कहा कि यदि भाषा बची रहेगी तो समाज बचा रहेगा। कार्यक्रम में निबंध और कविता प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

प्रभारी कुलपति गिरीजा पांडे ने कहा कि भाषा उत्सव में संपूर्ण संस्कृति की बात करनी चाहिए। इस दौरान कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, डा. नागेंद्र सिंह गंगोला, डा. राजेंद्र सिंह, कुमार मंगलम, अनिल कार्की, डा. पुष्पा, डा. शैलजा, रेनू भट्ट, अफजल हुसैन, डा. नीरज तिवारी, डा. राहुल पंत आदि मौजूद रहे।

Appendix -IX (परिशिष्ट –IX)

विश्वविद्यालयीय मानव संसाधन

(Human Resource of University)

विश्वविद्यालय में शैक्षिक पद

क्र0सं0	विषय	प्राध्यापक	सह प्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक
1.	अंग्रेजी	-	डॉ. सुचित्रा अवस्थी	-
2.	ज्योतिष	-	-	डॉ. नन्दन कुमार तिवारी
3.	हिन्दी	-	डॉ. शशांक शुक्ला	डॉ. राजेन्द्र कैड़ा
4.	संस्कृत	-	-	-
5.	संगीत	-	-	प्रदीप कुमार
6.	प्रबन्ध अध्ययन		डॉ.मंजरी अग्रवाल	डॉ. सुमित प्रसाद
7.	वाणिज्य	-	डॉ. गगन सिंह	श्री सुनील कुमार
8.	इतिहास	प्रो. जी. पी. पाण्डे	डॉ. एम. एम. जोशी	-
9.	समाजशास्त्र	प्रोफेसर रेनू प्रकाश	-	-
10.	राजनीतिशास्त्र	-	-	डॉ. सूर्यभान सिंह (अवकाश पर)
11.	एम.एस. डब्लू	-	-	डॉ. नीरजा सिंह
12.	अर्थशास्त्र	-	-	डॉ. शालिनी चौधरी
13.	मनोविज्ञान	-	-	डॉ. सीता
14.	लोक प्रशासन	-	-	डॉ. घनश्याम जोशी
15.	कम्प्यूटर साइंस	प्रोफेसर दुर्गेश पन्त प्रोफेसर जितेन्द्र पाण्डे	डॉ. आशुतोष भट्ट	-
16.	वानिकी	-	डॉ. एच. सी. जोशी	-
17.	पर्यटन	-	-	डॉ. अखिलेश सिंह
18.	कृषि	-	डॉ. विरेन्द्र कुमार	-
19.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	-	डॉ. राकेश चन्द्र रयाल	श्री भूपेन सिंह
20.	गृह विज्ञान	-	-	डॉ. दीपिका वर्मा
21.	योग	-	-	डॉ. भानू जोशी श्री दीपक कुमार
22.	भूगर्भ विज्ञान	प्रोफेसर पी0डी0 पन्त	-	-
23.	भौतिकी	-	डॉ. कमल देवलाल	सुश्री गौरी डॉ. विशाल कुमार शर्मा
24.	रसायन विज्ञान	-	-	डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. विनोद कुमार, श्री दीपप्रकाश
25.	जन्तु विज्ञान	-	डॉ. प्रवेश कुमार सहगल	-

26.	वनस्पति विज्ञान	-	-	डॉ. सरस्वती नन्दन ओझा
27.	गणित	-	डॉ. अरविन्द भट्ट	डॉ. ज्योति रानी
28.	विधि	प्रोफेसर अखिलेश कुमार नवीन	-	दीपांकुर जोशी
29.	शिक्षाशास्त्र	-	डॉ. डिगर सिंह	डॉ. दिनेश कुमार डॉ. ममता कुमारी डॉ. कल्पना पाटनी लखेड़ा डॉ. देबकी सिरोला
30.	विशिष्ट शिक्षा	-	-	डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल
31.	होटल मैनेजमेन्ट	-	-	-

अल्पकालिक विनियोजित वरिष्ठ परामर्शदाता/परामर्शदाता तथा अकादमिक एसोसिएट का विवरण

क्र0सं0	विद्याशाखा	विषय	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	(शिक्षाशास्त्र)	श्रीमती मनीषा पंत सुश्री सुमन पिल्ख्वाल डॉ. दिनेश चन्द्र काण्डपाल श्रीमती प्रियंका सिह श्री विनय सिंह रावत
2.	विज्ञान विद्याशाखा	वनस्पति विज्ञान	डॉ. पूजा जुयाल कीर्तिका पडलिया डॉ. प्रभा बिष्ट ढौढियाल
3.	विज्ञान विद्याशाखा	प्राणी विज्ञान	डॉ. श्याम सिंह कुंजवाल डॉ. मुक्ता जोशी सुश्री पूर्णिमा नैनवाल डॉ. जया उप्रेती
4.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	भूगोल	डॉ. रंजू जोशी पाण्डे डॉ. प्रदीप कुमार पन्त डॉ. सुधांशु कुमार वर्मा श्री मोहन सिंह
5.	विज्ञान विद्याशाखा	रसायन विज्ञान	डॉ. चारु चन्द्र पंत डॉ. रूचि पाण्डेय
6.	कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा	आई.टी.एण्ड कम्प्यूटर साइंस	डॉ. बालम सिंह दफौटी सुश्री हिमानी शाह श्रीमती शिल्पा गुणवन्त सुश्री रिया गिरी डॉ. नीलिमा बुधानी श्री आशीष जोशी श्रीमती ललीता बिष्ट
7.	मानविकी विद्याशाखा	उर्दू	मो. अफजल हुसैन डॉ. शहपर शरीफ गुलाम जिलानी शाने अली मो0 सालिम

8.	मानविकी विद्याशाखा	संगीत	डॉ. द्विजेश उपाध्याय डॉ. अशोक चन्द्र टम्टा श्री जगमोहन परगॉई श्री प्रकाश चन्द्र आर्या
9.	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	गृह विज्ञान	श्रीमती मोनिका द्विवेदी
			डॉ. प्रीति बोरा डॉ. पूजा भट्ट डॉ. ज्योति जोशी
10.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	पत्रकारिता एवं जनसंचार	श्री राजेन्द्र सिंह क्वीरा
11.	पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन विद्याशाखा	होटल मैनेजमेन्ट/ पर्यटन	डॉ. सुभाष चन्द रमोला सुश्री प्रिया बोरा डॉ. आशीष टम्टा डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय
12.	व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा	व्यावसायिक अध्ययन	डॉ. गोपाल दत्त
13.	विज्ञान विद्याशाखा	भौतिकी	डॉ. मीनाक्षी राणा डॉ.राजेश मठपाल
14.	विज्ञान विद्याशाखा	गणित	डॉ. कमलेश बिष्ट श्री दीपक कुमार शर्मा
15.	मानविकी विद्याशाखा	ज्योतिष	डॉ. प्रभाकर पुरोहित डॉ. प्रमोद जोशी डॉ. रंजीत दूबे डॉ. विजय प्रसाद रतूड़ी
16.	मानविकी विद्याशाखा	संस्कृत	डॉ. नीरज कुमार जोशी डॉ. सुधीर प्रसाद नौटियाल डॉ. राहुल पन्त
17.	पुस्तकालय एंवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा	पुस्तकालय विज्ञान	सुश्री प्रीति शर्मा
18.	भौमिकी एवं पर्यावरण विद्याशाखा	वानिकी	डॉ. वीना तिवारी फुलारा डॉ. कृष्ण कुमार टम्टा सुश्री नेहा तिवारी
19.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	समाज शास्त्र	डॉ. भावना डोभाल डॉ. गोपाल सिंह गौनिया सुश्री शैलजा
20.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	इतिहास	श्री विकास जोशी श्री जितेश कुमार जोशी सुश्री संपत्ति नेगी
21.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	राजनीति विज्ञान	श्री हिमांशु पुनेठा श्रीमती आरूषि डॉ. लता जोशी सुश्री नियती रावत
22.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	लोक प्रशासन	श्री शुभांकर शुक्ला श्री सुमित सिंह श्री प्रमोद कुमार चन्याल
23.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	अर्थशास्त्र	डॉ. नमिता वर्मा सुश्री दीक्षा कुमारी
24.	समाज विज्ञान विद्याशाखा	मनोविज्ञान	डॉ. रूचि तिवारी डॉ. भाग्यश्री जोशी डॉ. ललित मोहन पन्त
25.	मानविकी विद्याशाखा	अंग्रेजी	डॉ. नागेन्द्र सिंह गंगोला

			डॉ. मेघा पन्त
26.	मानविकी	हिन्दी	डॉ. मंगलम कुमार रस्तोगी डॉ. अनिल कार्की श्रीमती पुष्पा बुडलाकोटी
27.	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	विशिष्ट शिक्षा विभाग	सुश्री भावना धौनी श्री तरूण नेगी श्रीमती रश्मि सक्सेना
28.	प्रबन्ध अध्ययन विद्याशाखा	प्रबन्धन	श्री सोमेश पाठक
		वाणिज्य	डॉ. प्रिया महाजन डॉ. सचिन दूबे डॉ. गीतांजली भट्ट शर्मा
29.	योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विद्याशाखा	योग	सुश्री नीता देवोलिया सुश्री दीक्षा बिष्ट डॉ. अनिल कोठारी
30.	सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा	समाज शास्त्र	श्रीमती कुशा सिंह डॉ. अपराजिता उपाध्याय

शासन द्वारा नियोजित सहायक कुलसचिवों का नाम

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	सहायक कुलसचिव	वित्त	श्री अभिषेक कुमार वाजपेयी
2.	सहायक कुलसचिव		श्रीमती रत्ती डोगरा
3.	सहायक कुलसचिव	भण्डार	श्री भूपेन सिंह
4.	सहायक कुलसचिव	शोध	श्री विक्रान्त कुमार
5.	सहायक कुलसचिव	अनुरक्षण	श्री दीपक कुमार

अल्पकालिक व्यवस्था के अन्तर्गत नियोजित प्रशासनिक परामर्शदाता/तकनीकी परामर्शदाताओं का विवरण

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत् कार्मिक का नाम
1.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	श्री अनिल नैलवाल
2.	तकनीकी परामर्शदाता (रेडियो)	कम्यूनिटी रेडियो	सुनीता भट्ट
3.	तकनीकी परामर्शदाता ICT	ICT	विनय कुमार टम्टा
4.	कैमरामैन	ICT	विभू कांडपाल
5.	विडियो एडिटर	ICT	हरीश कुमार गोयल
6.	प्रशासनिक परामर्शदाता	मॉडल स्टडी सेन्टर	श्री विनोद विरखानी
7.	प्रशासनिक परामर्शदाता	परीक्षा अनुभाग	श्रीमती कंचन बिष्ट
8.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	नरेन्द्र कुमार जगूडी
9.	प्रशासनिक परामर्शदाता	शोध एवं नवाचार	राजेन्द्र जोशी
10.	प्रशासनिक परामर्शदाता	देहरादून परिसर	योगेन्द्र चन्द्र गुरूरानी

ICT एवं IT अनुभाग के नियमित कर्मचारी गण

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरत कार्मिक का नाम	पद की प्रवृति
1.	नैटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर	श्री मोहित रावत	नियमित
2.	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	श्री जितेन्द्र द्विवेदी, श्री राजेन्द्र गोस्वामी	नियमित
3.	हार्डवेयर इंजीनियर	श्री राजेश आर्या, श्री विनीत पौड़ियाल,	नियमित
4.	प्रशासनिक अधिकारी	श्री पी0एस0 परिहार	नियमित
5.	आशुलिपिक ग्रेड-2	श्री संजय भट्ट	नियमित
6	वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक	श्री विमल कुमार	नियमित
7	सहायक निदेशक कम्प्यूटर आईटी	श्री गुरूदेव सिंह राणा	नियमित
8	सहायक निदेशक कम्प्यूटर आईटी	श्री अनुराग भट्ट	नियमित
9	सहायक निदेशक कम्प्यूटर आईटी	श्री नवनीत कुमार	नियमित
10	सहायक निदेशक कम्प्यूटर आईटी	श्री पवन कुमार	नियमित

बाह्य सेवा प्रदाता (उपनल) के माध्यम से पूरित किये जाने हेतु सृजित पद

क्र0सं0	पदनाम	कार्यरतकार्मिक का नाम
1.	वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेटर	श्री राकेश पपनै
2.	कम्प्यूटर लिट्रेट स्टेनो	श्रीमती बबीता दास
3.	कम्प्यूटर लिट्रेट एकाउन्टेंट	श्री हर्षवर्धन लोहनी
4.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	कु0 कमला राठौर, श्री योगेश मिश्रा, श्री पंकज बिष्ट,
5.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री मनोज कुमार शर्मा, श्री संतोष ढौडियाल
6.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री बसंत बल्लभ काण्डपाल, श्री चारु चन्द जोशी
7.	कम्प्यूटर लिट्रेट क्लर्क	श्री गोपाल सिंह, श्री मनमोहन त्रिपाठी,
8.	डाटा एंट्री ऑपरेटर/क्लर्क टाइपिस्ट	श्रीमती मधु डोगरा, श्री अनिल कुमार पंत
9.	कम्प्यूटर ऑपरेटर,	कु. पूनम खोलिया
10.	कोऑर्डिनेटर	श्री नंदन अधिकारी, श्री मोहन चन्द्र पाण्डे,
11.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती दीपा फुलारा, श्रीमती रेखा बिष्ट,
12.	कोऑर्डिनेटर	श्रीमती रंजना जोशी, श्री अजय कुमार सिंह,
13.	कोऑर्डिनेटर	श्री विनय जोशी, श्री निर्मल सिंह धौनी
14.	कम्प्यूटर लिट्रेट पी0ए0,	श्री रमन लोशाली
15.	इलैक्ट्रीशियन,	श्री दिनेश पाल सिंह
16.	ड्राइवर,	श्री मनीष कुमार
17.	लैब असिस्टेंट	श्री मनीष बुंगला
18.	चतुर्थ श्रेणी कार्मिक	श्री हेमचन्द, श्री व्यास सिंह, श्री चन्द्र शेखर सुयाल
19.	क्लर्क कम टाइपिस्ट,	श्री कुन्दन सिंह
20.	कैटलागर्स,	श्री राकेश पन्त,
21.	अनुसेवक	श्री चेत बहादुर
22.	स्टोरमेट	श्री बलबन्त राम

23.	बुक लिफटर	श्री दीपक चन्द्र उप्रेती
24.	प्लम्बर	श्री देवेन्द्र प्रसाद
25.	हेल्पर	श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
26.	माली	श्री मनोज कुमार
27.	स्वच्छक	श्री दलीप
28.	चपरासी	कु. नीमा उप्रेती, श्रीमती उषा देवी, श्री कैलाश राम विश्वकर्मा, नवीन चन्द्र जोशी

विश्वविद्यालय में नियोजित विनियमित कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रानीखेत	श्री रविन्द्र कुमार कोहली
2.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय रुड़की	श्री महबूब आलम
3.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून	श्री बृज मोहन सिंह खाती
4.	लिपिक	क्रय अनुभाग	श्री हेम चन्द्र छिमवाल
5.	लिपिक	अधिष्ठान	श्री राहुल बिष्ट
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री फिरोज खान
7. 8.	लिपिक लिपिक	निदेशालय, क्षेत्रीय सेवाएं क्षेत्रीय कार्यालय, पिथौरागढ़	श्री भरत नैनवाल श्री त्रिलोचन पाटनी
9.	वाहन चालक	कुलसचिव	श्री देवेन्द्र सिंह नेगी
10.	वाहन चालक	कुलपति	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे
11.	वाहन चालक	वित्त नियन्त्रक	श्री शेखर उप्रेती

विश्वविद्यालय में नियोजित संविदा कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय पौड़ी	श्री सत्येन्द्र सिंह रावत
2.	लिपिक	परीक्षा अनुभाग	श्री मोहन चन्द्र बवारी
3.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्री दिनेश कुमार
4.	चतुर्थ श्रेणी	निदेशक मानविकी	श्री दिनेश चन्द्र फुलेरा
5.	चतुर्थ श्रेणी	कुलसचिव कार्यालय	श्री जगत सिंह बंगारी
6.	-	स्वच्छक अनुरक्षण	श्रीमती छाया देवी

बाह्य सेवा प्रदाता (ड्रेस रोजगार डॉट कॉम) के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी के रुप में कार्यरत कार्मिक

क्र0सं0	पदनाम	अनुभाग	कार्यरत कार्मिक का नाम
1.	लिपिक	लेखा अनुभाग	श्रीमती पूजा हेडिया
2.	लिपिक	एम0पी0डी0डी0	श्री दीपक पन्त
3.	लिपिक	परीक्षा	श्री राहुल नेगी
4.	लिपिक	परीक्षा	श्री उमाशंकर नेगी
5.	लिपिक	परीक्षा	श्री हेमचन्द्र
6.	लिपिक	प्रवेश	श्री प्रमोद चन्द्र जोशी
7.	लिपिक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	कु. दीपिका रैकवाल
8.	लिपिक	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री उमेश सिंह खनवाल
9.	योग प्रशिक्षक	स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा	श्री ललित मोहन
10.	लिपिक	आर0एस0डी0 / मानविकी	श्री मोहन जोशी

11.	लिपिक	क्षेत्रीय कार्यालय,उत्तरकाशी	श्री धनेश्वर नेगी
12.	लिपिक	देहरादून परिसर	श्रीमती अपर्णा कुकरेती
13.	चतुर्थ श्रेणी	पुस्तक वितरण प्रकोष्ठ	श्री भुवन चन्द्र पलड़िया
14.	चतुर्थ श्रेणी	लेखा अनुभाग	श्री भीम आर्या
15.	स्वच्छक	अनुरक्षण	श्री अनिल कुमार
16.	स्वच्छक	देहरादून परिसर	श्री सतीश सिंह
17.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री धीरेन्द्र सिंह
18.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री दीपक रतूड़ी
19.	सुरक्षा कर्मी	देहरादून परिसर	श्री सुरेश प्रसाद
20.	लिपिक	RTI	सुश्री लक्ष्मी धामी
21.	लिपिक	स्वागत पटल	निर्मला देवी
22.	लिपिक	क्रय अनुभाग	गोकुल चन्द्र कुशल
23.	लिपिक	योग	यशवन्त कुमार
24.	लिपिक	परीक्षा	दिव्या गोड
25.	लिपिक	स्वागत पटल	आकांक्षा रावत
26.	लिपिक	प्रवेश	पूनम पानू
27.	लिपिक	MPDD	कमल सिंह पवार
28.	लिपिक	MPDD	पूरन लाल शाह
29.	लिपिक	देहरादून परिसर	राहुल देव
30.	लिपिक	देहरादून परिसर	सुनील
31.	लिपिक	परीक्षा	माला उपाध्याय
32.	लिपिक	कुलपति आवास	गोधन सिंह
33.	लिपिक	MPDD	हीरा सिंह
34.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	लीला वेलवाल
35.	लिपिक	अनुरक्षण अनुभाग	नरेन्द्र पाल
36.	लिपिक	कुलपति कार्यालय	लालू प्रसाद
37.	स्वीपर	सफाइ कर्मी	अभिषेक कुमार
38.	लिपिक	MPDD	सरिता
39.	लिपिक	MPDD	शेखर चन्द्र
40.	लिपिक	SOS	अश्विनी कुटियाल
41.	लिपिक	कुलसचिव कार्यालय	अजय आर्या
42.	लिपिक	RSD	दीप्ति पांगती
43.	सुरक्षाकर्मी	कुलपति	प्रदीप कुमार मिश्रा

Appendix- X (परिशिष्ट –X)

PROGRAMMES AT A GLANCE
पाठ्यक्रम एक दृष्टि में

UNDER GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
Bachelor of Arts (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of arts with Psychology BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Geography (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Art with Music (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Commerce (BCOM-17)	10+2	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Business Administration (BBA-17)	10+2	3	6	English	Annual
Bachelor of Science (BSCG-17) (ZBC/ ZBF/BCF/BFG/PCM/PGM Groups)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science - (BSCG-17) (PCM/PGM Group)	10+2 Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Science – (BSCG-17) Single Subject	Graduation in Science	3	6	English	Annual
Bachelor of Computer Application (BCA-17)	10+2 (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme, exam fee for the subject will be charged separately) / BCAPP Lateral entry (BCA IIIrd Sem): Diploma in Computer Application / IT (DCA/DIT)/ Diploma (Polytechnic) in relevant stream	3	6	English	Semester
Bachelor of Arts (Yoga) - (BAY-17)	10+2, or equivalent Learners having diploma in Yoga and Naturopathy from UOU may take admission directly in second year	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Tourism and Travel Management (BTTM-17)	10+2	4	8	English	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	Hindi	Annual
Bachelor of Arts with Mathematics & Geography - (BA-17)	10+2 / Equivalent	3	6	English	Annual
Bachelor of Arts with Home Science – BA-17	10+2 / Equivalent	3	6	English/ Hindi	Annual
Bachelor of Special Education- (Mental Retardation) B.ed. Spl. Ed. (BEDSEMR-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Special Education- (Learning Disability) – B.Ed. Spl. Ed. (BEDSELD-19)	Graduation	2.5	5	Hindi	Semester
Bachelor of Education – B.Ed.					

POST GRADUATE PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		

Master of Computer Application (MCA-17)	Graduation in any stream (Candidates not having Mathematics at 10+2 level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: MCA IIIrd SEM: BCA/BSc (CS/IT), A Level from DOEACC, PGDCA, MCA Vth Semester: MSc (IT/CS)	3	6	English	Semester
Master of Arts (Geo Informatics) MA (Geo Informatics) (MAGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Semester
Master of Science (Geo Informatics) M.Sc. (Geo Informatics) (MSCGIS-17)	Graduation in any stream Lateral entry: MGIS IInd Year to PGDGIS	2	4	English	Semester
Master of Science (Cyber Security) M.Sc. (Cyber Security) MSCCS-18	Graduation (Science/IT) Lateral entry: DOEACC A level? PGDCA/PGD in Cyber security B.E or B.TECH in Computer Science & Engineering	2	4	English	Semester
Master of Science (Information technology) M.Sc. (Information Technology) MSCIT-17	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level	2	4	English	Semester
Master of Information Technology (MSCIT-17)	Graduation with Mathematics at graduation or 10+2 level. However, candidates not having Mathematics at 10+2 level or Graduation level will have to pass one qualifying Mathematics paper during course of the programme. Exam fee for the subject will be charged separately). Lateral Entry: B.Tech./B.E./A-level from DOEACC after graduation / PGDCA and graduation	2	4	English	Semester
M.A. Education (MAED-17)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Economics) MA (Economics) MAEC-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (History) MA (History) MAHI-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi h	Semester
Master of arts (Political Science) MA (Political Science) MAPS-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Public Administration) MA (Public Administration) MAPA-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Sociology) MA (Sociology) MASO-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Scial work MA (Social work) MSW-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Psychology) MA (Psychology) MAPSY-18	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Hindi) MA (Hindi) MAHL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (English) MA (English) MAEL-17	Graduation in any stream	2	6	English	Semester
Master of Arts (Sanskrit) MA (Sanskrit) MASL-17	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
MASTER OF ARTS (JYOTISH) MA (JYOTISH) MAJY-21	Graduation in any Stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Performing Arts (Music) MPAM-19	बी0ए0 संगीत विषय की संबंधित विधा जैसे गायन,तबला आदि के साथ या बीएससी/बी.कॉम/ बीए संगीत विषय के बिना स्नातक डिग्री के समकक्ष कोई उपाधि के साथ स्नातक के समकक्ष डिप्लोमा जैसे भातखण्डे संगीत विद्यापीठ लखनउ का संगीत विशारद/ प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद का संगीत प्रभाकर/ अखिल भरतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल मुंबई का संगीत विद आदि।	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Yoga) MA (Yoga)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Home Science) MA (Home Science)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Arts (Journalism) MA (Journalisim)	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
	Graduation in any stream	2	6	Hindi	Semester
Master of Tourism and Travel Management (MTTM-17)	Graduation in any stream	2	4	English	Semester
Master of Buisness administration MBA MBA-17	50% Marks at Graduate or post Graduate level or 45% at graduate or Post graduate level along with 2 Years of supervisory/ managerial/Professional/teaching experience after	2	4	English	Semester

	completing graduation or Post graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student) 5% relaxation for reserve category) Admission through entrance test conducted by the university/ MAT/ CAT score				
Master of Commerce M.Com MCOM-17	B.Com	2	6	Hindi	Semester
Master of Science (BOTANY) MSCBOT-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (CHEMISTRY) MSCCH-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (PHYSICS) MSCPHY-17	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Arts (MATHEMATICS) MAMT-19	10+2+3 (Must have Mathematics as a Subject in BA)	2	6	English	Semester
Master of Science(MATHEMATICS) MSCMT-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (ZOOLOGY) MSCZO-19	Graduation is Concerned Subject	2	6	English	Semester
Master of Science (ENVIRONMENTAL SCIENCE) MSCES-19	Graduation in any Science discipline	2	6	English	Semester
Master of Arts (Geography) MAGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Semester
Master of Science (Geography) MSCGE-19	Graduation in any Subject	2	6	Hindi	Semester
PG Programmes where admissions are carried out through entrance examination (M.B.A.)					
Master of Business Administration (MBA-17)	50% Marks at graduate or post-graduate level or 45% at Graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial/ professional/ teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category).Admission through entrance test conducted by the University / MAT / CAT score	2	4	English	Semester

POST GRADUATE DIPLOMA PROGRAMMES

Programme Name & (Code)	Eligibility	Duration (Yrs)		SLM	Mode of Exam
		Min	Max		
PG Diploma in Computer Application (PGDCA-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma in Geo Informatics (PGDGIS-17)	Graduation in any stream	1	3	English	Annual
PG Diploma In Disaster Management (PGDDM-17)	Graduation in any subject	1	3	English / Hindi	Annual
PG Diploma in Cyber Law (PGDCL-17)	Graduation in any stream	1	3	English-Hindi	Annual
PG Diploma in Journalism and Mass Communication (PGDJMC-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Broadcast Journalism & New Media (PGDBJ-17)	Graduation in any stream	1	3	Hindi	Semester
PG Diploma in Cyber Security PGDCS-17	Graduation in any stream	1	3	English	Semester
PG Diploma Programmes where admissions are carried out through entrance examination (PGDMM, DIM and PGDHRM)					
PG Diploma in Marketing Management (PGDMM-17)	50% Marks at graduate or post graduate level with 1 year experience in the relevant field. Further those having 45% marks at graduate level or post graduate level shall also be eligible with 2 years' of supervisory/ managerial/ professional / teaching experience after completing graduation or post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student).(5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT /CAT score	1	3	English	Semester
PG Diploma Human Resource Management (PGDHRM-17)		1	3	English	Semester
Diploma in Management (DIM-17)	50% Marks at graduation or at post graduation level or 45% at graduate or post graduate level along with 2 years' of supervisory / managerial / professional / teaching experience after completing graduation or	1	3	English	Semester

	post-graduation (even if the degree has been obtained in ODL mode or as a private student). (5% relaxation for reserved category). Admission through entrance test conducted by University / MAT/ CAT score				
DIPLOMA PROGRAMMES					
Programme Name (Code)	**Eligibility**	**Duration (Yrs)**		**SLM**	**Mode of Exam**
		Min	**Max**		
Diploma in Value Added Products from Fruits and Vegetables (DVAPFV-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Commercial Horticulture (DCH-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Public Health and Community Nutrition (DPHCN-17)	10+2	1	3	Hindi	Semester
Diploma in Yogic Science (DYS-17)	10+2 or equivalent	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Management of Non-wood Forest Products (DMNWFP-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Phalit Jyotish (DPJ-17)	10+2 or Certificate in Jyotish	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Vastu Shastra (DVS-20)	10+2 or Certificate in Vastu	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Hotel Management (DHM-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Tourism Studies (DTS-17)	10+2	1	4	English	Annual
Diploma in Information Technology(DIT-17)	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Vadic Karmkand (DVK-17)	10+2	1	3	Hindi	Annual
Diploma in Right to Information	10+2	1	3	English	Semester
Diploma in Hospitality Adminstration	10+2	1	4	English	Annual
D.Voc. (Digital Marketing & Management) – DVDMM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- DVEOM-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
D.Voc.(Technology Enabled Education)- DVTEE-19	12th Pass or Equivalent	1	3	English	Semester
DMA-21 Diploma in Medical Astrology	12th Pass or Equivailent	1	3	Hindi	Yearly
CERTIFICATE PROGRAMMES					
Programme name (code)	**Eligibility**	**Duration (yrs)**		**SLM**	**Mode of exam**
		Min	**Max**		
Certificate in Organic Farming (CCOF-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Geo Informatics (CGIS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Computer Application (CCA17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in e-Governance and Cyber Security (CEGCS-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur (CAM-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Herb Cultivation (CAHC-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Ayurvedic Food and Nutrition (CAFN-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Yogic Sciences (CYS-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate in Naturopathy (CIN-17)	10+2 or equivalent	½	1	Hindi	Semester
Certificate Course in Office Management (CCOM-17)	10th pass	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Vedic Karmkand (CVK-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Phalit Jyotish (CPJ-17)	10th	½	2	Hindi	Semester

Certificate in Sanskrit Language (CSL-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Panchayati Raj (CCPR-17)	10th	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Memory Enhancement (CME-17)	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Programme in Japanese Language (CPJL-17)	10+2	½	2	English	Semester
Certificate in Ayurvedic Masseur CAM-17	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate Course in Food & Nutrition CFN-18	10+2	½	2	Hindi	Semester
Certificate in Web Designing & Deveploment CWBD-18	10+2	½	2	Hindi English	Semester
Certificate in Right to Information CRTI -17	10+2	½	2	English	Semester
Foundation Course in Special education FC-SEDE	10+2 or in Service Teacher	3	12	Eng./Hindi	Semester
Certificate in Banking Insurance Law (CBIL-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Human Rights (CHR-19)	Graduation in any Stream	1/2	2	English	Semester
Certificate in Non-wood Forest Products CNWFP-20	10+2	0.5	1.5	English	Semester
C.Voc. (Web Designing & Development) – CVWDD-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc. (Digital Marketing & Management) – CVDMM-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(soft Skill & E-Office Management)- CVEOM-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
C.Voc.(Technology Enabled Education)- CVTEE-19	10th Pass or Equivelent	6	2	English	Semester
CVC-21 (Certificate in Vedic osmology)	10th	½	2	Hindi	Semester

Appendix- XI (परिशिष्ट –XI)
क्षेत्रीय केन्द्रों की सूची (List of Regional Centres)

S. No	Regional Centre	Code	Regional Director	Address	Contact No.	E-mail
1	Dehradun	11	Dr. Sandeep Negi	Sri Guru Ram Rai Post Graduate College (SGRR PG College), Patthribagh, Dehradun, India, Dehradun, Uttarakhand 248001	9412031183 0135-2720027	dehradun@uou.ac.in
2	Roorkee	12	Dr. Rajesh Chandra Paliwal	B.S.M. P.G. COLLEGE, Railway Road, Roorkee- 247667 Disst. Haridwar(Uttarakhand)	919412439436 01332-274365	roorkee@uou.ac.in
3	Pauri	14	Dr. A.K Dobriyal	H.N.B.Garhwal Central University, Pauri Campus, City - Pauri, PIN – 246001	9412960687 01368-223308	pauri@uou.ac.in
4	Uttarkashi	15	Dr. Suresh Chandra	Ram Chandra Uniyal Government Post Graduate College, Uttarkashi Tehsil- Bhatwari Uttarkashi - 249193	01374-222004 9557557880	uttarkashi@uou.ac.in
5	Haldwani	16	Dr. Rashmi Pant	Motiram Baburam Govt. Post Graduate College Nainital Road, Haldwani - 263139	9411162527 05946-284149	haldwani@uou.ac.in
6	Ranikhet	17	Dr. Yogendra Chandra Singh	Government (PG) College Ranikhet, District Almora – 263647,	05966-220474 9997272828	ranikhet@uou.ac.in
7	Pithoragarh	18	Dr. Bipin Chandra Pathak	L.S.M. Government PG College, Post office- Degree College, Pithoragarh, Dist- Pithoragarh PIN – 264015	9412093678 05964-264015	pithoragarh@uou.ac.in
8	Bageshwar	19	Dr. B.C Tiwari	Government PG College, Tehsil & Distt. - Bageshwar, PIN – 263642 (Uttarakhand)	9412044914 05963-221894	bageshwar@uou.ac.in

Appendix XII (परिशिष्ट –XII)

अध्ययन केंद्रों की सूची (List of Study Centres)

Region: Dehradun (11)

Sl.No	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	11000	UOU Model Study Center	UCF SADAN, VISHNU VIHAR NEAR PRASAR BHARTI KENDRA, AJABPUR KALA, DEHRADUN-248121	Sh. Narendra Jaguri (7500418040)
2.	11017	Uttaranchal Ayurvedic College	17, Old Mussorie Road, Rajpur, Dehradun, PIN – 248009	Dr. Akshay Kumar Gaur (9837290962)
3.	11020	SGRR PG college	Pathribagh, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Harshvardhan Pant (7055990555, 9760696596)
4.	11112	VSKC Govt. Degree College	Dakpather, Dehradun, PIN – 222481	Dr. Rakesh Mohan Nautiyal (7895655228)
5.	11113	Uttaranchal Institute of Hospitality Management and Tourism Dehradun	Ghar Vihar Phase 2, Mohakampur, Dehradun, PIN – 248001	Sh. Sanjay Joshi (9568955464)
6.	11115	D.D. College Nimbuwala	25, Nimbuwala, Dehradun, PIN – 248003	Sh. Jitesh Singh (9936794929)
7.	11125	Pandit Lalit Mohan Sharma Govt. P.G. College	Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Dr Ved Prakash (9760923214)
8.	11126	M.P.G .College Mussoorie	Mussoorie, Distt. Dehradun, PIN – 248179	Sh. Anil Khanduri (9412931825, 8476087862)
9.	11127	Universal Institute Professional Studies	102 Taj Complex, Ambedkar Chowk, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249201	Sh. Kushal Bisht (9897788008)
10.	11128	Government Degree College Raipur	Maldevta, Raipur, Dehradun, PIN – 248001	Dr. Ashish Kumar Sharma (9719713300)
11.	11130	Sardar Mahipal Rajendra Degree College	Sahiya, Tehsil Kalsi, Distt. Dehradun, PIN –248196	Dr. Pushpa Jhaba (9758143298)
12.	11131	Universal Gairola Tourism & Technical Excellency (UGTE)	Near Nepali Farm Tiraha, Dehradun Road Village Khairi Khurd, Shyampur , Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249204	Dr. Surendra Prasad Rayal (9897761496)
13.	11132	Rishikesh Yog Dham Sansthan	Tapovan, Rishikesh, Distt. Dehradun, PIN – 249192	Dr. Vijendra Prasad Kaparwan (9837973458)
14.	11133	Institute of Technology & Management	60 Chakrata Road Dehradun, PIN – 248001	Sh. Ashutosh Uniyal (9634796551)
15.	11134	Government Degree College Pawki Devi	Pawki Devi, Tehri Garhwal, PIN – 249192	Dr. Sangeeta Bahuguna (9412110268, 8218809617)
16.	11135	Mahayogi Gurugorakhnath Degree College Bithyani	Bithyani (Yamkeshwar), Chai Damrada, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246121	Sh. Ram Singh Samant (7409150642)
17.	11136	Sri Gulab Singh Rajkiya Mahavidyalaya Purodi	Mussoorie Road, Chakrata, Distt. Dehradun Pin - 248123	Dr. Sunil Kumar (9639830380)
18.	11137	Jagannnath Vishwa College	Majri Grant, Lal Tapper, Doiwala, Distt. Dehradun, PIN – 248140	SH. Vikram Singh (9997221256 , 7055661122)
19.	11138	S D M Government Post Graduate College	Bhaniyawala, Doiwala Distt. Dehradun, Pin – 248001	Dr. Sumit Kumar Kuriayal (9456556249)
20.	11139	Nav Chetna College	Near Bala Sundari Temple, Manduwala, Dehradun, Pin – 248007	Shri Deepak Badoni (7895929760)

Region: Roorkee (12)

S. No.	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	12002	HEC PG College	Kanya Gurukul, Campus, Near Chhoti Nehar, Kankhal, Haridwar, PIN – 249408	Sh. Tara Singh (9358222796)
2.	12008	BSM PG College Roorkee	Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247 667	Sh. Rajnish Sharma (9837006200)
3.	12011	RMP PG College Roorkee	Gurukul Narsan, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247670	Dr. Savendra Singh (9412465331)
4.	12012	Chaman Lal Degree College Landhaura	Landhaura, Roorkee, Distt. Haridwar, PIN – 247667	Dr. Sushil Upadhyay (9997998050)
5.	12020	Vidhya Vikasini Degree College of Management & Technology	Gurukul Narsan , Haridwar, PIN – 247670	Dr. Priya Chaturvedi
6.	12034	Kunti Naman Degree College	NH-58, Near Patanjali Yogpeeth Phase –II, Bhadedi, Rajputan, Roorkee, Distt. Haridwar	Sh. Narendra Kumar (9719925486)
7.	12042	Government P.G College Kotdwar	Kotdwar, Distt- Pauri Garhwal PIN – 246149	Dr. Praveen Joshi (Coordinator) (9412025727)
8.	12047	Roorkee Divya Yog Sanshthan	Chudiyala Road, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar	Mr. Amit Kumar (9837179363)
9.	12058	Sai Institute	Govindpuri, Haridwar, Distt. Haridwar, PIN – 249401	Sh. Sanjeev Sharma (9368421419)
10.	12061	Mohini Devi Degree College	Iqbalpur Road, Asaf Nagar (Near Shastri Puram), Roorkee, Distt. Haridwar, Pin – 247667	Ms. Maneesha Singhal (8445003279)
11.	12076	Mahendra Singh Degree College	Budhwa Shahid, Buggawala, Haridwar	Dr. Roma (9760810025)
12.	12078	Government Degree College	Manglour, Near Manak Chowk, Distt. Haridwar	Dr. Anurag (9690423852)
13.	12079	Hariom Saraswati P.G. College	Dhanauri, Distt. Haridwar	Dr Sharad Kumar Pandey (9012271593)
14.	12080	H E C Group of Institutions	Laksar Road Jagjeetpur Haridwar, PIN – 249408	Dr. Mausmi Goel (9358222793)
15.	12081	Jhanvi Ayurveda Evam Yog Sansthan	Haripur Kalan, Near Prem Vihar Chowk, Haridwar, Pin – 249410	Sh. Manoj Sharma (9411450656)
16.	12082	Sita Ram Degree College	Sunhera, Roorkee, Distt. Haridwar Pin – 247667	Sh. Arvind Vedwan (9557555776)
17.	12083	Rishi Yog Sansthan	Purvi Nath Nagar, Jwalapur, Haridwar, Pin – 249407	Sh. Vishal Mahindru (7417883329)
18.	12086	Uttarakhand Sanskrit Academy	Ranipurjhal, Jwalapur, Distt. Haridwar, PIN – 249407	Dr. Harish Chandra Gururani (9837149064)
19.	12087	Mahaila Maha Vidhyalaya P.G. College	Satikund, Kankhal, Distt. Haridwar, PIN – 249404	Dr. Meenakshi Gupta (8126806863)
20.	12088	Uttarakhand Sanskrit University,	Bahadrabad, Haridwar- Uttarakhand	Dr. Manoj Kishor Pant 7983706560
21.	12089	Govt. Degree college, luxer	Dist.- Haridwar, Uttarakhand, 247663	Dr. Anjni Prasad Dubey 9453515020
22.	12090	Govt. Degree College,	Kanvaghati, kotdwar, vill- Luthapur, post-kalaghati, Kotdwar, 246149	
23.	12091	Garg Degree College,	Luxer Haridwar 247663	

Region: Pauri (14)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	14003	Government Degree College	Degree College Vedikhal (Pauri Garhwal)	Dr. Avtar Singh Negi (8755882229)
2.	14005	Govt. P.G. College Lansdowne	Lansdowne (Pauri Garhwal), Jaiharikhal, PIN – 246193	Dr. Diwakar Chandra Bebni (9410114009)
3.	14009	H.N.B. Garhwal Central University Campus	Srinagar, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246001	Dr. M C Purohit (7055397380)
4.	14018	Government PG College, Agastyamuni	Agastyamuni, Distt. Rudraprayag, PIN – 246421	Dr. L D Gagrya (9412935904)
5.	14046	Govt. Degree College Chandrabadni	Chandrabadni, Jamnikhal, Tehri Garhwal (Naikhari) PIN - 249112	Dr. Pratap Singh Bisht (9639424193)
6.	14047	Govt. Degree College Nagnath Pokhari	Nagnath Pokhari, Distt. Chamoli, PIN – 246473	Dr. Sanjeev Kumar Juyal (9412115761)
7.	14048	Than Singh Rawat Govt Degree College	Nainidanda Patotia, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246277	Dr. Vivek Kumar Kedia (8755614449)
8.	14049	Government Degree College Thalisain (Pauri)	Thalisain Patti, Choprakot, Distt. Pauri Garhwal, PIN – 246285	Dr. Jagsish Chandra Bhatt (9411319412)
9.	14050	Government Degree College Chaubattakhal	Chaubattakhal, Chamnau Post, Garhwal, Pin – 246162	Dr. Praveen Kumar Dhobal (9690636549)
10.	14051	Government Degree College Mazra Mahadev	Mazra Mahadev, Sunar Gaon, Chaura, Distt. Pauri Garhwal, PIN - 246130	Dr. Rakesh Chandra Joshi (9760785039)
11.	14052	Shri Gangadhar Maithani govt. degree College,	GuptKashi, Dist.- Rudraprayag, 246439	
12.	14053	Govt. Degree College,	Kaljikhal, Dist.- Pauri, 246146	
13.	14054	Govt. Degree College	Dist.- Rudraprayag, 246171	

Region: Uttarkashi (15)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	15016	RCU Govt. P.G. College Uttarkashi	Near Azad Maidan/ Police Kotwali, Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Devendra Dutt Painuly (9410781617)
2.	15024	P.S.B. Govt. Degree College Lambgaon	Lambgaon, Pratapnagar, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249165	Dr. Bharat Singh Chufal, 9557661778
3.	15027	Rajendra Singh Rawat Govt. Degree College Barkot	Barkot, Distt. Uttarkashi, PIN – 249193	Dr. Vijay Bahuguna (9456300001)
4.	15028	Government Degree College Thatyur	Thatyur, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249180	Dr. Kunwar Singh (7895435281)
5.	15029	Government Post Graduate College New Tehri	New Tehri, Distt. Tehri Garhwal, PIN – 249001	Dr. D P S Bhandari (9412921719)
6.	15030	B L J Govt. Degree College Purola	Purola, Distt. Uttarkashi, PIN – 249185	Sh. Krishna Dev Raturi (9639825252)

Region: Haldwani (16)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	16000	UOU Model Study Centre, Open University, HQ	University Road, Behind Transport Nagar (Teenpani Bypass), Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Dinesh Kumar (9837875234)
2.	16003	Amrapali Institute of Applied Sciences	Shiksha Nagar, Lamachaur, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Pankaj Pandey (7055500715)
3.	16022	PNG Government PG College	Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Dr. Kiran Kumar Pant (9410779508)
4.	16023	S.B.S Government P.G College	Fazalpur Mahraula, Rampur Road, Distt. U.S Nagar, PIN - 263153	Dr. Harish Chadra (997803455)

5.	16034	M.B.P.G College	Nainital Road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Dr. Rashmi Pant (9411162527)
6.	16047	Renaissance College of Hotel Management & Catering Techonology	Basai, Peerumadara, Ramnagar, Distt. Nainital, PIN – 244715	Mr. Jitendra Joshi (9927083058)
7.	16052	Radhey Hari Government Degree College Kashipur	Kashipur, Distt. U.S Nagar, PIN – 244713	Dr. Mahipal Singh (9412518666, 7830587872)
8.	16071	Govt. Degree College Kotabagh	Selsiya, Chak Dhauladi , Kotabagh, Distt. Nainital, PIN – 263159	Dr. H. C Joshi (9456780252)
9.	16072	Pt. Poornand Tiwari Government Degree College Doshapani	Pokhrad, Dhari, Distt. Nainital, PIN – 263136	Dr. R S Bhakuni (9412364210)
10.	16090	H.N.B. Govt. PG College	Near Telephone Exchange, Khatima, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262308	Dr. Ashutosh Kumar (9412986341)
11.	16097	Pal College of Technology and Management	RTO Road Kusumkhera, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Mr Bhanu Bisht (8477973333)
12.	16101	Govt. Degree College Banbasa	Banbasa, Chandani, Tanakpur, Distt.-Champawat, PIN – 262310	Dr. B N Dixit (9473900123, 9410101810)
13.	16104	Ayurvedic College	Panchayat Ghar, Rampur road, Haldwani, Distt. Nainital, PIN – 263139	Sh. Vimal Katiyar (9897110510)
14.	16116	Govt. Degree College Tanakpur	Tanakpur,Distt- Champawat, Pincode-262309	Dr. Sunil Kumar Katiyar (8126222894)
15.	16117	Indira Priyadarshni Govt. P G Women Commerce College	Nawabi Road, Haldwani, Distt – Nainital, PIN – 263139	Dr. Fakeer Singh (9412504182)
16.	16118	Govt. Degree College Sitarganj	Sisouna, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 262405	Dr. Rajvinder Kaur (8279688114)
17.	16119	R.L.S Memorial Degree College Jaspur	NH-74, Afzalgarh Road Kishanpur Teh-Jaspur	Mohd. Salim (7351986736)
18.	16120	Govt. P G College Rani Nangal	Rani Nangal, Fauzi Colony, Bazpur, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Satya Prakash Sharma (9412929795)
19.	16121	Dr. Sushila Tiwari Private degree College	Chintimazra, Sitarganj, Distt. Udham Singh Nagar	Dr. Shivendra (9634246369)
20.	16122	Government Degree College Patlot	Patlot, Distt. Nainital	Dr. Abha Tripathi (8126487969)
21.	16123	Lal Bahadur Shastri Government Degree College	Halduchaur, Haldwani, Distt. Nainital, Pin – 263139	Dr. Sunil Pant (9412017307)
22.	16125	MIET Kumaun Engineering College	Lamachaur, Haldwani , Distt. Nainital Pin – 263139	Sh. Tarun Kumar (9720615304)
23.	16128	Govt. Degree College, Kichha	Kichha, Distt. Udham Singh Nagar, PIN – 263148	Dr. Naresh Kumar (9412451665, 7454859510)
24.	16129	Goct. Degree College	Maldahanchaur, tehsil- Ramnagar, Dist.- Nainital, 244713	Sri Manoj Kumar 8006781086
25.	16130	Govt. Degree College,	Ramgarh, Dist.- Nainital, 263158	
26.	16131	Maharana Pratap Govt. Degre College, Nanakmatta	Dist.- U.S. Nagar, Uttarakhand 252311	
27.	16132	Sri Guru Nanak Dev Post Graduate College	Nnakmatta, Dist.- US Nagar, Uttarakhand 262311	

Region: Ranikhet (17)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	17007	Govt. P.G. College Ranikhet	Ranikhet, Distt. Almora, PIN – 263645	Dr. J S Rawat (9410958526)

2.	17013	Govt. P.G. College Dwarahat	Dwarahat, Distt. Almora, PIN – 263653	Dr. Nazish Khan (9897443821)
3.	17030	Government Degree College Karanprayag	Karanprayag, Distt. Chamoli, PIN – 246444	Dr. Ramesh Chandra Bhatt (9456153590)
4.	17059	Government Degree College Bhikiyasen	Bhikiyasen, Ranikhet Sadar Bazar	Dr. Kamal Kishore (9760433632)
5.	17062	Govt. Degree College Chaukhutia	Chaukhutia (Ganai) Distt. Almora, PIN – 263656	Dr. Siraz Ahmad (9917314786)
6.	17063	Government Degree College Gairsain	Gairsain, Distt. Chamoli, Pin – 246428	Dr. Ram Chandra Singh (7895973342)
7.	17065	Govt. Degree College Bhatronjkhan	Bhatronjkhan, Distt. Almora, PIN – 263646	Dr. Ajay Kumar (7500938912)
8.	17066	S.R.D.U. government P.G. College	Manila, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Yogesh Chandra (7248455032)
9.	17067	Government Post Graduate College Siyalde	Siyalde, Distt. Almora, PIN – 263667	Dr. Gokul Singh Satyal (9410184248)
10.	17068	Government Post Graduate College Gopeshwar	Gopeshwar, Distt. Chamoli, PIN – 246401	Dr. Akhilesh Kukreti (9528021480)
11.	17069	Kumaun University S.S.J. Campus	Almora, Distt- Almora, PIN – 263601	Prof. P S Bisht (9412092013)
12.	17070	Shri Ram Singh Dhoni Government Degree College	Jainti, Distt. Almora, PIN – 263626	Prof. Neeta Pande (9412084016)
13.	17071	Hukum Singh Bora Govt. Degree College	Someshwar, Distt. Almora PIN – 263637	Dr. Chandra Prakash Verma
14.	17072	Government Degree College Nandasain	Malai, Distt. Chamoli, PIN – 246487	Dr. Amar Chand Vishwakarma
15.	17073	Government Degree College Gurudabaj	Gurudabaj, Tehsil Bhanoli, Distt. Almora, PIN – 263623	Dr. Manju Chandra (9410309610)
16.	17074	Govt. Degree College	Masi, Almora	Dr. Sanjeev Kumar Asst. Professor
17.	17075	Govt. Post graduate college	Joshimath, Dist.-Chamoli, 246443	Sri Nandan Singh Rawat 7500042842
18.	17076	Govt. Degree College	Shitla khet, Almora Uttarakhand 263678	

Region: Pithoragarh (18)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	18002	L .S. M. Govt. P.G. College Pithoragarh	Pithoragarh ,Distt. Pithoragarh, PIN – 262502	Dr. Jeevan Singh Garia (9412344737)
2.	18004	Govt. P.G. College Narayan Nagar	Narayan Nagar, Distt. Pithoragarh, PIN – 262550	Dr. Pramod Kothari (9412093637)
3.	18011	Govt. P.G. College Lohaghat	Chori, Lohaghat, Distt. Champawat, Pin – 262524	Dr. Dharmendra Rathor (9412032748)
4.	18029	Govt. Degree College Champawat	Fulara Gaon, Champawat, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. B P Oli (9412042292)
5.	18031	Govt. Degree College Dharchula	Baluwakote, Dharchula, Distt. Pithoragarh, PIN – 262576	Dr. Jagat Singh Kathayat (9412952139)
6.	18032	Govt. PG College Berinag	Berinag, Distt. Pithoragarh, PIN–262531	Dr. J N Pant (9756536121, 9411347657)
7.	18033	Govt. Degree College Gangolihat	Gangolihat, Distt. Pithoragarh, PIN–262522	Dr. Shashi Pratap Singh (7248508011, 9453466892)

8.	18035	Govt. Degree CollegeGanai Gangoli	Ganai Gangoli, Distt. Pithoragarh, PIN – 262532	Dr. Munish Kumar Pathak (9690770069)
9.	18036	Govt. Degree College Muwani	Muwani, Distt. Pithoragarh, PIN – 262572	Dr. Ashish Kumar Gupta (9336076924, 8392897587)
10.	18037	Govt. Degree College Amodi	Amodi, Distt. Champawat, PIN – 262523	Dr. Sanjay Kumar (9412943265)
11.	18038	Government Degree College Munsyari	Munsyari, Distt. Pithoragarh, PIN – 262554	Dr. Pradeep Mandol (9091949198)
12.	18039	Government Degree College Devidhura	Kanvad, Devidhura, Distt. Champawat, PIN – 262580	Dr. S K Singh (8006759831)
13.	18040	Govt. Degree College, Pati	Champawat 262561	

Region: Bageshwar (19)

#	Code	Study Centre	Address	Coordinator/ Head of Institution
1.	19001	Govt. P.G. College Kathayatbara	Kathayatbara , Distt. Bageshwar, PIN - 263642	Dr. Lalit Mohan (9410965615)
2.	19016	Late Chandra Singh Shahi Govt. Degree College Kapkot	Ason, Kapkot, Distt. Bageshwar, PIN – 263632	Dr. Munna Joshi (9690114546)
3.	19022	Govt. Degree College Kanda	Kanda, Distt. Bageshwar, PIN - 263631	Prof. Dinesh Joshi (8755086027)
4.	19023	Govt. PG College Talwari	Talwari, Tharali, Distt. Chamoli, PIN – 246482	Sh. Shankar Ram (7017143861, 9456175089)
5.	19024	Govt. Degree College Garur	Garur, Distt. Bageshwar, Pin – 263641	Dr. Awadesh Tiwari (9997575114)

क्रम संख्या - 137 (ख)

पंजीकृत संख्या– यू.ए./डी.एन.-30/03
लाइसेन्स टू पोस्ट विदाउट प्रीपेमेन्ट

उत्तरांचल शासन

सरकारी गजट , उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-1, खण्ड (क)

(उत्तरांचल अधिनियम)

देहरादून, सोमवार, 31 अक्टूबर, 2005 ई.

कार्तिक 09, 1927 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

विधायी एवं संसदीय कार्य विभाग

संख्या 608/विधायी एवं संसदीय कार्य/ 2005

देहरादून, 31 अक्टूबर, 2005

अधिसूचना

विविध

"भारत का संविधान" के अनुच्छेद 200 के अधीन महामहिम राज्यपाल ने उत्तरांचल विधान सभा द्वारा पारित उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय विधेयक, 2005 पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2005 के रूप में सर्व-साधारण की सूचनार्थ इस अधिसूचना द्वारा प्रकाशित किया जाता है।"

उत्तरांचल मुक्त विश्वविद्यालय अधिनियम, 2005

(अधिनियम संख्या 23, वर्ष 2005)